मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.5	25.1
जमशेदपुर	30.1	24.0
डालटनगंज	26.8	22.6

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, रविवार 04 अगस्त 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 117 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

राजनीति अब यहां तक

अमित शाह अहमद शाह अब्दाली के वंशज: उद्धव

भाजपा सत्ता जिहाद कर रही, गृह मंत्री ने उन्हें औरंगजेब फैन क्लब का नेता कहा था

एजेंसी। पुणे

राजनीति कहां से कहां तक पहुंच गई है. इसकी बानगी अक्सर केंद्रीय गृह मंत्री के बयानों में दिख

जाती है. लेकिन उनको जवाब देने के लिए विरोधी दलों के नेता भी किसी तरह का परहेज नहीं करते.

शाह ने कुछ दिन पहले एनसीपी (शरद) के शरद पवार को भ्रस्टाचारी कहा था, तो बाद में इसके जवाब में पवार ने भी अमित शाह को तड़ीपार कह कर बदला चुकाया. कुछ इसी तरह गृह मंत्री अमित शाह ने उद्धव ठाकरे को औरंगजेब क्लब का फैन बताया था. - शेष पेज 07 पर

क्या बोले थे अमित शाह

21 जुलाई : उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए जीवनदान मांगा था. औरंगजेब फैन क्लब क्या है? जो 26/11 के आतंकी हमले के दोषी कसाब को बिरयानी खिलाते हैं, जो जाकिर नाइक को शांति दूत पुरस्कार देते हैं और जो पीएलएफआई का समर्थन करते हैं. उद्धव ठाकरे को इन लोगों के साथ बैठने में शर्म आनी चाहिए. महा विकास अघाड़ी औरंगजेब फैन क्लब है. यह भारत की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता है. उद्धव ठाकरे इस फैन क्लब के लीडर हैं. यह फैन क्लब महाराष्ट्र और भारत को सुरक्षित नहीं रख सकता है. सबकी सुरक्षा सिर्फ भाजपा कर सकती है.

आरक्षण में आरक्षण का विरोध

जाति गणना हो, कोर्ट से करूंगा आग्रह : चिराग

एनडीए के साथी लोजपा (आर), आरपीआई, जदयू व हम ने किया कोटे में कोटे का विरोध

एजेंसी। नयी दिल्ली

दलित उप-समूहों के वर्गीकरण और क्रीमीलेयर को एससी/एसटी से बाहर करने की सुप्रीम कोर्ट की

टिप्पणी पर सत्तारूढ़ एनडीए के साथी दलों ने ही विरोध शुरू कर दिया है. केंद्र की एनडीए सरकार के सहयोगी दल के लोजपा (आर), जदयू और रामदास अठावले की पार्टी आरपीआई ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई है. यही नहीं जीतनराम मांझी की पार्टी हम ने भी आरक्षण से क्रीमीलेयर से बाहर करने के सवाल पर अपना विरोध दर्ज कराया है. केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने एससी/एसटी के लिए आरक्षण में क्रीमी लेयर मानदंड लागू करने के किसी भी कदम का विरोध किया. उन्होंने कहा कि आरक्षण जाति को दिया गया है, उसे लागू रखना होगा. इसमें छेड़छाड़ का विरोध करेंगे.

लोजपा (आर) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का विरोध किया जिसमें राज्यों को 15% आरक्षण के एक हिस्से के लिए एससी के भीतर उप-समूह बनाने की अनुमति दी गई है. उन्होंने घोषणा की कि उनकी पार्टी इसके खिलाफ अपील करेगी. पासवान ने कहा कि वह जाति जनगणना के पक्ष में हैं, जिसके लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी जोरदार मांग कर रहे हैं, हालांकि उनका यह भी मानना है कि इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए. - शेष पेज 07 पर

मंच पर छलका दर्द

पद का मद हो जाता है तो कद भी नहीं रहता

वसुंधरा राजे आखिर किस पर निशाना साध गईं

एजेंसी। जयपुर

जैसे इंसान की जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते हैं, उसी तरह राजनीति में भी सब कुछ स्थाई नहीं होता है. हर

नेता को पार्टी में अच्छे पद की खोज रहती है. इसी को लेकर भाजपा की उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे का दर्द छलका है.

उन्होंने कहा कि हर किसी को उतार-चढ़ाव से गुजरना होता है. राजनीति में लोगों के सामने तीन चीजें आती हैं, वो है पद, मद व कद. पद-मद स्थाई नहीं होता, लेकिन कद स्थाई होता है. राजस्थान की पूर्व सीएम ने कहा कि राजनीति का दूसरा नाम है उतार-चढ़ाव. हर व्यक्ति को इससे गुजरना पड़ता है. वसुंधरा राजे ने कहा कि सबको साथ लेकर चलना आज के दौर में बहुत मुश्किल काम है. कई लोग फेल हो गए. पद का अहंकार कद को कम कर देता है.

वसुंधरा राजे ने यह भी कहा कि पार्टी में सबको खुश नहीं किया जा सकता है. सबकी कुछ न कुछ शिकायत रह ही जाती है. जयपुर में शनिवार को भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पदभार ग्रहण करने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वसुंधरा राजे ने कहा, संगठन में सबको साथ लेकर चलना मुश्किल काम है और बहुत सारे लोग इसमें विफल हो रहे हैं. उन्होंने इशारा किया कि राजनीति में किसी को भी अपने पद का घमंड नहीं करना चाहिए. उन्होंने कहा, मेरी नजर में सबसे बड़ा पद जनता का विश्वास है और ये ऐसा पद है, जिसे कोई भी छीन नहीं सकता है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,500
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

तीरंदाजी एकल में भी दीपिका कुमारी हारीं

पेरिस। भारत की अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी को

शनिवार को यहां दो बार बढ़त बनाने के बावजूद पेरिस खेलों की तीरंदाजी की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की नैम सुहियोन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जबकि युवा भजन कौर भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार गईं जिससे ओलंपिक में तीरंदाजी पदक का भारत का 36 साल का इंतजार जारी रहा.

- पेज 10 भी देखें

मणिपुर में असम राइफल्स ही चाहिए

इंफाल। मणिपुर के दस कुकी-जो विधायकों ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में संवेदनशील क्षेत्रों में असम राइफल्स को ही तैनात रखने और उसे सीआरपीएफ से नहीं बदलने को लेकर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है.

लोक अदालतों को लेकर सीजेआई का बड़ा बयान

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि लोग अदालतों से इतने तंग हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं. उन्होंने लोक अदालत सप्ताह पर कहा, लोग परेशान हैं कोर्ट से कि सुलह चाहते हैं, बस कोर्ट से दूर कर दीजिए. और यह हम सभी जजों के लिए चिंता का विषय है.

कोर्ट में एआईजी ने दामाद को मार डाला

चंडीगढ़। कोर्ट में पंजाब पुलिस के सस्पेंड एआईजी मलविंदर सिंह सिद्धू ने अपने दामाद हरप्रीत सिंह पर चार गोलियां चला दी. जिससे उनकी मौत हो गई. दोनों परिवारों के बीच घरेलू विवाद चल रहा था. इसी मामले में दोनों पक्ष शनिवार को कोर्ट में पहुंचे थे. मृतक हरप्रीत सिंह आईआरएस थे.

लोग इसलिए देश छोड़ के जा रहे हैं: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अमीर भारतीय नागरिकों के अपनी नागरिकता छोड़ने से जुड़े आंकड़े का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि यह पलायन सरकार की अपारदर्शी कर नीतियों और मनमाने कर प्रशासन का परिणाम हो सकता है.

डीयू में स्नातक के नए बैच की कक्षाएं 29 से

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने शनिवार को 2024-2025 सत्र में प्रवेश लेने वाले स्नातक के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए बहुप्रतीक्षित शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया. इसके मुताबिक 29 अगस्त से क्लास शुरू हो जाएंगे.

रांची में बेखौफ अपराधी: वकील को चाकू से गोदा, शूटआउट में घायल पूर्व पार्षद की मौत, अब

दारोगा की गोली मार कर हत्या

झारखंड की राजधानी में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. शनिवार को लगातार दूसरे दिन यहां हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया. बदमाशों ने दारोगा अनुपम कच्छप गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई. शहर में सुरक्षा के तमाम जो दावे किए जाते हैं, वो खोखले साबित हो रहे हैं. बेखौफ अपराधियों ने 24 घंटे में दूसरी बड़ी वारदात को अंजाम दिया है. इससे पहले शुक्रवार को वकील गोपाल कृष्ण की सुखदेवनगर थाने से महज 500 मीटर की दूरी पर अपराधियों ने चाकू से गोदकर कर हत्या कर दी थी. वहीं शनिवार को ही अपराधियों के गोली से घायल धुर्वा के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई. बीती 7 जुलाई को अपराधियों ने पूर्व पार्षद को गोली मारी थी. दो दिन पूर्व ही कांके रोड में एक होटल से समीप खड़े कांग्रेस के एक नेता पर अपराधियों ने गोली चलाई थी. गनीमत रही कि गोली उनके घुटने पर लगी. फिलहाल वह रिम्स में भर्ती है. सीसीटीवी कैमरे और चौराहों पर खड़ी पुलिसकर्मियों की फौज से बिना डरे अपराधी लगतार घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. घटनाएं बताती हैं कि पुलिस का पूरा सिस्टम अपराधियों पर नकेल कसने में कितना कमजोर हो गया है. शहर के दुकानदारों, सड़क किनारे लगने वाले ठेलों पर लाठी चला कर शांति व्यवस्था कायम करने का दावा करने वाली पुलिस के सारे दावों के चीथड़े बेखौफ अपराधियों ने उड़ा दिए हैं.

सौरभ सिंह। रांची

राजधानी रांची में एक और सनसनीखेज वारदात सामने आई है. कांके थाना क्षेत्र में रिंग रोड पर बोड़ेया के पास एक स्पेशल ब्रांच में तैनात सब इंस्पेक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई. जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी. घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है. दारोगा की पहचान अनुपम कच्छप के रूप में हुई है. अनुपम कच्छप के शरीर पर चार गोली लगने के निशान मिले हैं. बताया जा रहा है कि दारोगा अनुपम ड्यूटी से घर वापस लौट रहे थे. इसी दौरान कांके रिंग रोड से बोड़ेया जाने वाले रास्ते में अज्ञात अपराधियों ने उन्हें तीन गोलियां मारीं. एक गोली अनुपम के सीने में लगी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई. दो गोली शरीर को भेदते हुए बाहर निकल गई. जानकारी मिलते ही आईजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार, डीआईजी रांची अनूप बिरथरे, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा सहित कई अधिकारी रिम्स के ट्रामा सेंटर पहुंचे और जायजा लिया. दारोगा की हत्या को लेकर अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हत्या किस विवाद को लेकर की गई. डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया, अनुपम कच्छप के शरीर पर गोलियों के दो घाव मिले हैं. गोलियां उनकी पीठ के आर-पार हो गई थीं. उन्होंने बताया कि अनुपम कच्छप कांके थाना क्षेत्र के इंडियन ढाबा से एक पार्टी से लौट रहे थे, तभी यह घटना होने की आशंका है. बिरथरे ने कहा, घटना रात 12 से एक बजे के बीच की है. मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. डीआईजी ने बताया कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से प्रयास शुरू कर दिए गए हैं.

पुलिस महकमे में हड़कंप, जांच के लिए एसआईटी का गठन

शक की सुई दारोगा के दोस्तों पर, पुलिस कर रही पूछताछ

कांके रिंग रोड पर स्थित ढाबे पर पार्टी के बाद की गई हत्या

मारे गये अधिवक्ता गोपाल कृष्ण के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम महुआ टोली स्थित घर पहुंचे डीजीपी अनुराग गुप्ता व पुलिस अधिकारी.

दारोगा की बाइक और मोबाइल बरामद

बताया जा रहा है कि विभाग के दो अन्य सब इंस्पेक्टर भी अनुपम के साथ रिंग रोड के इंडियन ढाबा में खाना खाने आए थे. हत्या का शक अनुपम कच्छप के दोस्तों पर ही जा रहा है. घटना के बाद एक दोस्त ने शव को रिम्स पहुंचाया, जबकि

अनुपम कच्छप फाइल फोटो.

दूसरे दोस्त ने कांके थाना पुलिस को सूचना दी. दोनों सहकर्मी कांके थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जाते हैं. अनुपम को पीठ के पीछे से गोली मारी गई. गोली पीठ को भेदते हुए आर-पार हो गई. मौके पर अनुपम का मोबाइल और बाइक मिली है. पुलिस विभाग में रहते हुए उनके दोस्त बिना कांके पुलिस को सूचना दिए शव को रिम्स ले गए.यह भी जांच का विषय है. घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने अहले सुबह 5.30 बजे घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जानकारी ली. कांके पुलिस छानबीन में जुटी है. पुलिस कई लोगों से पूछताछ कर हत्या की वजह जानने की कोशिश कर रही है.

रिम्स पहुंचे बाबूलाल मरांडी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शनिवार को रिम्स अस्पताल पहुंचे. दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मारे गए स्पेशल ब्रांच के सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप के परिजनों से मुलाकात की. सोशल मीडिया के जरिए अपनी बात रखते मरांडी ने कहा कि एक युवा आदिवासी पुलिस अफसर का असमय इस दुनिया से चला जाना अत्यंत दुखद है. ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करता हूं. शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने स्वार्थ के लिए राजधानी रांची तक को अयोग्य अफसरों के हवाले कर बारूद के ढेर पर बैठा दिया है. - शेष पेज 07 पर

डीजीपी अनुराग गुप्ता की खुली चेतावनी

रांची में रहना है, तो कार्यशैली में सुधार करें

रांची। डीजीपी अनुराग गुप्ता शनिवार को दारोगा अनुपम कच्छप की हत्या के बाद समाहरणालय स्थित एसएसपी ऑफिस पहुंचे हैं. जहां उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की. उन्होंने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि राजधानी में पदस्थापित सभी पुलिस अधिकारी अपनी कार्यशैली सुधार लें. अगर वो अपनी कार्यशैली नहीं सुधारते हैं, तो उन्हें हटाया जाएगा.बता दें कि डीजीपी बनने के बाद पहली बार अनुराग गुप्ता एसएसपी ऑफिस पहुंचे थे. इस बैठक में आईजी, डीआईजी एसपी, डीएसपी समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे. इस दौरान मृतक पुलिस दारोगा अनुपम कच्छप के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया.

डीजीपी ने अफसरों के साथ बैठक की.

रिम्स भी पहुंचे अनुराग गुप्ता

डीजीपी अनुराग गुप्ता रिम्स भी पहुंचे. जहां स्पेशल ब्रांच के दारोगा की हत्या मामले में पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली. मेडिकल बोर्ड का गठन कर रिम्स में मारे गये दारोगा अनुपम कच्छप के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.

डीजीपी अधिवक्ता के परिजनों से मिले, कहा- जल्द गिरफ्तार होंगे अपराधी

रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र मधुकम स्थित महुआ टोली में सिविल कोर्ट के वकील गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू की शुक्रवार को हत्या कर दी गई थी. इस घटना के दूसरे दिन शनिवार को डीजीपी डीजीपी अनुराग गुप्ता अधिवक्ता के परिजनों से मिलने उनके घर पहुंचे. डीजीपी ने मृतक गोपी बाबू की मां, पत्नी से काफी देर तक बातचीत की. उन्हें अपराधियों के जल्द से गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है. इस दौरान डीजीपी ने परिजनों से कारण जानने का भी प्रयास किया, लेकिन घरवालों को इससे संबंधित कोई जानकारी नहीं होने के कारण कुछ बता न सके. डीजीपी ने मौके पर पत्रकारों से कहा कि एसएसपी की पूरी टीम जांच में जुटी है. तकनीकी शाखा भी सुराग ढूंढ़ रही है. अपराधियों की पहचान हो गयी है. उनका पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है. उम्मीद है जल्द अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे.

रांची में न नेता, न वकील और न ही पुलिस सुरक्षित

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

राजधानी रांची में बीते 48 घंटे में हुई तीन बड़ी आपराधिक घटनाओं ने जिले की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. बढ़ती आपराधिक घटनाओं को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि शहर में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है. अब लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. गुरुवार की शाम एक नेता को अपराधियों ने गोली मार दी थी. वहीं शुक्रवार को दिनदहाड़े वकील की चाकू मारकर हत्या कर दी गयी थी. अभी तक रांची पुलिस इन दोनों घटनाओं का खुलासा भी नहीं कर पाई थी. - शेष पेज 07 पर

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल जितना जायज, वजह जानना भी उतना ही जरूरी...

सुरजीत सिंह

राजधानी में शुक्रवार को दिन में एक अधिवक्ता की और रात में एक दारोगा की हत्या कर दी गई. यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों हत्याकांडों के पीछे की वजह क्या है. 24 घंटे के भीतर हुई इन दो घटनाओं के बाद राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठना भी जायज हैं. अपने साथी की हत्या पर आक्रोश व्यक्त करना स्वाभाविक है. विपक्ष में होने के नाते राजनीतिक दलों के नेताओं की तरफ से सवाल खड़ा करना भी ठीक है. आम लोगों में डर व असुरक्षा का भाव आना भी लाजिमी है. पर, इन सबके बीच असल सवाल यह है कि विभिन्न पेशे से जुड़े लोगों की हत्या क्यों हो रही हैं?

टिप्पणी क्या उस पेशे की वजह से हत्याएं हो रही हैं? ऐसा है तो यह सुरक्षा व्यवस्था में लगे अफसरों पर गंभीर सवाल है. जिम्मेदार अफसरों की बड़ी नाकामयाबी है. लेकिन अगर हत्या की वजह पेशेगत काम से अलग है, तो वह क्या है, यह जानना भी जरूरी है. रांची में हत्या की कई ऐसी वारदात हुई हैं, जिनके संबंध जमीन कारोबार से जुड़ रह हैं. जमीन के कारोबार से जुड़ कर कम समय में अमीर बन जाने की महत्वाकांक्षा ने विभिन्न पेशे से जुड़े लोगों को इससे जोड़ लिया है. पुलिस-प्रशासनिक अफसर व कर्मचारी, राजनेता, वकील, डॉक्टर, पत्रकार, व्यवसाई से लेकर दूसरी सरकारी व गैर सरकारी कंपनियों में काम कर रहे नौकरीपेशा लोग भी बड़े पैमाने पर इस कारोबार से जुड़ गए हैं. इसका उन्हें जितना आर्थिक फायदा मिल रहा है, उतना ही नुकसान भी. इस कारोबार से जुड़े अधिकांश लोग विवाद में घिरते जा रहे हैं. केस-मुकदमे में भी फंस रहे हैं. और कई बार जान जाने की नौबत तक भी आ जाती है. आज के हालात में यह जरूरी है कि पुलिस तेजी से काम करे और हत्या के आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे, ताकि कानून-व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कायम रहे. जिनकी मौत हुई, उनके परिवार, साथियों, सहयोगियों को लगे कि कार्रवाई हुई है... और शहरवासियों के मन से डर का माहौल खत्म हो.

विडंबना झारखंड के 13,982 आंगनबाड़ी केंद्रों का अपना खुद का भवन भी नहीं

करोड़ों खर्च, फिर भी 11,229 चल रहे किराए के भवनों में

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड के आगनबाड़ी केंद्रों में 15,36,000 बच्चों को पोषाहार के साथ स्कूल पूर्व शिक्षा देने के लिए सरकार करोड़ों रुपए की राशि खर्च कर रही है. राज्य में करीब 38,432 हजार आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं. इनमें से 13982 केंद्रों का अपना भवन नहीं है. 2753 केंद्रों का संचालन स्कूलों, पंचायत भवन और सामुदायिक भवनों में हो रहा है. वहीं 11,229 आंगनबाडी केंद्र किराये के भवन में चलाये जा रहे हैं.आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा भी प्रदान की जाती है. केंद्रों में पोषण, शिक्षा के साथ-साथ गर्भधारण के दौरान महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं. सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं और छोटे बच्चों को टीकाकरण सहित उनकी शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं. लेकिन राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों की हालत बेहतर नहीं है. ऐसी स्थिति कोई आज से नहीं है, बल्कि कई दशक से है. केंद्रों की स्थिति जैसी बनी हुई है, उससे सहज ही अंदाज लगाया जा सह राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों से लोगों को कितना लाभ मिल पा रहा होगा.

फैक्ट फाइल

राज्य भर में आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या	: 38,432
किराये के भवनों में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र	: 11,229
वैसे आंगनबाड़ी केंद्र जिनका अपना भवन नही	: 13, 962
स्कूलों और समुदायिक भवन में चलाये जा रहे केंद्र	: 2,753
आंगनबाड़ी सेविका की संख्या	: 38,400
आंगनबाड़ी सहायिका की संख्या	: 38,432
आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चे	: 15,36,000
नये आंगनबाडी केंद्र का हो रहा निर्माण	: 3,295

समय पर नहीं मिलता किराया : राज्य के 11,229 आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किराये के मकान में किया जा रहा है. जिन किराये के भवनों में केंद्रों का संचालन किया जा रहा है, उन भवनों का किराया समय पर नहीं मिलने के कारण सेविकाओं को काफी परेशानी होती है. किराके पैसे पाने के लिए आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं. वैसे भी किराये के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में अधिकांश केंद्र कब खुलते और बंद होते है, इसकी जानकारी स्थानीय लोगों को भी नहीं रहती है. इन केंद्रों में सिर्फ कागजों पर ही बच्चों के नाम दर्ज कर लिए जाते हैं.

आंगनबाड़ी केंद्र के लिए 7 सौ से तीन हजार रुपए तक किराया : प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में किराये के भवन में आंगनबाड़ी केंद्र चलाने के लिए विभाग की ओर से तीन हजार रुपये दिए जाते हैं. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 700 रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं. और जो शहर छोटे हैं, वहां पर 1500 रुपये प्रतिमाह सरकारी स्तर पर राशि दी जाती है.

किराए के पैसे के लिए होना पड़ता है परेशान : बालमुकुंद

आंगनबाड़ी प्रदेश संघ के अध्यक्ष बालमुकुंद किराये के सवाल पर कहते हैं कि आंगनबाड़ी सेविकाओं को केंद्र खोलने के लिए सोचना पड़ता है. क्योंकि उन्होंने केंद्र के लिए किराये पर जो भवन लिया है, उसका किराया लंबे समय से बाकी रहता है. किराया प्राप्त करने के लिए कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते है, बिना चढ़ावा दिए किराये की राशि भी जारी नहीं की जाती है.

पहली बार बीएसएफ के डीजी-एसडीजी पर गाज

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने बीएसएफ के डीजी नितिन अग्रवाल और स्पेशल डीजी वाईबी खुरानिया को हटा दिया है. अग्रवाल को गृह मंत्री अमित शाह का करीबी माना जाता है. दोनों अफसरों को इनके मूल कैडर में भेज दिया गया है.

सूत्रों के मुताबिक, इसकी कई वजहें बताई जा रही हैं. बीएसएफ के रिटायर्ड अफसर भी केंद्र के इस निर्णय पर हैरान हैं. पहली वजह ये बताई जा रही कि जम्मू में घुसपैठ के मामले बढ़े हैं. उक्त अफसर सटीक सिक्योरिटी पॉलिसी पर काम नहीं कर पाए. दूसरा, बीएसएफ में एकाएक कई अफसरों को हटा दिया गया. तीसरा, डीजी-एसडीजी में किसी मुद्दे पर तकरार हुई. मामला, एनएसए अजीत डोभाल तक पहुंचा. वहां पर पीएम मोदी के चहेते अफसर से तेज

- क्या पीएमओ के ताकतवर अफसर से तेज आवाज में बोलना पड़ा भारी?

आवाज में बात की गई. नतीजा, दोनों को एक साथ हटा दिया गया. सरकार ने दोनों अफसरों के लिए अलग-अलग आदेश जारी किया. दोनों शीर्ष अफसरों को एक साथ हटाना, बल के इतिहास में कभी देखने को मिला. बीएसएफ के पूर्व एडीजी एसके सूद कहते हैं, इससे बल के उत्साह पर बुरा असर पड़ सकता है. घुसपैठ तो कहीं भी हो सकती है. जम्मू और पंजाब में तो 3 टीयर सिक्योरिटी सिस्टम है. अगर बीएसएफ से इस मामले में चूक हुई, तो बाकी दो सिस्टम क्या कर रहे थे. सेना और पुलिस भी हैं. बीएसएफ तो पहले टीयर में है. पिछले दिनों अधिकांश आतंकी हमले, चिनाब के उत्तर में हुए थे.

सदन में पारित चार विधेयकों से बदलेगी राज्य की दिशा और दशा

▸▸ खनिज धारित भूमि उपकर से राज्य का खजाना होगा मजबूत, होंगे विकास कार्य ▸▸ निजी विवि के स्थापना से राज्य की शिक्षा व्यवस्था में आएगा सुधार ▸▸ झारखंड कारा व सुधारात्मक सेवाएं विधेयक से जेल सिस्टम सुधरेगा

प्रमुख संवाददाता/ रांची: सदन में पारित चारों विधेयकों से राज्य की दशा और दिशा बदलेगी. शिक्षा व्यवस्था में सुधार होगा. रोजगार परक शिक्षा मिलेगी. खनिजों के मिलने वाले कर से विकास कार्य किए जाएंगे. कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक से जेल प्रणाली दुरुस्त होगी. आपदा से निपटने के लिए झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक कारगार साबित होगा.

'झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक में क्या है प्रावधान

- राज्य के राजस्व कोष में बढ़ोतरी के लिए राज्य सरकार राज्य में खनिजों के खनन पर उपकर वसूलेगी.
- उपकर की वसूली खनिजों की मात्रा पर प्रति टन के हिसाब से को जाएगी.
- कोयला और लौह अयस्क के लिए 100 रुपये, बॉक्साइट अयस्क पर 70 रुपये व चूना पत्थर व मैगनीज अयस्क के खनन पर प्रति मीट्रिक टन 50 रुपये होगा.
- अन्य खनिजों के धारित भूमि से प्रति टन खनिज के प्रेषण पर निर्धारित रॉयल्टी का 50 प्रतिशत राज्य सरकार वसूलेगी.
- उपकर राज्य सरकार के खनन एवं भूगर्भ विज्ञान विभाग द्वारा एकत्र किया जाएगा.
- उपकर का भुगतान नहीं करने पर ब्याज के साथ वसूली का है प्रावधान.
- खनिज भूमि का धारक बिना शुल्क अय किए हुए खनिजों को भेजता है तो अधिसूचित प्राधिकारी धारक को शुल्क की देनदारी भुगतान के लिए नोटिस जारी करेगा, जिसमें देय शुल्क के मूल्य पर प्रति माह या उसके किसी भाग पर 5 प्रतिशत से अधिक की दर से ब्याज निधारित किया जा सकता है.
- उपकर की आय को राज्य के संचित निधि कोष में जमा किया जाएगा. इससे सरकार द्वारा समय समय पर निधर्धारित क्षेत्रों के लिए उपयोग किया जाएगा.

झारखंड निजी विश्वविद्यालय विधेयक में क्या है प्रावधान

- झारखंड प्राइवेट विवि की स्थापना के लिए नगर निगम सीमा के भीतर न्यूनतम पांच एकड़ भूमि व नगर निगम सीमा के बाहर न्यूनतम 15 एकड़ भूमि आवश्यक होगा.
- प्राइवेट विवि की स्थापना से लेकर संचालन तक सरकार की पूरी नजर रहेगी.
- नामांकन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी
- नामांकन में झारखंड के विद्यार्थियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीट आरक्षित रखना होगा,
- संस्थान द्वारा कुलाधिपति की नियुक्ति विजिटर/आगंतुक के अनुमोदन पर न्यूनतम एक वर्ष व अधिकतम तीन वर्ष के लिए की जाएगी.
- कुलाधिपति प्राइवेट विवि के प्रधान होंगे. यानी झारखंड के राज्यपाल प्राइवेट विवि के कुलाधिपति नहीं होंगे
- कुलपति की नियुक्ति सर्च कमेटी के माध्यम से होगी. राज्य सरकार द्वारा मनोनीत एक गणमान्य व्यक्ति या राज्य सरकार द्वारा नामित उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के एक पदाधिकारी होंगे.
- विवि की स्थापना के लिए नगर निगम सीमा के अंतर्गत भूमि के लिए 10 करोड़ रुपये व नगर निगम सीमा के बाहर की भूमि के लिए सात करोड़ रुपये फिक्स होनी चाहिए.
- स्थापना के छह वर्ष के अंदर नैक से मूल्यांकन करना जरूरी
- पुस्तकालय, सभागार, विद्यार्थी संसाधन केंद्र, खेल व्याख्यानशाला, प्रयोगशाला सहित प्रशासनिक व शैक्षणिक उद्देश्य के लिए कम से कम 1200 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र होगा.
- स्थापना के लिए अब आवेदन पोर्टल के माध्यम से जमा होगा. इसके साथ पांच लाख रुपये शुल्क लगेंगे.
- शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए यूजीसी, एआइसीटीई, एमसीआई, डीसीआई, बीसीआई, आईएनसी आदि जैसे निकायों से अनुमोदन लेना आवश्यक होगा.
- स्थापना के प्राप्त आवेदन व मापदंड की जांच के लिए उच्च शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में जांच कमेटी होगी.
- कमेटी में राजकीय विवि के दो कुलपति , वित्त विभाग, विधि विभाग, राज्य निबंधन विभाग के संयुक्त सचिव सहित भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सदस्य होंगे.

झारखंड अग्निशमन सेवा विधेयक में क्या है प्रावधान

- विधेयक के अनुसार अब 100 से अधिक शय्या वाले अस्पताल व नर्सिंग होम, सिनेमाघर, मार्केटिंग कांप्लेक्स, 50 से अधिक कमरे वाले होटल, लॉज, 20 हजार से अधिक क्षमता वाले खुला स्टेडियम 5 हजार क्षमता वाले इंडोर स्टेडियम, मनोरंजन पार्क, 10 हजार वर्गफीट वाली बिल्डिंग तहखाना के संचालकों को अपने यहां अग्नि सुरक्षा पदाधिकारी की तैनाती करनी होगी.
- अग्नि सुरक्षा प्रबंधन संस्थान में अग्नि सुरक्षा पदाधिकारियों का प्रशिक्षण होगा. ऐसी किसी भी बिल्डिंग का निरीक्षण भी तीन घंटे के नोटिस पर किया आ सकेगा. भवनी या परिसरों को सील करने की शक्ति विभाग के नामित पदाधिकारी निदेशक होगी.
- झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक में क्या है प्रावधान
- राज्य में कारांओं में अब कैदियों की श्रेणी तय होगी. राज्य सरकार पुरुष व महिलाओं के लिए अलग-अलग कारांओं का निर्माण करेगी.
- प्रत्येक के लिए पृथक अस्पताल भी बनेगा.
- जेल में कैदियों की अलग-अलग श्रेणी होगी, जो सजायाफ्ता दोषियों, अभ्यस्त बंदियों, विचाराधीन बंदियों, युवा अपराधियों, सिविल बंदियों और विशेष आवश्यकता वाले बंदियों में होगी.
- सभी के लिए अलग कक्ष भी होंगे.
- बंदियों के सुरक्षा वर्गीकरण के लिए एक वर्गीकरण कमेटी गठित की जा सकती है.
- कैदियों के जोखिम मूल्यांकन, अभिरक्षा रेटिंग, संस्थागत समायोजन के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा.
- कारा और सुधारात्मक संस्थाओं से संबंधित विधि में संशोधन करने व बंदियों की सुरक्षित व अभिरक्षा में सुधार, उत्थान और पुनर्वास की व्यवस्था होगी.
- कारा में प्रशासन, अभिरक्षा, सुरक्षा और सुधार को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक और अपडेट हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, डिजिटल प्लेटफार्म, नेटवर्क और साइबर सुरक्षा के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है.
- विदेशी बंदियों की तत्काल देनी होगी सूचना.
- इनको किया गया है कारागार अपराध घोषित
- कारा के किसी नियम की जानबूझकर अवहेलना कराना.
- किसी तरह का हमला या आपराधिक बल प्रयोग.
- अपमानजनक, धमकीपूर्ण व अपशब्द भाषा का प्रयोग.
- अनैतिक या अमर्यादित भाषा का प्रयोग.
- जानबूझकर श्रम करने में खुद को अक्षम बताना.
- बिना उचित अनुमति के हथकड़ी या सलाखों को रगड़ना, काटना, बदलना या हटाना.
- कठोर कारावास की सजा वाले बंदी द्वारा काम में जानबूझकर आलस्य या लापरवाही बरतना व कार्य का कुप्रबंधन करना.
- कारा या किसी संपत्ति को जानबूझकर नुकसान पहुंचाना.
- किसी तरह का अभिलेख या दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़
- प्रतिबंधित सामान की तस्करी, प्राप्ति या लेन-देन.
- साथी बंदियों को यातना देना, फिरौती मांगना.बीमारी का बहाना बनाना.साथी बंदियों के प्रति यौन रुझान या उत्पीड़न.
- किसी कारा अधिकारी या बंदी के खिलाफ जानबूझकर झूठा आरोप लगाना.
- अपने व्यक्तित्व व प्रभाव से तलाशी से इनकार करना.
- किसी बंदी या कारा अधिकारी पर आगजनी, साजिश, भागने का प्रयास, तैयारी या हमला की तैयारी.
- किसी बंदी को भागने में मदद करना.
- कारा से बाहरी लोगों से अनधिकृत रूप से बात करना, फिरौती मांगना और धमकी देना.
- कारा सॉफ्टवेयर, डेटा, वेब पोर्टल, कनेक्टिविटी व हार्डवेयर से संबंधित साइबर अपराध. ऐसा कोई भी कार्य जिसे सरकार
- कारा अपराध के रूप में वर्गीकृत कर सकती है.

बालू, खनिज, पहाड़, जमीन की लूट ही है सरकार की पांच साल की उपलब्धि

हेमंत सरकार में विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका कोई भी सुरक्षित नहीं : बाउरी

ब्यूरो । रांची

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय संवाददाता सम्मेलन कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर कड़ा हमला किया है. उन्होंने कहा है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है. राज्य सरकार कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को धार देने में जुटी है. हेमंत सरकार में विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका कोई भी सुरक्षित नहीं है.

यहां तक कि आम जनता भगवान से यह प्रार्थना करने की मजबूर है कि कब यह झूठी सरकार का राज खत्म हो. उन्होंने राज्य की चरमराई विधि-व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा की पिछले दो दिन राज्य में एक दारोगा अनुपम कच्छप की गोली मार और अधिवक्ता गोपीकृष्णा की चाकू मार कर हत्या कर दी गयी. वहीं एक जनप्रतिनिधि वेद प्रकाश का निधन हो गया, जिन्हें कुछ दिन पहले अपराधियों ने गोली मार दी थी.

रांची में मीडिया के समक्ष अपनी बात रखते अमर कुमार बाउरी.

सदन में विधि-व्यवस्था पर कुछ नहीं बोले मुख्यमंत्री

हेमंत सरकार के कार्यकाल में 7000 से अधिक महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया. यहां की सरकार आदिवासी छात्रों पर लाठियां चलवाने तक का काम किया गया है. राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए जगह तैयार करनी है. वहीं हर दिन 5 हत्याएं राज्य में हो रही हैं, लेकिन लोकतंत्र के मंदिर विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने कार्यकाल के सदन के अंदर अपने अंतिम भाषण में विधि-व्यवस्था पर एक शब्द तक नहीं कहा.

नेता प्रतिपक्ष को बोलने के लिए सदन में नहीं मिला समय

अमर कुमार बाउरी ने कहा कि संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपनी बात रखने के लिए असीमित समय चाहिए. वहीं झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने तक नहीं दिया जा रहा. सदन के अध्यक्ष पार्टी कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं और एक विधायक के प्रस्ताव को मानते हुए भाजपा के 18 विधायकों को निलंबित कर देते हैं, जो पूर्ण रूप से असंवैधानिक है. इसलिए भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है. यह सरकार युवा विरोधी सरकार है, संविधान की धज्जियां उड़ाने वाली सरकार है. लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित करने वाली सरकार है.

कोर्ट की खबरें

रांची सिविल कोर्ट में दूसरे दिन भी नहीं हुए न्यायिक कार्य

बार काउंसिल ने आश्रितों के लिए मांगा एक करोड़ मुआवजा

संवाददाता । रांची

रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण उर्फ गोपी बाबू की दिनदहाड़े हत्या से गुस्साए रांची के सभी अधिवक्ताओं ने शनिवार को भी न्यायिक कार्य में हिस्सा नहीं लिया. उधर झारखंड स्टेट बार काउंसिल ने अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की हत्या मामले को गंभीरता से लिया है. काउंसिल के चेयरमैन राजेंद्र कृष्णा ने इस हत्याकांड में शामिल अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है. साथ ही अधिवक्ता के आश्रितों को एक करोड़ मुआवजा देने की भी मांग की है. उन्होंने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो राज्यभर में एक वृहद आंदोलन चलाकर अधिवक्ताओं की सुरक्षा की मांग की जाएगी. उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री और हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस से भी हस्तक्षेप करने की मांग की है. राजेंद्र कृष्ण ने झारखंड में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट अब तक लागू नहीं करने पर नाराजगी जतायी है और बिना विलंब के इसे लागू करने की मांग एक बार फिर दोहरायी है.

जिला बार एसोसिएशन ने शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि

बता दें कि रांची जिला बार एसोसिएशन के भवन में शनिवार की सुबह 10 .30 आपात बैठक हुई . इसके बाद दिवंगत अधिवक्ता गोपी कृष्णा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गयी . अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखा . शोक सभा में काफी संख्या में अधिवक्ताओं ने हिस्सा लिया . सभा में शामिल अधिवक्ताओं ने उपस्थित हुए और घटना के प्रति गहरी निंदा व्यक्त की .

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की बेल पर सात अगस्त को होगी सुनवाई

रांची। टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में वकीलों के कार्य बहिष्कार के कारण शनिवार को सुनवाई नहीं हो पाई. अब कोर्ट सात अगस्त को उनकी जमानत अर्जी पर सुनवाई करेगा. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं ईडी इसी केस में राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से भी पूछताछ कर चुकी है. इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम की भी गिरफ्तारी हो चुकी है. इनके ठिकाने से एजेंसी ने 35 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद राशि बरामद की थी.

क्लासिफाइड

सीसीएल के लाभुकों को अनुकंपा के आधार पर मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता । रांची

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विशेष लोक अदालत सप्ताह के दौरान शनिवार को दिल्ली में भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा विधि व न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की उपस्थिति में कोल इंडिया के 10 महिलाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया. इनमें सीसीएल की दो महिलाएं नीतू कुमारी बरका-सयाल क्षेत्र एवं संतोसिनी बिसाई एनके क्षेत्र शामिल थीं. इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के अपर सचिव रूपिंदर बरार, कोल इंडिया लि. के अध्यक्ष पीएम प्रसाद, निदेशक (कार्मिक) विनय रंजन के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

बताते दें कि शनिवार को पूरे कोल इंडिया में 424 लाभुकों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए, जिनमें सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों के कुल 100 लाभुक शामिल थे. सीसीएल के क्षेत्रवार नियुक्ति पत्र वितरण में रजरप्पा के 5, हजारीबाग के 13, कुजू के 8, अरगड्डा के 13, बरका-सयाल के 20, एनके के 7, पिपरवार के 5, ढोरी के 9, बीएंडके 6, कथारा के 11, सीआरएस, बरकाकाना के 1, मगध-संघमित्रा के एक व आम्रपाली-चंद्रगुप्त के 1 लाभुक शामिल हैं. नियुक्ति पत्र वितरण को लेकर पूरे कोल इंडिया में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गए थे. बता दें कि सीसीएल सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह के नेतृत्व में अनुकंपा से संबंधित मामलों के त्वरित निपटारा के लिए एक विशेष ड्राइव चलाया गया था, जिसके फलस्वरूप सीसीएल में 100 लाभुकों को नियुक्ति पत्र दिया गया.

कार्यक्रम में मौजूद सीजेआई डॉ. डीवाई चंद्रचूड़, मंत्री अर्जुन राम मेघवाल व अन्य.

शिक्षकों की प्रोन्नति के मामले को लेकर बैठक

रांची। प्रारंभिक शिक्षकों की प्रोन्नति के निराकरण को लेकर प्रोजेक्ट बिल्डिंग स्थित प्राथमिक शिक्षा निदेशक के सभागार में पदाधिकारी व शिक्षक संघों के बीच कई बिंदुओं पर चर्चा की गई. पूर्व नियमावली 1993, सचिव के पत्रांक 866/14/11/2023 का पर भी चर्चा की गई. साथ ही मांग की गई कि 24 वर्षों के बीत जाने के बाद भी समय पर प्रोन्नति नहीं होने और जल्द प्रोन्नति, एमएसीपी का भी निष्पादन हो. 1994 में नियुक्त उर्दू शिक्षकों के लिए अलग से प्रोन्नति देने का भी विचार शिक्षक संघ के अमीन अहमद ने दिया. शिक्षा पदाधिकार्यों में संयुक्त सचिव नंदकिशोर लाल, उप निदेशक शिवेंद्र कुमार, क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक अलका जायसवाल, ब्रज माधव, विशेष कार्य पदाधिकारी मुकेश सिन्हा शामिल थे. मौके पर विजय बहादुर सिंह, अमीन अहमद, राममूर्ति ठाकुर, शैलेंद्र सुमन व अन्य प्रतिनिधि शामिल थे.

चुनाव की तैयारी ईवीएम व वीवीपैट पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

ईवीएम-वीवीपैट के प्रोटोकॉल की दी जानकारी

संवाददाता । रांची

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार की अध्यक्षता में सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, उप निर्वाचन पदाधिकारियों व एफएलसी सुपरवाइजर के लिए ईवीएम और वीवीपैट के प्रथम स्तरीय निरीक्षण के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया. श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ भारत निर्वाचन आयोग के सचिव बीसी पात्रा, अवर सचिव राकेश कुमार, ईवीएम की नोडल पदाधिकारी गीता चौबे, एनएमएलटी महेंद्र कुमार और मृत्युंजय कुमार ने संबंधित विषयों पर पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया.

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य पदाधिकारियों को ईवीएम और वीवीपैट से संबंधित सभी प्रोटोकॉल से अवगत कराना है, जिससे विधानसभा चुनाव के दौरान किसी प्रकार के संशय की स्थित उत्पन्न न हो. उन्होंने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट के रख रखाव के दौरान स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व राजनीतिक दलों के साथ बातचीत महत्पूर्ण है.

कार्यशाला में पदाधिकारियों को ईवीएम व वीवीपैट की तकनीकी और प्रशासनिक सुरक्षा, प्रथम स्तरीय निरीक्षण की प्रक्रिया एवं डाउट क्लियरिंग सत्र का आयोजन किया गया. इन सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा पीपीटी के माध्यम से बिंदुवार प्रशिक्षण दिया गया. कार्यशाला के उपरांत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार द्वारा सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ राज्य में चल रहे द्वितीय मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई. इस अवसर पर सभी जिलों के संबंधित पदाधिकारियों के अलावा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार व अन्य शामिल रहे.

कार्यशाला में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व आयोग के सचिव.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, रविवार 04 अगस्त 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 117 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लगातार वर्षा से प्रशासन अलर्ट, शहरी व ग्रामीण इलाकों में बनाए गए राहत शिविर, नदियों के करीब नहीं जाने की चेतावनी जारी

बारिश से कई मकान ध्वस्त, नदियां उफान पर

चांडिल में बारिश से मिट्टी का मकान गिरा, मलबे में दबकर दंपती की मौत

चौका थाना की मातमकडीह पंचायत के रेयारदा गांव में बारिश में गिरा मकान. घटनास्थल पर पहुंचे लोग.

संवाददाता । चांडिल

चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत मातमकडीह पंचायत के नक्सल प्रभावित क्षेत्र रेयारदा गांव में शुक्रवार की देर रात हुई भारी बारिश के कारण एक मकान ध्वस्त हो गया. मकान गिरने से अंदर सो रहे बुजुर्ग दंपती की मलबे में दबकर मौत हो गई. विदित हो कि गुरुवार से ही चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में रूक-रूक बारिश हो रही है. मृतकों की पहचान 55 वर्षीय दुम्पा मुंडा व उनकी 50 वर्षीय पत्नी लोबदा मुंडा के रूप में की गई है.

जानकारी के अनुसार गुरुवार को चौका क्षेत्र में दिन भर से रूक-रूक भारी बारिश हो रही थी. वहीं शुक्रवार को जमकर बारिश हुई. इसके कारण पहाड़ी क्षेत्र की मिट्टी गीली हो गई. शुक्रवार को दोनों पति-पत्नी रात में खाना खाने के बाद सो गए. वहीं रात को अचानक मकान धंस गया, जिसके कारण मलबे में दबकर दोनों की दर्दनाक मौत हो गई. बताया जा रहा कि दोनों का मकान अन्य ग्रामीणों से दूर स्थित है. इसके कारण ग्रामीणों को रात में घटना की जानकारी नहीं हुई. शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने देखा तो दोनों घर के अंदर दीवार की मिट्टी से दबे हुए थे.

घटना की सूचना ग्रामीणों ने पंचायत के मुखिया सुकलाल मांझी को दी. घटना की सूचना मिलते ही मुखिया सुकलाल मांझी, उप मुखिया शंकर सिंह सरदार, पंचायत समिति सदस्य बिरेन सिंह सरदार रेयारदा गांव पहुंचे और घटना की जानकारी ली. मुखिया सुकलाल मांझी ने घटना की जानकारी चौका थाना की पुलिस को दी. इसके बाद शनिवार दोपहर को चौका थाना की पुलिस रेयाडदा गांव पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दिया.

मृतक का बेटा ओर पुत्रवधु दूसरे मकान में सोए थे, जिसके कारण उन्हें रात को घटी घटना का पता नहीं चल सका. दुम्पा मुंडा का मकान मुख्य बस्ती से करीब आधा किलोमीटर दूर अवस्थित है.

उसके पुत्र का मकान भी उनके घर से पांच सौ फीट दूर है. घटना मध्यरात्रि की बताई जा रही है. इस घटना में मकान के अंदर रखे अनाज समेत सभी सामान भी बर्बाद हो गया है. मकान के अंदर 10-12 क्विंटल चावल भी नष्ट हो गया है.

गोइलकेरा के डुमरिया गांव में घर पर पेड़ गिरा, बाल-बाल बचे लोग

क्षतिग्रस्त घर में खड़ा पीड़ित और सड़क पर गिरा पेड़.

संवाददाता । गोइलकेरा

पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश के बीच शनिवार को गोइलकेरा प्रखंड के बारा पंचायत के डुमरिया गांव में एक घर पर सूखा विशाल आम का पेड़ गिर गया. इससे डुमरिया गांव निवासी मांगी लाल सिंकू के दो खपड़ापोस मिट्टी का घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. घर में रखे सामान को भी नुकसान पहुंचा है.

बताया जाता है कि मांगी लाल सिंकू परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शनिवार सुबह अपने घर में थे. सुबह बारिश के बीच चली हवा के दौरान मांगी लाल सिंकू के घर के ऊपर एक विशाल आम का पेड़ गिर गया. इस घटना में मांगी लाल सिंकू व परिवार के अन्य सदस्य बाल-बाल बच गए. वहीं घर भी क्षतिग्रस्त हो गया.

इससे मांगी लाल सिंकू के समक्ष बरसात में रहने के लिए छत नहीं है. इधर पेड़ गिरने के कारण दो बिजली पोल भी टूट गया. पेड़ का अन्य भाग सड़क के बीचो बीच गिर जाने से आवाजाही भी बाधित हो गई.

वहीं इसकी सूचना मिलने पर बारा पंचायत की मुखिया विनीता पूर्ति ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली. वहीं उन्होंने जेसीबी लगवाकर सड़क से पेड़ हटवाया. साथ ही इस बारे में गोइलकेरा के बीडीओ सह सीओ विवेक कुमार को दी. इसके बाद सीओ विवेक कुमार ने तत्काल राजस्व कर्मचारी और पंचायत सचिव को डुमरिया गांव भेजकर पीड़ित व्यक्ति को सहायता प्रदान करने की बात कही. जिसके बाद अंचल निरीक्षक हरि लाल यादव, मुखिया विनीता पूर्ति ने पीड़ित मांगी लाल सिंकू को सहायता स्वरूप दो तिरपाल, 25 किलो चावल आदि प्रदान किए.

खरकई नदी खतरे के निशान से तीन मीटर और स्वर्णरेखा पांच मीटर नीचे

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हुई बारिश के कारण शहर की दोनों नदियों का जलस्तर में एकाएक वृद्धि दर्ज की गई. हालांकि दोनों नदियां (खरकई व स्वर्णरेखा) अभी खतरे के निशान से नीचे हैं. लेकिन एहतियात के तौर पर प्रशासन अलर्ट हो गया है. इसके लिए शहर के दोनों निकाय (जेएनएसी व मानगो नगर निगम) को सभी जरूरी एहतियात कदम उठाने का निर्देश दिया गया है. निकायों ने राहत शिविर व बचाव दल का गठन कर दिया है. ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी ने नदी के समीपवर्ती क्षेत्रों में राहत एवं बचाव शिविर तैयार कर लिया है.

खरकई नदी का जलस्तर पड़ोसी राज्य ओडिशा में पानी के बाद वहां व्यांगबिल डैम का फाटक खुलने के बाद बढ़ता है. हालांकि शुक्रवार को ओडिशा में ज्यादा वर्षा नहीं हुई. जिसके कारण वहां का फाटक अभी नहीं खोला गया है.

जिला प्रशासन ने दोनों नदियों के तटीय क्षेत्र व डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों से सतर्क एवं सुरक्षित रहने की अपील की है. नदी किनारे नहीं जाने की नसीहत दी है. जिससे किसी तरह से जानमाल का नुकसान हो.

बारिश की पानी से लबालब स्वर्णरेखा नदी.

शहर में स्वर्णरखा नदी (मानगो पुल के पास) का जलस्तर 116.56 मीटर है, जबकि डेंजर लेबल 121.50 मीटर है. इसी तरह आदित्यपुर पुल के पास स्थित खरकई नदी का डेंजर लेबल 129.00 मीटर है, जबकि अभी इसका जलस्तर 126.81 मीटर है. खरकई नदी का जलस्तर खतरे के निशान से तीन मीटर नीचे है. स्वर्णरखा नदी का जलस्तर खतरा के निशान से करीब पांच मीटर नीचे है.

आज वर्षा का अलर्ट

शहर और आसपास के इलाके में मौसम विभाग ने रविवार को वर्षा होने का अलर्ट जारी किया है, बीते चौबीस घंटे में 4.6 मिमी ही बारिश दर्ज की गई है. नदियों का जलस्तर बढ़ा जरूर है, लेकिन निचले इलाके में बारिश का पानी नहीं घुस पाया है.

जिला प्रशासन ने बागबेड़ा, जुगसलाई, भुइयांडीह, कल्याणनगर, मानगो के चाणक्यपुरी, कुंवरबस्ती, हड्डी गोदाम, कदमा शास्त्रीनगर, पार्वतीघाट सहित अन्य इलाकों के लोगों को अलर्ट जारी किया गया है. प्रत्येक मोहल्ले में सरकारी स्कूल, धर्मशाला और सामुदायिक भवनों में राहत शिविर निर्धारित किया गया हैं, ताकि नदी का पानी घरों में घुसने पर उन्हें राहत शिविर में ले जाया जा सके. जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) ने बाढ़ से निपटने के लिए अपने इलाके में 13 राहत शिविर बनाए हैं. इन राहत शिविरों में अधिकारियों की भी तैनाती की गई है.

जल निकासी नहीं होने से एनएच की स्थिति खराब

संवाददाता । रायरंगपुर

मयूरभंज जिले के जशीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) बाजार सड़क अभिशाप बन गयी है. जशीपुर बाजार से होकर गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 49 लगभग पूरी तरह से खराब हो गयी है. हल्की बारिश होने पर भी इस राजमार्ग पर पानी जमा हो जाता है. एनएच तालाब बन जाती है. केंद्र सरकार के अधीन इस राजमार्ग पर केवल पैचिंग का काम चल रहा है. कुछ दिनों पहले राज्य सरकार के वन पर्यावरण मंत्री ने खुद सड़क की स्थिति देखी. सभी ने सोचा कि कुछ सुधार हो सकता. एनएच पर जमा पानी दुकानों, घरों और बैंकों में घुस रहा है. लोहा आयरन लदे ट्रक, यात्री बसें, लंबे ट्रेलर सड़क पर चल रहे हैं. सड़कों पर बने गड्ढों के कारण वाहन कभी भी पलट सकते हैं. हर दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो रही हैं. दूसरी ओर जमीन अधिग्रहण नहीं होने से बाइपास सड़क का काम बीच में ही बंद है. इस सड़क पर आवागमन में परेशानी होती है. जब बरसात का दिन आता है तो हर किसी को सड़क की हालत याद आती है. यहां तक कि चुने हुए जन प्रतिनिधि भी अपनी जिम्मेदारी भूल चुके हैं.

जशीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग बाजार सड़क पर बने तालाबनुमा गड्ढे.

बागबेड़ा थाना में किन्नरों ने किया हंगामा, तोड़फोड़

किन्नरों का आरोप - पुलिस ने थाना में बुलाकर गालियां दीं और बेरहमी से पीटा

थाना के क्षतिग्रस्त वाहन के साथ घायल पुलिसकर्मी.

घटना के खिलाफ विरोध जाहिर करते किन्नर.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

बागबेड़ा थाना क्षेत्र के संकटा सिंह पेट्रोल पंप के पास गुरुवार के देर रात किन्नरों को अश्लील हरकत करते देख थाना की गश्ती गाड़ी में सवार अधिकारियों ने रोकने का प्रयास किया. इस दौरान किन्नरों का ग्रुप पुलिसकर्मियों से उलझ गया. जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर सभी को वहां से भगाया. इस घटना के बाद शुक्रवार की रात 15 से 20 की संख्या में किन्नर बागबेड़ा थाना पहुंच गए तथा वहां तोड़फोड़ करने लगे. इस दौरान किन्नरों ने थाना प्रभारी के साथ भी अभद्र व्यवहार किया. बताया जा रहा है कि थाना प्रांगण में पहुंचकर किन्नर समाज के लोगों ने थाना की बोलेरो का शीशा और गमला को भी तोड़ दिया. बागबेड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि सभी किन्नर नशे में थे. इस दौरान किन्नरों ने गार्ड रूम में घुसकर हथियार छीनने का प्रयास किया. जहां कांस्टेबल तेजू राम ने किन्नरों को रोकने का प्रयास किया. किन्नरों नें कांस्टेबल से भी मारपीट की. मारपीट के दौरान कांस्टेबल चोट लगने से जख्मी हो गया.

दूसरी ओर इस मामले को लेकर शनिवार को किन्नरों का एक प्रतिनिधिमंडल एसएसपी से मिलने उनके दफ्तर पहुंचा. उन्होंने आरोप लगाया कि थाना में उनके साथ मारपीट की गई. किन्नर शिल्पी सिंह ने कहा कि उन्हें पहले थाना बुलाया गया था. रात 10 बजे किन्नर थाना पहुंचे तो वहां पर भद्दी-भद्दी गालियां दी गई. विरोध करने पर बेरहमी से मारपीट की गयी. शिल्पी सिंह ने कहा कि हमलोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया. जिसके कारण सोनू किन्नर के सिर में गंभीर चोट आयी. वही शिल्पी सिंह को भी गंभीर चोट आई है. एसएसपी ने उन्हें आश्वासन दिया कि जांच कराके दोषी पर कार्रवाई करेंगे. एसएसपी ने पत्रकारों को बताया कि वरीय अधिकारी को जांच का जिम्मा दिया गया है.

थाना घेराव व आत्मदाह की दी धमकी

पिटाई से जख्मी किन्नरों ने पुलिस पर अमानवीय तरीके से मारपीट करने का आरोप लगाया. कहा कि अगर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो पूरे शहर के किन्नर बागबेड़ा थाना का घेराव करेंगे. उन्हें न्याय नहीं मिलने पर वे आत्मदाह तक कर सकते हैं. जिसकी जवाबदेही पुलिस-प्रशासन की होगी. कई किन्नरों ने पुलिस की पिटाई के जख्म भी दिखाए.

भारत विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर : संजय सेठ

केंद्रीय बजट की बारीकियों से प्रबुद्धजन को कराया अवगत

संवाददाता । जमशेदपुर/चांडिल

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को केंद्रीय बजट 24 पर शहर के प्रबुद्धजनों को संबोधित किया. कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रयासरत है. निर्मला सीतारामण की ओर से पेश किया गया बजट में उसी तरह प्रावधान किए गए हैं. जिससे विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए महिला, युवा, किसान और गरीब का विकास हो सके. कहा कि समाज और देश का विकास करना है तो अंतिम पंक्ति का उदय करना होगा. फिर चाहे वो अन्तोदय परिवार का हो, समाज का हो, जिले का हो या फिर देश का हो.

घुसपैठियों की नजर जमीन, रोजगार और सत्ता पर

दूसरी ओर चांडिल में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड को अपनी चारागाह बना रहे है. उनकी नजर राज्य के जमीन, रोजगार और सत्ता पर टिकी हुई है. इस पर लगाम नहीं लगा तो आने वाले दिनों में राज्य की सत्ता पर घुसपैठियों का राज होगा. भाजपा इसके खिलाफ जनजागरण अभियान चला रही है. जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी तो सख्त रवैया अपनाकर इसे रोका जाएगा.

जमशेदपुर में बजट पर परिचर्चा को संबोधित करते केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ. मंच पर उपस्थित सांसद विद्युत बरण महतो व वरिष्ठ नेता.

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना | फॉर्म भरने के लिए पंचायतों व निकायों में लगा शिविर, उमड़ी भीड़

योजना का फॉर्म पूरी तरह निःशुल्क, पैसे मांगने वालों पर होगी कार्रवाई : उपायुक्त

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत शनिवार से पूर्वी सिंहभूम जिले के 231 पंचायत व चार नगर निकायों के अंतर्गत 24 स्थानों पर कैंप लगाकर फॉर्म भरने की शुरुआत की गई. कई केंद्रों पर फॉर्म वितरण की शुरुआत जन प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने की. उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बताया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म पूरी तरह निःशुल्क है. इसके लिए कोई शुल्क देय नहीं है. कतिपय स्थानों से शिकायत प्राप्त हो रही है कि फॉर्म के लिए लाभुकों से पैसे मांगे जा रहे हैं. ऐसे लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने आमजन से अपील की कि आंगनबाड़ी की सेविका व सहायिका से ही निःशुल्क फॉर्म प्राप्त करें. किसी बिचौलिये के माध्यम से पैसे देकर फॉर्म नहीं खरीदें. कोई भी व्यक्ति फॉर्म के लिए पैसा की मांग करता है तो तत्काल अपने प्रखंड के बीडीओ और सीओ को सूचित करें. ऐसे लोगों के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी.

देवघर पंचायत में योजना का शुभारंभ करते विधायक मंगल कालिंदी.

जमशेदपुर प्रखंड में फॉर्म जमा करने के लिए उमड़ी भीड़.

जमशेदपुर प्रखंड के एनएच पर स्थित देवघर पंचायत में जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने फॉर्म वितरण की शुरुआत की. मौके पर सामाजिक सुरक्षा की सहायक निदेशक, बीडीओ डॉ. सुधा वर्मा, सीओ मनोज कुमार मौजूद थे. उन्होंने सभी लाभार्थियों को योजना से अवगत कराया. साथ ही धैर्यपूर्वक फॉर्म प्राप्त करने तथा जमा करने के लिए कहा. पहले दिन ही कई केंद्रों पर फॉर्म भरने के लिए महिलाओं की अत्यधिक भीड़ दिखी. इस दौरान कहीं-कहीं अव्यवस्था भी दिखी. महिलाओं की ज्यादा भीड़ होने के कारण कई जगहों पर कुछ समय के लिए फॉर्म वितरण एवं भरने का कार्य प्रभावित हुआ.वहीं सर्वर डाउन होने के कारण कई पंचायतों में फार्म अपलोड नहीं हो सका. सभी प्रखंडों में शाम 6 बजे तक कुल 446 फॉर्म की इंट्री हुई ज्ञात हो कि जिले के 231 पंचायत व चारो शहरी नगर निकाय में 24 स्थानों पर फॉर्म का वितरण किया जाएगा. 10 अगस्त तक लाभुक उपरोक्त स्थानों से फॉर्म प्राप्त कर उसे जमा कर सकते हैं.

निकायों में इन जगहों पर मिलेगा फॉर्म

जुगसलाई नगर पर्षद : नसीम मैरेज हॉल, ईदगाह मैदान, जुगसलाई, बालक मध्य विद्यालय (एम.ई स्कूल), जुगसलाई नगर परिषद कार्यालय जुगसलाई.

मानगो नगर निगमः विवेकानन्द स्कूल, अमर ज्योति स्कूल, पब्लिक वेलफेयर स्कूल, आदिवासी जनकल्याण हाई स्कूल, हनिफिया स्कूल, मध्य विद्यालय पारडीह, गुरूनानक हाई स्कूल, राजस्थान भवन, आरवीएस स्कूल तथा प्राथमिक विद्यालय, बालीगुमा.

जेएनएसीः दीन दयाल उपाध्याय सामुदायिक केन्द्र जेल चौक साकची, कम्यूनिटी सेंटर पटेल नगर भूइंयाडीह, रघुवर नगर कम्यूनिटी सेंटर बर्मामाइंस, सामुदायिक भवन विद्यापति नगर बारीडीह, सामुदायिक भवन झबरी बस्ती सोनारी तथा न्यू फार्म एरिया दुर्गा पूजा मैदान, कदमा.

चाकुलिया नपः विवाह भवन, पुरनापानी, वार्ड विकास केन्द्र, कमारीगोड़ा, वार्ड विकास केन्द्र, दिघी, मिस्त्री प्राथमिक प्राथमिक विद्यालय, काली मंदिर तथा मदरसा मुस्लिम बस्ती, चाकुलिया.

वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं फॉर्म

उपायुक्त ने बताया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म वेबसाइट https://www.jharkhand.gov.in/wcd से डाउनलोड भी कर सकते हैं. इस लिंक को क्लिक करने पर महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार का अधिकृत वेबसाइट खुलेगा. वेबसाइट के अंदर हरे पट्टी में 'इम्पोर्टेंट' लिखा हुआ मिलेगा. जिसे दोबारा क्लिक करने पर फॉर्म खुल जाएगा. उक्त फॉर्म को भरकर संबंधित पंचायत अथवा प्रखंड कार्यालय में जमा कर सकते हैं.

खुद पर लगे आरोपों की जांच के लिए सरयू ने लिखा सीएम को पत्र

जमशेदपुर । विधायक सरयू राय व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के बीच सदन में चला वाक् युद्ध (आरोप-प्रत्यारोप) में विधायक सरयू राय ने बन्ना के आरोपों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इसकी सीबीआई, सीआईडी अथवा महाधिवक्ता से जांच कराने की मांग की. सेवानिवृति सुनील शंकर को पणन पदाधिकारी (मार्केटिंग ऑफिसर) को बहाल करने के संबंध में विधायक सरयू राय ने कहा कि जिस समय वे खाद्य आपूर्ति मंत्री बने, उस समय विभाग में पणन पदाधिकारियों की काफी कमी थी. जिसके कारण सेवानिवृत पदाधिकारियों की संविदा पर बहाली की गई. इसी तरह आहार पत्रिका का प्रकाशन भी नियम संगत तरीके से किया गया. आउटबाउंडिंग कॉल के बारे में विधायक ने कहा कि एजेंसी का निर्धारण निविदा के आधार पर हुआ और यह निविदा विभाग ने नहीं बल्कि निदेशालय ने किया. जिस एजेंसी का चयन निदेशालय द्वारा हुआ वह काम करने लगा.

मंईयां सम्मान योजना के शिविरों में उमड़ी महिलाओं की भीड़

बनतानगर मध्य विद्यालय के शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ

संवाददाता । आदित्यपुर

मंईयां योजना को लेकर आदित्यपुर के शिविरों में महिलाओं की भारी उमड़ रही है. शनिवार को पहले दिन आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के बनतानगर मध्य विद्यालय शिविर का सीओ कमल किशोर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया. मौके पर नगर पर्षद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेन्द्र नारायण सिंह और स्थानीय पूर्व पार्षद संदीप साहू भी मौजूद रहे. हालांकि पहले दिन सर्वर डाउन रहने की वजह से कार्य का शुभारंभ नहीं हो सका. लेकिन सीओ कमल किशोर ने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि यह कार्य निश्चित रूप से सम्पन्न होगा. सीओ ने कहा कि यह शिविर 10 अगस्त तक है, लेकिन यह कार्य शिविर के बाद भी उनके कार्यालय में चलेगा. उन्होंने महिलाओं को योजना के नियमों की जानकारी दी. आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र में कुल 21 जगहों पर शिविर लगाया गया है.

हर बहन को हर साल हेमंत सरकार देगी ₹ 12 हजार : समीर मोहंती

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत मौदा पंचायत भवन परिसर में शनिवार को झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना निबंधन शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक समीर कुमार मोहंती ने दीप प्रज्वलित कर किया. विधायक समीर मोहंती ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत सरकार द्वारा 21 वर्ष से 50 वर्ष तक की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए हर साल 12000 हजार देगी. सरकार मां बहनों को सम्मान दे रही है. महिलाओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन तथा विधायक समीर मोहंती का आभार प्रकट किया. मौके पर घाटशिला के भूमि सुधार उपसमाहर्ता नित्य निखिल सुरीन, बीडीओ केशव भारती, अंचाधिकारी भोला शंकर महतो, बीससूत्री अध्यक्ष असित मिश्रा, मुखिया पुरुषोत्तम सिंह, अभिजीत बेरा आदि मौजूद थे.

हेंदलजुड़ी में रामदास सोरेन ने किया योजना के शिविर का उद्घाटन

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला प्रखंड अंतर्गत हेन्दलजुड़ी पंचायत सचिवालय में शनिवार को विधायक रामदास सोरेन ने दीप प्रज्वलित कर झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शिविर का विधिवत उद्घाटन किया. उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक रामदास सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से आच्छादित करने का संकल्प लिया गया है. वहीं धरमबहाल पंचायत में दोपहर एक बजे तक साइट नहीं खुलने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. आंगनबाड़ी सेविका तथा सहायिका को योजना का फॉर्म लाभार्थियों के घर-घर पहुंचने का निर्देश दिया गया था. परंतु जब फार्म घर-घर नहीं पहुंचा तो लाभार्थी आंगनबाड़ी केंद्र से ही फॉर्म लेकर भर रहे हैं.

मंईयां सम्मान योजना से महिलाएं बनेंगी सशक्त : संजीव सरदार

संवाददाता । डुमरिया

डुमरिया प्रखंड के बांकीशोल पंचायत सचिवालय परिसर में शनिवार को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना शिविर की शुरुआत हुई. इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक संजीव सरदार ने दीप प्रज्वलित कर किया. विधायक ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड की सभी महिलाओं के सम्मान में इस योजना को शुरू किया है. इस योजना के माध्यम से झारखंड की महिलाएं सशक्त और समृद्ध बनेंगी.

कार्यक्रम का संचालन बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू ने किया. मौके पर डीएसओ सलमान जफर खिजरी, सीओ चंचला कुमारी, प्रमुख गंगामनी हांसदा, बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के, मुखिया सरस्वती बास्के, थाना प्रभारी सुगना मुंडा, झारखंड आंदोलनकारी शंकर चंद्र हेंब्रम, समाजसेवी मिर्जा सोरेन और पंचायत की महिलाएं उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

काशीदा गांव में टहल रही महिला से चेन छिनतई

घाटशिला । घाटशिला थाना क्षेत्र के काशीदा में राजेंद्र पथ के समीप शनिवार की सुबह टहल रही त्रिवेणी देवी नामक महिला के गले से सोने की चेन छीन कर उच्चके फरार हो गया. चेन की कीमत लगभग एक लाख से ज्यादा बताई जाती है. घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित महिला त्रिवेणी देवी से पूछताछ की. महिला ने बताया कि लाल एवं काले रंग की पल्सर बाइक से दो युवक उनके पास आए. पहले किसी के घर का पता पूछा और बाद में पीछे से आकर गले से चेन छीन ली. दोनों तामकपाल सड़क होते हुए हाइवे की ओर फरार हो गये. अपराधियों की गतिविधि सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है.

आदित्य रंजन पर कार्रवाई के लिए लिखा सीएम को पत्र

जमशेदपुर । पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने राज्य के शिक्षकों से अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले आईएएस अधिकारी आदित्य रंजन पर कार्रवाई की मांग की. कहा ऐसे अधिकारी का व्यवहार व वक्तव्य आरएसएस की मानसिकता का लगता है. इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम को पत्र लिखा है. शनिवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए डॉ. अजय ने कहा कि झारखंड शिक्षा परियोजना के निदेशक आदित्य रंजन ने शिक्षकों के प्रति जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया गया है. वो अशोभनीय व शर्मनाक है.

परसुडीह सोसाइटी कॉलोनी में श्याम महोत्सव 16 को

जमशेदपुर । सावन माह के एकादशी के शुभ अवसर पर श्री श्याम भक्त मंडल परसुडीह द्धारा 16वां भव्य श्री श्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा. 16 अगस्त की रात परसुडीह हाट बाजार रोड़ स्थित को-ऑपरेटिव सोसाइटी कॉलोनी में बाबा श्याम का भव्य दरबार सजेगा. यह जानकारी समिति के अध्यक्ष रतन अग्रवाल, अनुराग शर्मा एवं राजेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से शनिवार को प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर दी. महोत्सव में नानी बाई रो मायरो आकर्षण का केन्द्र रहेगा. साथ ही स्थानीय कई भजन गायक बाबा श्याम के भजनों का गुणगान करेंगे. रात 8.30 बजे से भजनों का शुभारंभ होगा, जो देर रात प्रभु इच्छा तक चलेगा.

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत स्लोगन प्रतियोगिता

जमशेदपुर। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के गृह विज्ञान विभाग की ओर से शनिवार को विश्व स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम के तहत स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता का विषय 'अंतर को कम करना: सभी के लिए स्तनपान का समर्थन करना' था. जिसमें 40 छात्राओं ने भाग लिया स्तनपान सप्ताह के दूसरे दिन इसी विषय से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक पोस्टर बनाया. जबकि तीसरे दिन एक्सटेंपोर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा.

झपटमार गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपी पकड़ाए

आदित्यपुर पुलिस ने पांचों आरोपियों को जेल भेजा

मीडिया को गिरफ्तारी की जानकारी देते एसडीपीओ संतोष मिश्रा व अन्य पुलिस पदाधिकारी.

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर पुलिस ने शनिवार को झपटमार गिरोह के 3 लोगों को लूट के सामान के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा है. गिरफ्तार लुटेरों में सपड़ा निवासी शिवा मंडल, सालडीह निवासी विक्की मोहंती और पवन कुमार प्रसाद शामिल हैं.

शनिवार को प्रेसवार्ता में एसडीपीओ संतोष मिश्रा ने बताया कि शिवा मंडल फरार आरोपी है जिसपर सपड़ा के जंगल में अवैध शराब भट्टी संचालित करने का आरोप है, जबकि विक्की मोहंती और पवन कुमार प्रसाद पर शुक्रवार को एक महिला का रुपयों से भरा पर्स, मोबाइल झपटकर भागने का आरोप है. इन दोनों के पास से लूटा हुई पर्स और मोबाइल बरामद भी हुए हैं. इन तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी नितिन कुमार के साथ थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे.

इसके अलावा आदित्यपुर पुलिस ने तमाड़ के दो युवकों विजय मुंडा और गौतम रंजन को करीब 6 ग्राम (14 पुड़िया) ब्राउन शुगर के साथ मुस्लिम बस्ती से गिरफ्तार किया है. इन तीनों के साथ कुल 5 आरोपियों को आज जेल भेजा गया है.

बोड़ाम पंचायत भवन में खुला ज्ञान केंद्र, विद्यार्थियों को मिलेगा फायदा

विशेष सहयोगी । पटमदा

बोड़ाम के पंचायत सचिवालय में ज्ञान केंद्र का उद्घाटन मुखिया रूप सिंह सरदार और प्रखंड विकास पदाधिकारी नाजिया अफरोज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. मौके पर उपस्थित लोगों को प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि पंचायतों में ज्ञान केंद्र खोना जाना सरकार की अच्छी पहल है. ज्ञान केंद्र का लाभ पंचायत क्षेत्र के सभी विद्यार्थी एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा उठा सकते हैं. इस मौके पर प्रखंड समन्वयक (पंचायत राज) नीलम कुमारी, पंचायत सचिव वीरेंद्र पंडित, ग्राम प्रधान राधे श्याम सिंह सरदार, उप मुखिया सरस्वती रूहीदास, पंचायत समिति सदस्य महापद सिंह, परमेश्वर महतो, जीतवाहन रूहीदास, पुस्तकालय प्रबंधन एवं सलाह समिति के सदस्य प्रधानाध्यापक संदीप सरकार, प्राणमनी महतो, शिक्षक मजनू अंसारी, स्वयंसेवक दीपक महतो, रवींद्रनाथ दत्त, यादव महतो, बुद्धेश्वर रूहीदास, वार्ड सदस्य सुभद्रा गोप एवं गणेश गोप आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

मंईयां सम्मान योजना शिविर का उद्घाटन

डुमरिया । गुड़ाबांदा प्रखंड के अंगारपाड़ा पंचायत भवन में शनिवार को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना निबंधन शिविर लगाया गया. इसमें मुख्य अतिथि विधायक समीर कुमार मोहंती ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया. विधायक का स्वागत जेएसएलपीएस की महिला सदस्यों ने पारंपरिक तरीके से किया. विधायक ने कहा कि आज का दिन 21 से 50 वर्ष की मां-बहनों के लिए खुशियों से भरा है. सभी गांव की महिलाएं इस योजना में शामिल होकर लाभ लें. विधायक ने कहा कि हमारी सरकार मां-बहनों को सम्मान दे रही है. मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी डांगुर कोड़ा, उप प्रमुख रतन लाल राउत, बहरागोड़ा बीस सूत्री अध्यक्ष असित मिश्रा, बीस सूत्री उपाध्यक्ष श्याम पद टुडू, तड़ो किस्कू, मुखिया सलमा किस्कू, बिनोद बागाल उपस्थित थे.

घाटशिला में कार व बाइक में टक्कर, दो गंभीर

घाटशिला । घाटशिला थाना क्षेत्र के फुलडूंगरी चौक के समीप एनएच 18 फोरलेन पर शुक्रवार की देर रात लगभग 11.30 बजे कार तथा बाइक की जोरदार टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये. स्थानीय ढाबा एवं होटल संचालकों ने घायल युवकों को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया. प्राथमिक उपचार कर दोनों को एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. घायल फोगेन मार्डी ने बताया अपने रिश्तेदार के घर से वापस अपने घर बागजाता गांव लौट रहे थे. अचानक फूलडूंगरी के समीप फोरलेन पर बना कट से जैसे ही बायीं ओर मुड़े उसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को धक्का मार दिया. सूरज हेम्ब्रम के साथ हम सड़क पर गिर पड़े. इसके बाद होश नहीं था.

सिख इतिहास मुकाबला का फाइनल आज

जमशेदपुर । "गावहो सच्ची बाणी"-2024 कीर्तन और सिख इतिहास प्रश्नोत्तरी मुकाबला का फाइनल मुकाबला रविवार को साकची गुरुद्वारा में आयोजित किया गया है. कीर्तन के फाइनल में 10 प्रतिभागी पहुंचे हैं. जिनके नाम की घोषणा भी रविवार को की जाएगी. सिख इतिहास प्रश्नोत्तरी परीक्षा और कीर्तन का ऑडिशन गत 28 जुलाई को बिष्टुपुर जी टाउन गुरुद्वारा में प्रबंधक कमिटी के सहयोग से संपन्न हुआ था. उसके बाद गुरुवार को कीर्तन मुकाबला का सेमीफाइन हुआ. कीर्तन मुकाबला के दो ग्रुपों में 17 में से 10 प्रतिभागी फाइनल के लिए चयनित किये गये थे. रविवार की सुबह 8.30 बजे से 10 बजे तक इनका फाइनल होगा. कीर्तन के विजेता बच्चों के दोनों ग्रुप को फस्ट प्राइज 31 सौ, सेकेंड 21 सौ व थर्ड प्राइज 11 सौ रुपये और साथ में प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा.

नए मुख्य अभियंता ने पदभार ग्रहण किया

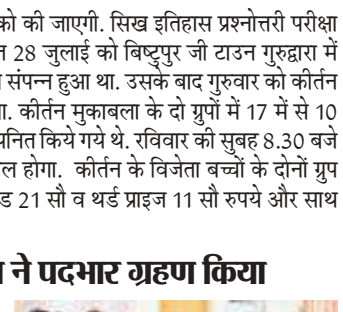

आदित्यपुर । सुवर्णरेखा बहुद्देश्यीय परियोजना के ईचा गालूडीह कॉम्प्लेक्स के नए मुख्य अभियंता मोतीलाल पिंगुआ ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया. इस अवसर पर उनका अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (त्रिपाठी गुट) ने स्वागत किया. करीब तीन माह से मुख्य अभियंता का पद रिक्त था. मोतीलाल पिंगुआ के पदभार लेते ही झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (त्रिपाठी गुट) ने बुके देकर स्वागत किया है. साथ ही मुख्य अभियंता से लंबित मांगों की चर्चा की, मुख्य अभियंता ने आश्वस्त किया कि जायज मांगों को पूरा करने का वे भरसक प्रयास करेंगे. अभिनंदन करने वालों में महासंघ के प्रांतीय संयुक्त सचिव प्रणव शंकर, वरीय उपाध्यक्ष राजीव चौबे के अलावा काफी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे.

खंडामौदा में मृतक के परिवार से मिले कुणाल

बहरागोड़ा । बहारागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के खंडामौदा गांव निवासी लेदु मुंडा की विगत दिनों एक तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी. इस दुखद घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया था. जैसे ही उक्त घटना की जानकारी पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी को मिली तो उन्होंने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की. उन्होंने परिवार को सांत्वना दी और इस कठिन समय में उनका हौसला बढ़ाया. इसके साथ ही उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की ताकि उन्हें कुछ राहत मिल सके. पूर्व विधायक ने परिवार को आश्वासन दिया कि वह उनके साथ खड़े हैं और यथासंभव मदद करेंगे. इस मौके पर शशांक पाल, विश्वजीत मुंडा, सृष्टिधर सिंह, रवि मुंडा, चंदन बेहरा समेत अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे.

पोटका से माझी परगना का प्रतिनिधिमंडल पाकुड़ रवाना

गायबाथान गांव के पीड़ित आदिवासी परिवारों से मिलेगा

संवाददाता । जादूगोड़ा

पाकुड़ में आदिवासियों के साथ मारपीट व उन्हें जमीन से बेदखल की घटना को लेकर पोटका माझी परगना व आदिवासी पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का प्रतिनिधिमंडल माझी बाबा दुर्गा चरण मुर्मु व वीरेन टुडू की अगुवाई में शनिवार को पाकुड़ के लिये रवाना हो गया. प्रतिनिधिमंडल में पारगना बाबा लखन मार्डी, देश जायरेत बिरेन टुडू, जोगो पारानिक दीपक मुर्मू , बिन्दु सोरेन , हिरनपूर पारगना माशीह मरांडी, शिबू टुडू शामिल हैं. यह प्रतिनिधिमंडल पाकुड़ जाकर पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी लेगा और इसके बाद राज्यपाल को ज्ञापन सौंप न्याय का गुहार लगाएगा. पाकुड़ थाना क्षेत्र के गायबाथान गांव में जमीन विवाद और आदिवासी परिवारों के साथ मारपीट, महिलाओं के साथ हुई अभद्रता समेत 27 जुलाई को केकेएम आदिवासी छात्रावास के छात्रों की पुलिस द्वारा सुनियोजित तरीके से पिटाई की घटना की हकीकत जानने प्रतिनिधिमंडल पाकुड़ जा रहा है. इसके बाद पीड़ित परिवारों, एवं पुलिस की पिटाई से घायल छात्रों को न्याय व सुरक्षा प्रदान कर घटना का निष्पक्ष जांच करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिये अभियान चलाया जाएगा.

रांगड़ो खाल पर बने पुल जर्जर, ढलाई उखड़ने से बाहर आ गया है सरिया

हर रोज होती है दुर्घटना, कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहारागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच-49 पर खंडामौदा चौक के पास रांगड़ो खाल के ऊपर बनी दोनों तरफ के पुल पूरी तरह से जर्जर हो गये हैं. यहां हर दिन लोग दुर्घटना का शिकार होने लगे हैं. प्रत्येक दिन अनेक बाइक सवार पुल में उभरे गड्ढे में गिरकर घायल हो रहे हैं. इस वजह से आवागमन करने वाले लोगों को कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है.

इस पुल के ऊपर से गुजरने वाले राहगीर और वाहन चालक अपनी जान हथेली में लेकर गुजरते हैं. फोरलेन बनाने वाली कंपनी दिलीप बिल्डकॉन द्वारा पांच वर्ष पहले इसका निर्माण किया गया था. इसकी ढलाई उखड़ गई है तथा इसमें से सरिया निकल आया है.

गौरतलब है कि यह मार्ग ओडिशा व झारखंड से पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग है. राष्ट्रीय राजमार्ग होने की वजह से भारी मालवाहक वाहन तथा सवारी बसें सहित अन्य छोटी-बड़ी गाड़ियां इस क्षतिग्रस्त पुल के ऊपर से गुजरती हैं. पुल को क्षतिग्रस्त हुए काफी समय बीत जाने के बावजूद भी जिम्मेदार शासन-प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी मरम्मत पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं. यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई बड़ी घटना घट सकती है.उनका कहना है कि प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है. इससे होकर बड़े-बड़े पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि हमेशा आते-जाते रहते हैं, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे है. स्थानीय ग्रामीणों व राहगीरों ने पुल पर बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत की मांग कर रहे हैं.

तैयारी पांच अगस्त से प्रस्तावित आमरण अनशन को लेकर ईचागढ़ विधायक से मिले शिक्षक

आंदोलन पर शिक्षकों को मिला विधायक सविता महतो का समर्थन

विशेष सहयोगी । आदित्यपुर

रांची राजभवन परिसर के समक्ष आगामी पांच अगस्त से प्रस्तावित आमरण अनशन को लेकर शिक्षक संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक दत्ता के नेतृत्व में ईचागढ़ की विधायक सविता महतो से उनके आवास पर मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों से विधायक को अवगत कराया तथा उनसे समर्थन एवं सम्मानजनक निष्पादन में सकारात्मक पहल का अनुरोध किया. दीपक दत्ता ने बताया कि सविता महतो ने 5 अगस्त को आमरण अनशन स्थल पर स्वयं पहुंचकर शिक्षकों की मांगों के प्रति समर्थन जाहिर करने का आश्वासन दिया है.

श्री दत्ता ने बताया कि प्रस्तावित आमरण अनशन के समर्थन में पांच अगस्त को सरायकेला-खरसांवा जिला से लगभग 1000 शिक्षक आंदोलन स्थल पर पहुंचेंगे. प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष मानिक प्रसाद सिंह, महासचिव सुदामा मांझी, अमर सिंह उरांव , बुद्धेश्वर साहू, गदाधर महतो, चंद्र मोहन चौधरी, अश्विनी कुमार मिश्रा, तरणी प्रसाद साहू, विनोद कुमार, मोहम्मद शमीम अंसारी, श्रीमती शीला झा, विजय कुमार तिवारी, हिमांशु शेखर महतो, मोहम्मद अख्तर हुसैन एवं संदीप कुमार आदि शामिल थे.

उल्लेखनीय है कि प्राथमिक, माध्यमिक तथा महाविद्यालय स्तर के सभी शिक्षकों के लिए राज्यकर्मियों की भांति सुनिश्चित वृद्धि उन्नयन योजना (MACP) की स्वीकृति, एक तनवार 2006 के पूर्व से नियुक्त एवं पदस्थापित प्राथमिक शिक्षकों के मूल कोटि के वेतन निर्धारण में व्याप्त विसंगतियों का समाधान तथा गृह जिला से सुदूर पदस्थापित शिक्षकों को अपने गृह जिला में स्थानांतरण एवं पदस्थापन के लिए स्थानांतरण नियमावली में आवश्यक संशोधन की मांग को लेकर प्रदेश भर के शिक्षक लंबी अवधि से आंदोलित हैं. प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि विगत 22 नवंबर 2022 को मुख्यमंत्री कार्यालय घेराव के बाद मुख्यमंत्री द्वारा इन मांगों के प्रति सकारात्मक आश्वासन दिए जाने के बावजूद अभी तक मांगें नहीं मानी गयीं हैं. सरकार की उदासीनता से दुखी एवं आक्रोशित शिक्षक समाज आगामी पांच अगस्त से राजभवन के समक्ष आमरण अनशन पर बैठने को विवश हैं.

चांडिल : जेबीकेएसएस का बदलाव संकल्प महासभा 9 को

चांडिल । झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति) का ईचागढ़ विधानसभा स्तरीय बदलाव संकल्प महासभा 9 अगस्त को आयोजित किया गया है. विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर महासभा का आयोजन चांडिल प्रखंड के चावलीबासा, बड़ामाटांड स्थित फुटबॉल मैदान में दोपहर दो बजे से किया जाएगा. महासभा के मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के सुप्रीमो टाइगर जयराम महतो शामिल होकर महासभा को संबोधित करेंगे. इसकी जानकारी जेबीकेएसएस के सुनील कुमार महतो ने दी. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर इसकी तैयारी के लिए चार अगस्त को रविवार को पार्टी के सभी पदाधिकारी, सक्रिय कार्यकर्ता व समर्थकों की बैठक एक बजे से चौका मोड़ स्थित नवदुर्गा मंदिर प्रांगण में होगी. बैठक में महासभा के आयोजन को लेकर रूपरेखा तय की जाएगी. महासभा के आयोजन के साथ ही झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति) ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में चुनाव का बिगुल फूंकेगी. लोकसभा चुनाव में भी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा कोशिश की थी.

ब्रीफ खबरें

मालगाड़ी के आगे कूद एक अधेड़ ने की आत्महत्या

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर मालगाड़ी के आगे कूदकर एक अधेड़ व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली. उसकी पहचान गुलकेड़ा पंचायत निवासी तुराम सामड के रूप में की गई है. इधर घटना के बाद चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) के जवानों ने रेलवे ट्रैक से शव उठाकर चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में भेज दिया. वहां उसका पोस्टमार्टम किया गया. वहीं गुलकेड़ा गांव निवासी समाजसेवी दयासागर केराई ने बताया कि आत्महत्या करने वाले तुराम सामड कुछ दिनों से मानसिक रूप से बीमार चल रहे थे. इधर घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है. उन्हें शव सौंप दिया जाएगा.

दो ट्रकों की टक्कर में एक चालक गंभीर

चांडिल । टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 33) पर चांडिल थाना अंतर्गत गोलचक्कर के सामने दो ट्रकों की भिड़ंत में एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार रांची की ओर से जमशेदपुर की ओर गेहूं लेकर जा रहे ट्रक और चांडिल बाजार की ओर से निकल रहे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गया. इस टक्कर में ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. लहुलुहान अवस्था में स्थानीय लोगों ने चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा. जिस स्थान पर दुर्घटना घटी वह दुर्घटना संभावित क्षेत्र है, लेकिन दुर्घटना ना घटे, इसके लिए कोई खास इंतजाम नहीं किया गया है.

जयदा मंदिर जाने वाली सड़क पर अंधेरा, कांवड़िया परेशान

चांडिल । चांडिल प्रखंड के जयदा स्थित प्राचीन ऐतिहासिक बुढ़ाबाबा शिव मंदिर जाने वाली सड़क पर अंधेरा छाया हुआ है. सड़क पर अंधेरा रहने के कारण कांवड़ियों को आवागमन करने में परेशानी हो रही है. विदित हो कि जयदा मंदिर का सौंदर्यीकरण करने के दौरान सरकार ने एनएच 33 से मंदिर तक जाने वाली सड़क पर लाइट लगाई थी. वहीं मंदिर परिसर में भी चारों ओर रोशनी के लिए लाइट लगायी गयी थी. कुछ दिन लाइट जली और बंद हो गई. लाइट के नहीं जलने से कावंड़ियों में रोष है.

97 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ मानगो का युवक धराया

जमशेदपुर । मानगो पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दाईगुटू फारेस्ट ऑफिस के पीछे फारेस्ट मैदान के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते एक युवक को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया. तलाशी के दौरान युवक के पास से 97 पुड़िया ब्राउन सुगर बरामद किया गया. इस संबंध एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मामला दर्ज कर युवक को जेल भेज दिया गया. मानगो थाना प्रभारी ने बताया कि एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि फॉरेस्ट मैदान में युवक ब्राउन शुगर का कारोबार कर रहे हैं. पुलिस वहां पहुंची और एक युवक से पूछताछ की, लेकिन वह इंकार करने लगा. तलाशी में उसके पास से 97 पुड़िया ब्राउन शुगर मिला.

संघ नौ सूत्री मांगों को लेकर 13 दिनों से हड़ताल पर है, कर्मचारी धार्मिक स्थलों पर टेकेंगे माथा

राज्य सरकार का हृदय परिवर्तन सप्ताह मनाएंगे : महतो

- सरकारी कार्यालय में कामकाज पूरी तरह ठप

संवाददाता । चाईबासा

झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) जिला इकाई पश्चिमी सिंहभूम में राज्य नेतृत्व के आवाहन पर 13 दिनों से अपनी 9 सूत्री मांग को लेकर प्रखंड अंचल अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के सभी कर्मी हड़ताल पर डटे हुए हैं.

सभी कर्मियों ने सरकार से नारा के माध्यम से कहा कि जब तक 9 सूत्री मांग पूरी नहीं होगी, हमलोग किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे. सरकार का हमारी मांगों के प्रति

लूथरेन चर्च में प्रार्थना करने पहुंचे हड़ताल में शामिल कर्मचारी.

हृदय परिवर्तन हो इसके लिए सभी कर्मियों ने विल्सन डांगा, दिलीप हेमब्रम, सबीना जोजो, मनोज कुंटिया, बेंजामिन बोईपाई के नेतृत्व में बड़ी बाजार स्थित लूथरेन चर्च में जाकर यीशु के समक्ष प्रार्थना की. इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष ललितेश्वर महतो ने कहा कि 9 सूत्री मांग पूरी होने के लिए विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाकर सरकार के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करेंगे. अगस्त के पहले सप्ताह को हृदय परिवर्तन सप्ताह के रूप में मनाएंगे. मनीष विश्वकर्मा ने कहा कि हमारी सभी मांग जायज है.

संघ के वरीय उपाध्यक्ष अतुल कुमार ने कहा कि सरकार के अनसुनी रवैया के कारण हम लोग हड़ताल पर बैठे हैं. सभी सरकारी कार्य पूरी तरह से ठप हो गए परंतु संज्ञान लेने वाला कोई नहीं है. सीधे शब्दों में कहा जाए तो सरकार बेखबर है. संघ की महिला वरीय साथी कुंती पात्रो ने कहा कि जब तक ग्रेड वेतन तथा पदनाम में संशोधन नहीं किया जाता है, हम कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हैं. इधर, हड़ताली कर्मचारियों को अनुसेवी संवर्ग के जिला अध्यक्ष सुबोल कुमार सीट एवं जिला सचिव हीरालाल दास ने धरना स्थल पर उपस्थित होकर 9 सूत्री मांग का पुरजोर नैतिक समर्थन किया. इस दौरान धरना स्थल पर जिला सचिव मनोज कुमार कुंटिया, अभिमन्यु कुमार, कुंती पात्रो, शुक्रमणि सवैया, सबीना जोजो, विल्सन डांगा, दिलीप कुमार बिरुआ, मनीष विश्वकर्मा, सुनील बड़ाइक, दिलीप हेम्ब्रम,अतुल कुमार, मयंक कुमार, जगबंधु नायक, देवाशीष डे, शिव महतो, जितेंद्र बोदरा, तपन साहू, कुमार अभिषेक, विनोद मालतो, संजय चौधरी, चंद्रमोहन गोप, बिक्रम बानरा, पवन तांती, आइसा रेयाज़, मनीषा गोप, सहित कई प्रखंड अंचल के कर्मी उपस्थित थे.

टाटीबा लूट कांड मामले में दो युवक हिरासत में

किरीबुरु । 30 जुलाई की रात एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात लुटेरों ने टाटीबा गांव निवासी कांडे हेम्ब्रम (30 वर्ष), पिता सोंगा हेम्ब्रम को लगभग ढाई घंटे तक जंगल में बंधक बनाकर लूटपाट व जमकर मारपीट कर अधमरा कर दिया था. सूत्रों के अनुसार इस मामले में पुलिस ने ओडिशा के बड़बिल क्षेत्र से लगभग दो युवक को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है. उनसे पूछताछ जारी है. पुलिस जल्द ही इस मामले का खुलासा कर सकती है. आरोपियों के पास से लूटी गई बाइक भी बरामद होने की बात कही जा रही है. पुलिस इस मामले में अभी कुछ भी बताने से इनकार कर रही है, लेकिन संभावना है कि इस मामले में बड़ा खुलासा 4 अगस्त को वह कर सकती है. उल्लेखनीय है कि घटना वाली रात बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने कांडे हेम्ब्रम को जंगल में बंधक बनाकर पीटा और होंडा एक्सब्लेड मोटरसाइकिल (जेएच06एल-5693), दो हजार रुपये, एक मोबाइल व बैग लूट कर फरार हो गए थे. इस क्रम में लुटेरों ने कांडे के साथी मोटाय हेम्ब्रम को पुलिस बनकर पे-फोन के माध्यम से एक नम्बर पर 10 हजार रुपये भी मंगाया था. यह घटना किरीबुरु थाना अन्तर्गत टाटीबा गांव बिरहोर टोला के समीप मुख्य सड़क और घने जंगल क्षेत्र में 30 जुलाई की रात लगभग साढ़े सात बजे से लेकर 10 बजे तक अंजाम दी गई थी. इस घटना के बाद पुलिस एक टीम का गठन कर मामले की जांच कर रही थी.

आवेदन जमा करने के लिए शिविरों में महिलाओं की उमड़ी भीड़

पहले दिन ही मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का साइट क्रैश

संवाददाता । चक्रधरपुर

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का साइट पहले दिन ही क्रैश कर गया. पोड़ाहाट अनुमंडल के किसी भी प्रखंड के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में लगाए गए शिविर में बड़ी संख्या में ऑनलाइन आवेदन नहीं हो सका. इससे बारिश के बीच ऑनलाइन आवेदन करने पहुंची युवतियों व महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा. शनिवार को हो रही बारिश के बीच चक्रधरपुर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ मनोहरपुर, सोनुआ, गोइलकेरा, बंदगांव, आनंदपुर, गुदड़ी के सभी पंचायत में ऑनलाइन आवेदन के लिए शिविर लगाया गया था. जहां बड़ी संख्या में युवतियां व महिलाएं आवेदन फॉर्म लेकर पहुंची थीं. आवेदन के लिए सभी कतार में भी खड़ी हुईं, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद से ही ऑनलाइन आवेदन के लिए बना पोर्टल काम करना बंद कर दिया. इससे महिलाओं व युवतियों को बिना ऑनलाइन आवेदन जमा किए ही फॉर्म लेकर लौटना पड़ा. इससे महिलाओं व युवतियों में नाराजगी देखी गई. चक्रधरपुर, बंदगांव, गोइलकेरा के शहरी क्षेत्र के वार्डों व पंचायतों में लगे शिविर में एक भी ऑनलाइन आवेदन नहीं जमा हो पाया. चक्रधरपुर बाल विकास परियोजना केंद्र की पर्यवेक्षक पुष्पा कुमारी ने बताया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में लगे शिविर में कंप्यूटर ऑपरेटर पहुंचे थे, लेकिन सर्वर काम नहीं करने के कारण ऑनलाइन आवेदन भर कर जमा नहीं किया जा सका. वहीं इधर सोनुवा व अन्य प्रखंड में इक्का-दुक्का फॉर्म भरे जा सके.

कराईकेला पंचायत में ऑनलाइन आवेदन के लिए जुटी महिलाएं.

नकटी में महिलाओं ने जताई नाराजगी

बंदगांव प्रखंड के पश्चिम सिंहभूम जिला के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र नकटी पंचायत भवन में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया था. शिविर में हजारों की संख्या में महिलाएं पहुंचीं, लेकिन मंईयां सम्मान योजना का साइट नहीं खुलने के कारण एक भी फॉर्म अपलोड नहीं हो सका. इससे नकटी पंचायत के दुर्गम तथा जंगल क्षेत्र से आई महिलाओं में जमकर नाराजगी देखी गई. सभी महिलाएं विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई एवं बीस सूत्री अध्यक्ष दोराय जोंकों के पास पहुंचे एवं शिकायत की. सारी समस्याएं जानने के बाद मिथुन गागराई ने महिलाओं को आश्वासन दिया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान के लिए विधायक सुखराम उरांव से बातचीत की जाएगी. उन्होंने कहा कि साइट खुलने में जो भी परेशानी हो रही है उसका रविवार तक समाधान हो जाएगी.

सेविका-सहायिका ने घर-घर जाकर बांटा था फॉर्म

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी. इसे लेकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में आंगनबाड़ी सेविका सहायिकाओं ने अपने-अपने पोषक क्षेत्र में घर-घर जाकर फॉर्म का वितरण किया था. हालांकि कई लोगों को आवेदन फॉर्म भी नहीं मिल पाया है. सरकार ने 3 से 10 अगस्त तक विशेष शिविरों का आयोजन कर ऑनलाइन आवेदन लेने का निर्देश दिया था.अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा जारी किए गए आदेश के तहत 10 अगस्त के बाद भी आवेदन फॉर्म भरे जा सकेंगे. अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है.

कोल्हान का महासचिव बनने पर करण महतो का स्वागत

जेबीकेएसएस के कोल्हान प्रमंडल महासचिव का स्वागत करते लोग.

- बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव पर की गई चर्चा

संवाददाता । चक्रधरपुर

बंदगांव प्रखंड के हुडंगदा पंचायत के शर्मा होटल परिसर में जेबीकेएसएस के करण महतो को कोल्हान प्रमंडल का महासचिव बनाए जाने पर स्वागत किया गया.

इस मौके पर अखिलेश महतो की अध्यक्षता में स्वागत कर आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा भी की गई. करण महतो ने कहा कि पार्टी ने जो मुझे जिम्मेदारी दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करेंगे. मौके पर मौजूद जिला परिषद सदस्य बसंती पूर्ति ने कहा कि 11 अगस्त को कोल्हान की धरती पर केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के प्रस्तावित आगमन कार्यक्रम को सफल बनाना है. इसके साथ ही संगठन की मजबूती और विस्तार पर विचार-विमर्श किया गया. इस मौके पर मुख्य रूप से साधु बोदरा, कांडे बोदरा, श्याम पूर्ति, रबिन्द्रनाथ, प्रदीप, संजय, मुन्ना पुरती, शुक्रो नायक, सतीश लोहार, अलोक कुमार आदि मौजूद थे.

खराब मौसम के बावजूद महिलाएं आवेदन जमा करने शिविर में पहुंचीं

संवाददाता । किरीबुरु

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का आवेदन फॉर्म भरकर जरुरी दस्तावेजों के साथ जमा करने का कार्य 3 अगस्त से सभी पंचायतों में शुरू हो गया है. सभी पंचायत भवनों में आवेदन जमा करने हेतु महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली. खराब मौसम के बावजूद महिलायें अपने-अपने केन्द्रों पर पहुंचीं.

मेघाहातुबुरु एवं किरीबुरु में बिजली कटौती की समस्या की वजह से जरुरी दस्तावेजों की छायाप्रति कराने वाली महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. इसके अलावे सर्वर में खराबी की वजह से किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के चारों पंचायतों में ऑनलाइन आवेदन जमा नहीं लेकर ऑफलाइन ही कार्य हुआ. किरीबुरु पश्चिम की मुखिया पार्वती किड़ो ने बताया कि इस योजना के तहत 10 अगस्त तक आवेदन जमा लिया जाएगा. हालांकि शनिवार को किरीबुरु पूजा पंडाल में शिविर लगना था, लेकिन वर्षा की वजह से प्रोजेक्ट सेंट्रल स्कूल के स्वर्ण जयन्ती हॉल में यह शिविर लगाया गया. दूसरी ओर नोवामुंडी प्रखंड प्रमुख पूनम गिलुवा एवं किरीबुरु पूर्वी पंचायत के मुखिया मंगल सिंह गिलुवा ने कहा कि इस पंचायत के छह वार्ड जो किरीबुरु शहरी क्षेत्र में पड़ता है वहां छह और सात अगस्त को प्रोस्पेक्टिंग पूजा पंडाल में शिविर लगाया जायेगा. आज से जमा होने वाला फार्म हीरा मुनी बारला एवं आंगनबाड़ी सेविका के पास आवेदक आवेदन फॉर्म जमा कराते रहेंगे.

क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के बावजूद महिलाएं आवेदन करने पहुंचीं.

लंबी कतार में लग कर महिलाएं अपनी बारी का करती रहीं इंतजार.

अनियमितता बीरबल की खिचड़ी बन कर रह गयी कमारगोड़ा से कपाली टीओपी तक बनने वाली 2.3 किमी सड़क और नाली निर्माण

कपाली में अवधि समाप्त होने के बाद भी पूरा नहीं किया जा सका है सड़क निर्माण

विशेष सहयोगी । कपाली

सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली नगर परिषद अंतर्गत कमारगोड़ा से कपाली न्यू टीओपी चौक (भाभी होटल) तक बनने वाली सड़क शिलान्यास के दो वर्ष बाद भी अधूरा है. नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से लगभग 7.5 करोड़ की लागत से बन रही 2.3 किलोमीटर सड़क और नाली का निर्माण स्थानीय लोगों के लिए बीरबल की खिचड़ी बनकर रह गया है.

इस योजना में एक पुल का भी निर्माण करना था, जिसे नगर परिषद कार्यालय के सामने बनाया गया है. लेकिन इस योजना के तहत बनने वाली सड़क व नाली अब तक नहीं बनी है. इससे लोगों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इस योजना का शिलान्यास 8 फरवरी 2022 को रांची के सांसद संजय सेठ और ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने संयुक्त रूप से किया था. शिलान्यास के तीन माह बाद ठेकेदार ने निर्माण कार्य शुरू किया जो अब तक जारी है. वर्तमान में सड़क निर्माण 50 प्रतिशत भी नहीं हुआ है. उक्त कार्य को एक वर्ष के अंदर पूरा करना था.

सड़क के बीच स्थित बिजली का खंभा.

सड़क के बीच जमा पानी.

ढाई वर्ष बाद भी 300 मीटर सड़क की हुई ढलाई : शिलान्यास के ढाई वर्ष के बाद भी महज 300 मीटर तक ही सड़क की ढलाई हुई है. वहीं एक किलोमीटर तक कालीकरण का काम कराया गया है. सड़क की गुणवत्ता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कमारगोड़ा चौक से चांद होटल तक सड़क के कालीकरण का कार्य सम्पन्न हुए दो महीने भी नहीं बीते और जगह-जगह सड़क चटकना शुरू हो गया है. वहीं निर्माण कार्य के नाम पर संवेदक द्वारा इस सड़क पर जीएसबी डालकर और कुछ स्थानों में पीसीसी ढलाई कर छोड़ दिया गया है. स्थानीय लोगों ने बताया कि जहां सड़क का काम ऐसा हुआ है वह पहली बारिश में ही उखड़ने लगी है.

बारिश के बाद सड़क पर जगह-जगह बन गए गड्ढे

मानसून की बारिश के बाद सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं. वहीं कई जगह सीमेंट ने गिट्टी और बालू का साथ छोड़ दिया है, जिसके बाद सड़क पर गिट्टी बिखरे पड़े हैं. उक्त अधूरी सड़क पर रोज बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिरकर घायल हो रहे हैं. कपाली के लिए यह सड़क अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी रास्ते में कपाली नगर परिषद कार्यालय है, जहां रोज बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. उक्त सड़क से ही वरीय पदाधिकारी नगर परिषद कार्यालय पहुंचते हैं. कपाली क्षेत्र के लोग अनुमंडल कार्यालय और जिला मुख्यालय भी इसी सड़क से होकर जाते हैं. इसके बावजूद उक्त सड़क का बदहाल होना जिम्मेदारों की सजगता को दिखाता है. हांसाडुंगरी के पास सड़क के बीचोबीच स्थित बिजली का खंभा दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है. सड़क निर्माण के दौरान खंभा को स्थानांतरित नहीं किया गया है. वहीं नगर परिषद अंतर्गत नाली निर्माण का काम भी पूरे साल धीमी गति से इक्का-दुक्का जगह में चलता रहा. कहीं-कहीं तो नाली निर्माण के लिए जमीन खोदकरर छोड़ दिया गया है.

न्यूज अपडेट

स्कूल बंद, केवी मेघाहातुबुरु में ऑनलाइन क्लास

किरीबुरु । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु, प्रोजेक्ट सेंट्रल स्कूल किरीबुरु समेत सारंडा क्षेत्र के तमाम सरकारी व निजी विद्यालय शनिवार को बंद कर दी गयी है. केन्द्रीय विद्यालय (केवी) मेघाहातुबुरु के प्राचार्य डॉ आशीष कुमार ने बच्चों की शिक्षा प्रभावित नहीं हो इसलिए अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं को ऑनलाइन क्लास लेने का निर्देश दिया है. सभी शिक्षक-शिक्षिकायें सुबह 8 बजे से घर बैठे बच्चों को ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं. बच्चे स्कूल ड्रेस में घर पर ऑनलाइन पढ़ाई करते दिखे.

सरकार जगन्नाथपुर को पूर्ण अनुमंडल का दर्जा दे : सिंकु

किरीबुरु । जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु ने विधानसभा में शून्यकाल के दौरान जगन्नाथपुर अनुमंडल कार्यालय को पूर्ण अनुमंडल का दर्जा देने की मांग की. उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार को बताया कि जगन्नाथपुर अनुमंडल कार्यालय वर्ष 2009 से संचालित है. लगभग 15 वर्ष बीत चुके हैं, परन्तु जगन्नाथपुर अनुमंडल को अभी तक पूर्ण अनुमंडल का दर्जा प्राप्त नहीं है. इसके अन्तर्गत चार प्रखंड जगन्नाथपुर, नोवामुंडी, मंझगांव एवं कुमारडुंगी, साथ ही आठ थाना है, जिसमें जगन्नाथपुर, नोवामुंडी, जेटेया, गुवा, किरीबुरु, बड़ाजामदा, मंझगांव एवं कुमारडुंगी है.

किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग पर गिरा पेड़ हटाया

किरीबुरु । किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग पर सैडल गेट क्षेत्र में एक विशाल पेड़ गिरने से आवागमन पूरी तरह से ठप हो गई है. इस दौरान कुछ यात्री बसों के अलावे दर्जनों वाहन फंसे हुए थे. जिससे यात्रियों व अन्य को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. अभी तक पेड़ काटकर हटाने का प्रयास नहीं हो पाया है. पूरे सारंडा क्षेत्र में तेज हवायें चलने के साथ-साथ भारी वर्षा का सिलसिला जारी है. बाद में दोपहर लगभग 12 बजे वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और पेड़ को काटकर हटाया गया. इसके बाद आवागमन सामान्य हुआ.

खराब मौसम के कारण हाट में बाहरी दुकानदार नहीं पहुंचे

किरीबुरु । खराब मौसम, वर्षा व तेज हवा की वजह से 3 जुलाई को मेघाहातुबुरु में लगी साप्ताहिक शनिचरा हाट में सारंडा के किसान अपना कृषि व वन उत्पाद तथा बाहरी व्यापारियों के नहीं पहुंचने की वजह से बाजार में थोड़ी भी रौनक नहीं दिखी. स्थानीय जनता को हरी व ताजी सब्जियों के लिये परेशान होते देखा गया. इस हाट में कुछ दुकानें ही लगी थीं, जहां लोग सब्जियां खरीदते नजर आये. आज कम दुकान लगने की वजह से सब्जियां व अन्य सामान भी महंगे दामों में बिके. हालांकि खराब मौसम के कारण खरीदारी करने भी बहुत कम लोग ही घर से निकले. जिन्हें बहुत जरूरी था सामान लेने वैसे लोग ही शनिचरा साप्ताहिक हाट में खरीदारी करने पहुंचे थे.

संस्थापक अध्यक्ष स्व. सागु सामड की 89वीं जयंती मनी

चाईबासा । महासभा कला एवं संस्कृति भवन हरिगुटू चाईबासा में आदिवासी हो समाज महासभा, आदिवासी हो समाज युवा महासभा, आदिवासी हो रहोर समाज सेवानिवृत्त संगठन एवं आदिवासी हो समाज महिला महासभा की टीम ने आदिवासी हो समाज महासभा के संस्थापक अध्यक्ष स्व सागु सामड की 89वीं जयंती शनिवार को मनायी. जयंती मनाने से पूर्व लोगों ने सिंहबोंगा गोवारि किया. उसके बाद संस्थापक परिवार सह महिला महासभा की केन्द्रीय अध्यक्ष अंजु सामड एंड टीम ने स्व सागु सामड की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. उसके बाद बारी-बारी से सभी लोगों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. लोगों ने स्व सामड के सामाजिक योगदान एवं समर्पण को याद किया.

बीडीओ से आवेदन फॉर्म नहीं मिलने की शिकायत

चक्रधरपुर । मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का आवेदन फॉर्म बड़ी संख्या में महिलाओं व युवतियों को नहीं मिला है. इस समस्या को लेकर अंजुमन इस्लामिया के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय में बीडीओ गिरिजानंद किस्कू से मुलाकात की. मौके पर अंजुमन के सचिव बैरम खान ने पापड़ हाता में आंगनबाड़ी केंद्र नहीं रहने के कारण होने वाली परेशानियों से भी अवगत कराया. जहां बीडीओ ने कहा कि सभी महिलाओं को शत प्रतिशत आवदेन फॉर्म मिलेगा. इसे लेकर महिलाएं चिंतित न हों. इस मौके पर अंजुमन के उप सचिव सद्दाम हुसैन व सक्रिय कार्यकर्ता वसीम राजा मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

करंट से गाय की मौत मुआवजे की मांग

चौपारण। प्रखंड अंतर्गत पपरो गांव के भंडार कॉलोनी में बिजली के खंभे से करंट लगने से एक गर्भवती गाय की मौत हो गई. पीड़ित गरीब परिवार ने बिजली विभाग से मुआवजे की मांग की है. गाय के मालिक शंकर राणा ने बताया कि बिजली विभाग के लापरवाही के वजह से मेरी गर्भवती गाय की करंट मौत लगने से हो गई. उन्होंने बताया कि मैं एक गरीब किसान हूं और पाई-पाई जमा कर के 45500 रुपये में एक गाय खरीदी थी. पीड़ित ने हजारीबाग सांसद को भी आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है. वहीं आवेदन देने के बाद मृत गाय का पशु चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम किया गया.

विष्णुगढ़ में 24 घंटे बाद बिजली आपूर्ति बहाल

विष्णुगढ़। प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार चार बजे दिन से कटी बिजली शनिवार की शाम पांच बजे आयी. पावर कट के कारण सबसे ज्यादा परेशानी पानी को लेकर हुई. बिजली नहीं रहने के कारण में मोटर नहीं चला और पानी के अभाव में आम लोगों के दैनिक कार्यकलाप प्रभावित हुए. दरअसल, हवा के साथ तेज बारिश के कारण बिजली के तारों पर जगह-जगह पेड़ गिर गए थे. इस वजह से 33 केवी के साथ साथ 11 केवी के खंभे तारों के साथ धरासाई हो गए थे. लगातार हो रही बारिश में बिजली को बहाल करना आसान नहीं था, पर बिजली कर्मियों की कोशिश शनिवार की शाम बिजली बहाल हो पाई.

बजरंग दल कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह

हजारीबाग। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के द्वारा शनिवार को एक स्थानीय होटल में कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शामिल सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिंदू समाज, हिंदू मान बिंदुओं, भारत की पवित्र भूमि तथा गो रक्षा का संकल्प लिया. संगठन की ओर से बताया गया कि यह कार्यक्रम 365 दिन अनवरत समाज की सेवा व सुरक्षा में लगे रहने वाले सैकड़ों बजरंगियों के लिए है. इनका सम्मान करना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है. कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री अरविंद मेहता एवं बजरंग दल जिला संयोजक प्रशांत सिंह ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह तथा विशिष्ट अतिथि हजारीबाग जिला संघ चालक श्रद्धानंद सिंह व विभाग प्रचारक आशुतोष जी उपस्थित रहे.

कल्लू चौक के पास मुख्य सड़क पर जल जमाव, सड़क और नाली का अंतर पता ही नहीं चल रहा

मुख्य सड़क पर घुटने भर पानी, दुर्घटना का शिकार हो रहे राहगीर

जनजीवन प्रभावित

- कई कच्चे मकान ढहे, सड़क पर गिर गये हैं बड़े-बड़े पेड़
- पानी की निकासी के लिए अब तक नहीं उठाये गये कदम

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

कल्लू चौक के पास सड़क पर जमा पानी.

जिले में दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. कई कच्चे मकान ढह गये हैं, जबकि कई जगह बड़े-बड़े पेड़ उखड़ कर सड़कों पर गिर गये हैं. वहीं, शहर में जगह-जगह घुटने भर पानी जम गया है, जिसमें आने जाने वाले लोग काफी परेशान हैं. इन दो दिनों की बारिश में सबसे ज्यादा परेशानी शहर से सटे दर्जन भर गांवों में कच्चे मकान में रहने वाले लोगों को हुई.

नगर निगम पर सवाल उठा रहे स्थानीय लोग : वहीं, शहर में नगर निगम क्षेत्र के कई इलाकों में सड़क पर घुटने भर बारिश का पानी जम गया. इस बरसात में निगम द्वारा नालियों की सफाई के दावे की भी पोल खुल गयी. जल जमाव के कारण नाली और सड़क के बीच का अंतर पता ही नहीं चल रहा था. नाली जाम होने के कारण बारिश और नाली की पानी सड़कों पर बह रहा था. कटकमसांडी रोड में कल्लु चौक के पास करीब 500 मीटर लंबी सड़क पर पिछले दो दिनों से घुटने भर पानी जमा हुआ है. जल जमाव के कारण नाली और गड्ढे का पता नहीं चल रहा है, जिससे कई मुसाफिर गिर कर चोटिल भी हो चुके हैं.

लोगों के घरों में घुस रहा सड़क पर जमा पानी

अब तो सड़क पर जमा पानी आसपास के घरों में भी घुसने लगा है. बता दें कि बरसात से पहले समाजसेवी सह भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने अपने निजी फंड से सड़क को बनाने का प्रयास किया था. अलकतरा लाकर सड़क बनवाया था. सड़क तो ऊंची की गई, पर पानी की निकासी का उपाय नहीं किया गया. वहीं, नगर निगम भी कान में तेल डाल कर सोती हुई है. पानी की निकासी के लिए अब तक कोई व्यवस्था नहीं की गयी है. नतीजतन, सड़क पर घुटने भर पानी जमा है और लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. वहीं, पास में ही स्थित पेट्रोल पंप में भी पानी घुस गया है.

> ज्यादा बारिश होने के कारण सड़क पर पानी जमा हो गया है. मामले को गंभीरता से लेते हुए पानी की निकासी के लिए तत्काल उपाय किया जाएगा.
> – **विपिन कुमार**, सहायक नगर आयुक्त

क्या कहते हैं स्थानीय लोग

कल्लू चौक निवासी इरफान अंसारी, मिनहाज, मुमताज आदि ने बताया कि नगर निगम केवल टैक्स वसूलना जानती है. कभी पॉलिथीन की जांच करती है, तो कभी ठेले वालों को परेशान करती है. लेकिन पानी की निकासी को लेकर कोई मुकम्मल व्यवस्था नहीं की गयी. अगर नाली को सफाई करवा दिया जाए, तो सड़क पर जमा पानी आसानी से निकल सकता है. इससे आसपास रहनेवाले लोगों को भी राहत मिलेगी.

शिक्षक अभ्यर्थियों की मेधा सूची में छेड़छाड़ का लग रहा है आरोप

डीएसई ऑफिस जांच के घेरे में, सरकार का रुख सख्त

- मेधा सूची में छेड़छाड़ पर सरकार सख्त, पत्र लिख दी चेतावनी
- कहा – छेड़छाड़ पायी गई, तो डीईओ के साथ डीसी भी नपेंगे

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

अभ्यर्थियों की मेधा सूची की जांच कर रही है समिति

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश से वर्ष 2016 में चयनित प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग गुरुवार को डायट भवन में की गई थी. इसमें 50% अभ्यर्थी ही काउंसिलिंग में आए. काउंसलिंग के लिए 76 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था, जिसमें 38 ही शामिल हुए. अभ्यर्थियों के अंतिम चयन के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से प्रतिनियुक्त डिप्टी डायरेक्टर शिवेंदु कुमार भेजे गए थे. दरअसल, अभ्यर्थियों की काउंसलिंग डीएसई को करना था, लेकिन हजारीबाग डीएसई ऑफिस पर शिक्षक अभ्यर्थियों की मेधा सूची में छेड़छाड़ का आरोप है. वहीं, तत्कालीन डीएसई संतोष कुमार गुप्ता पर पूर्व में कई आरोप लग चुके हैं. वहीं कुछ अभ्यर्थियों ने उपायुक्त नैंसी सहाय से मेधा सूची में गड़बड़ी की बात कह न्याय की गुहार लगाई है.

अभ्यर्थियों ने डीसी को पत्र लिख जांच की मांग की : अभ्यर्थी सुबोध कुमार वर्णवाल ने कहा है कि स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक (पारा कला), हजारीबाग के प्रोविजनल मेरिट लिस्ट में उनका नाम था, लेकिन फाइनल लिस्ट में उनका नाम नहीं है. उनका मेधांक 61.34 है, जबकि फाइनल लिस्ट में उनसे कम मेधांक वाले उम्मीदवारों का नाम है. वहीं, गिरिडीह के अभ्यर्थी रवि कुमार रजक ने हजारीबाग डीसी के नाम आवेदन देकर गुहार लगाई है. उन्होंने कहा है कि वह एससी कोटे से आते हैं. इस कोटा में दो पद रिक्त हैं, पर एक अभ्यर्थी का ही सूची में नाम है. कोटा के अनुसार, उनकी नियुक्ति होनी चाहिए थी. हजारीबाग के सुरेश कॉलोनी निवासी मनीषा प्रिया ने भी डीसी को आवेदन देते हुए काउंसिलिंग में शामिल करने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि वेबसाइट में उनका नाम रिजेक्शन लिस्ट में डाला मिला.

ऐसी आशंका जताई जा रही है कि नये डीएसई को इसलिए प्रभार नहीं दिया जा रहा था, ताकि सरकार की ओर से सख्ती बरतने जाने पर काउंसिलिंग के पहले सूची में हुई गड़बड़ी को समय रहते सुधारा जा सके. इस मामले में सरकार ने सख्त रुख अख्तियार किया है. पत्र में स्पष्ट रूप से जिक्र किया है कि अगर कोई शिक्षक अभ्यर्थी कोर्ट अथवा कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट गया और मेधा सूची में किसी प्रकार की छेड़छाड़ पायी गई, तो डीएसई व डीईओ के साथ डीसी भी दोषी माने जाएंगे. यही वजह है कि डीसी ने डीडीसी प्रेरणा दीक्षित के नेतृत्व में 13 सदस्यीय समिति गठित की है. यह समिति काउंसिलिंग में शामिल शिक्षक अभ्यर्थियों की मेधा सूची की गहन जांच कर रही है.

डीएसई ऑफिस के कंप्यूटर ऑपरेटर की भूमिका संदिग्ध

शिक्षक अभ्यर्थियों की मेधा सूची में गड़बड़ी को लेकर डीएसई ऑफिस के एक कंप्यूटर ऑपरेटर की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है. चर्चा यह भी है कि सरकार के पत्र आने के बाद हेरफेर की गई सूची को फेरबदल करने के लिए डीएसई ऑफिस में एड़ी-चोटी एक की जा रही थी. लेकिन, तब तक नये डीएसई आकाश कुमार चार्ज लेने पहुंच गए और सारा खेल बिगड़ गया. अब पूर्व डीएसई संतोष कुमार गुप्ता की गर्दन फंसने की बात कही जा रही है. बहरहाल,अब जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि काउंसिलिंग के लिए डीएसई ऑफिस से तैयार की गई मेधा सूची में कितनी पारदर्शिता बरती गई है.

भारी बारिश से गिरा गरीब का आशियाना

विष्णुगढ़। दो दिनों से हवा के साथ भीषण बारिश के कारण प्रखंड अंतर्गत गाल्होवार पंचायत के केन्दुआडीह निवासी बसंत नायक के घर का एक हिस्सा शुक्रवार की रात ढह गया. गनीमत ही कि किसी के जान का नुकसान नहीं हुआ, मगर घर के अंदर रखे समान मलबे के नीचे दब कर बर्बाद हो गए. पहले भी उनका घर तेज बारिश के कारण गिर गया था. मरम्मती के बाद किसी तरह उनका परिवार उस घर में रह रहा था. फिर से घर गिर जाने के कारण पूरे परिवार की मुसीबत बढ़ गई है. पीड़ित ने घर बनाने के लिए सरकारी मदद की गुहार लगाई है.

करमा में बारिश के कारण खपरैल मकान धराशायी

चौपारण। प्रखंड के करमा पंचायत के ग्राम करमा में बनारसी ठाकुर के खपरैल का मकान टूट कर गिर गया. बनारसी ठाकुर अपने पूरे परिवार के साथ दो कमरे के मिट्टी के मकान में रह रहे थे. बारिश के कारण मकान पूरी तरह जर्जर हो गया है. इसमें सोना-बैठना तो दूर, अंदर प्रवेश करना भी खतरे से खाली नहीं था. मजदूरी कर गुजारा करने वाले बनारसी सिंह, किसी तरह दो वक्त की रोटी का इंतजाम करते हैं. मकान क्षतिग्रस्त होने से पूरा परिवार बरसात में बेघर हो गया है. अब उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि सुरक्षित घर कैसे बनाएंगे.

संतुलित एवं युवा रोजगारन्मुखी है बजट : मनीष जायसवाल

बजट पर चर्चा में सांसद मनीष जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य

- भाजपा सांसद ने मोदी 3.0 सरकार के बजट पर चर्चा की

संवाददाता। हजारीबाग

झंडा चौक स्थित सांसद सेवा कार्यालय में बजट पर चर्चा को लेकर सांसद मनीष जायसवाल ने प्रेस वार्ता की. इसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह उपस्थित थे. अपने संबोधन में सांसद जायसवाल ने कहा कि मोदी सरकार का यह बजट पूर्ण रूपेण संतुलित एवं युवा रोजगारन्मुखी है. इस बजट में युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को अगले पांच वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है, जिसमें 80 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ होगा.

सांसद ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पैकेज की घोषणा की गई है, जिसमें पांच वर्ष की अवधि में चार करोड़ युवाओं को लाभ मिलेगा. शिक्षा, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण के लिए 1.48 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है. किसानों की खेती बाड़ी के लिए 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली जलवायु अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी.

पूर्वी क्षेत्र चहुंमुखी विकास के लिए पूर्वोदय योजना

जायसवाल ने कहा कि बजट में जैविक खेती की व्यवस्था पर जोर दिया गया है. वहीं, उच्चतर शिक्षा के लिए युवाओं को 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाएगा. मोदी सरकार ने बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश को शामिल करते हुए पूर्वी क्षेत्र के चौमुखी विकास के लिए पूर्वोदय नाम की योजना तैयार की है. वहीं, पीएम आवास योजना के तहत अब तक चार करोड़ आवास बनाया जा चुका है और तीन करोड़ अवासविहीन परिवारों को आवास मुहैया कराने की योजना है. प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के तहत लगभग 63,000 गांवों में निवास करनेवाले पांच करोड़ जनजातीय वर्ग के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा. पीएम मुद्रा योजना के तहत दी जाने वाली राशि 10 लाख से बढ़ा कर 20 लाख कर दी गई है.

चितरपुर में आपकी विकास पार्टी का कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित

कार्यकर्ताओं को सम्मान देती है पार्टी: गुलाम

संवाददाता। रामगढ़

कार्यकर्ता मिलन समारोह को संबोधित करते पार्टी के पदाधिकारी.

चितरपुर स्थित बर टोला में शनिवार को आपकी विकास पार्टी के कार्यकर्ता मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा व विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महासचिव विकास कुमार साह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष साजिद हुसैन, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय प्रवक्ता कहकशां कमाल, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह रामगढ़ विधानसभा प्रभारी जाहिद अनवर मौजूद थे.

इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा कि आपकी विकास पार्टी हमेशा अपने कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान देने का काम करती है. इसलिए लगातार सैकड़ों लोग इस पार्टी से जुड़ रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार व राज्य की हेमंत सरकार लोगों को ठगने का काम कर रही है. सिर्फ हिन्दू-मुसलमान के नाम पर दोनों गठबंधन राजनीति कर रही है, जनता का कोई भला नहीं हो रहा है. इसलिए आपकी विकास पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में वोट देकर जिताएं, ताकि आपलोगों की मूलभूत समस्याओं को दूर करने का काम किया जा सके.

दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की : इस दौरान दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. उन्हें मुख्य अतिथि द्वारा माला पहनाकर पार्टी में शामिल कराया. मौके पर आदिल उल्लाह, सना उल्लाह, वसीम अहमद, हीरा अनवर, शाकिब हुसैन, अरफात अहमद, अनीस उद्दीन, मो अब्दुल्लाह, मो असद उल्लाह, शिबगत उल्लाह, सब्बीर उल्लाह, तस्कीन अहमद, बासीत अहमद, अलीम खान, इम्तियाज अहमद, सैफ आलम सहित कई मौजूद थे.

रामगढ़ प्रेस क्लब में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर चर्चा

संवाददाता। रामगढ़

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद प्रेस क्लब रामगढ़ के कार्यकारिणी समिति की शनिवार को पहली बैठक हुई. अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार वीरू और संचालन मानद सचिव धनेश्वर प्रसाद ने किया. इस दौरान पत्रकार हित में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई. बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस भव्य तरीके से मनाया जाएगा.

कार्यक्रम के लिए मुख्य रूप से उपाध्यक्ष प्रदीप राज बबलू, संयुक्त सचिव व्यास शर्मा, कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम और कार्यकारिणी सदस्य दिलीप सिंह व सौरव नारायण सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है. बैठक में किया गया कि स्वतंत्रता दिवस के बाद प्रशासनिक पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से प्रेस क्लब के पदाधिकारी मुलाकात करेंगे. इस दौरान पत्रकारों की समस्या से उन्हें अवगत कराया जाएगा और उनके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा. अंत में यह भी तय हुआ कि महीने में दो बार प्रेस क्लब के कार्यकारिणी समिति की बैठक होगी. बैठक में कार्यकारिणी सदस्य रितेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, राजकुमार रविदास, मनोहर लहरी, दीपक कुमार, सुरेंद्र कुमार पासवान एवं शंकर देवधरिया भी शामिल रहे.

डीडीसी ने मंइयां सम्मान जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाई

महिलाओं को किया जाएगा जागरूक

- 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये मिलेंगे
- आवेदन पत्र के निबंधन के लिए हर पंचायत में लगेगा शिविर

संवाददाता। रामगढ़

जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाते डीडीसी रॉबिन टोप्पो.

राज्य सरकार द्वारा 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रतिमाह 1000 रुपये प्रदान करने के उद्देश्य से झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना लाई गई है. इस योजना के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से शनिवार को उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो ने जिला समाहरणालय परिसर से जागरुकता वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया.

जागरूकता वाहन द्वारा जिले के मधुराती क्षेत्र में जाकर ग्रामीणों को झारखंड मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के लाभ के प्रति जागरूक किया जाएगा. महिलाओं को तीन से 10 अगस्त तक पंचायत भवन में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत आवेदन पत्रों के निबंधन हेतु चलने वाले शिविर के प्रति भी जागरूक किया जाएगा.

10 अगस्त तक पंचायत भवन में कर सकते हैं आवेदन

डीडीसी ने बताया कि झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का लाभ लेने हेतु योग्य लाभुक अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर अथवा आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहायिकाओं के माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं. जिन महिलाओं के परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रुपये से कम है, वे इस योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं. वहीं तीन अगस्त से 10 अगस्त तक पंचायत भवनों में इस योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा. इसमें सभी आवेदन पत्रों की ऑनलाइन एंट्री की जाएगी.

सेमिनार विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग में विभागीय सेमिनार का आयोजन

विज्ञान को दिशा-निर्देश देने का काम करता है दर्शन: डॉ अमित

संवाददाता। हजारीबाग

खास बातें

- विज्ञान पर अंकुश नहीं लगाया जाए, तो विज्ञान निरंकुश हो जाएगा
- 21वीं सदी में वैज्ञानिक उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ी है

बैठक में विभागीय परिषद के सदस्य.

विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग में विभागीय परिषद के सदस्य एवं शोधार्थियों के द्वारा विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया. इसमें द्वितीय समसत्र के विद्यार्थियों ने भाग लिया. सेमिनार का विषय 'दर्शन एवं विज्ञान का संबंध और वैज्ञानिक पद्धति था. विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ अमित कुमार सिंह ने कहा कि विज्ञान को दिशा-निर्देश देने का काम दर्शन करता है. विज्ञान पर अंकुश नहीं लगाया जाए, तो विज्ञान निरंकुश हो जाएगा.

वहीं, विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. यामिनी सहाय ने कहा कि 21वीं सदी में वैज्ञानिक उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती जा रही है. इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर अति निर्भरता ने हमारी मूल चेतना को कम किया है. इसके कारण हमारी मानसिक क्षमता घटने लगी है. सेमिनार में विजय कुजूर ने प्राकृतिक गीतों के माध्यम से विषय पर प्रकाश डाला. वहीं, योग विभाग के प्रशिक्षक अभिषेक कुमार सिंह ने पूर्व के दर्शन और विज्ञान को बतलाते हुए वर्तमान विज्ञान विचार को अवगत करवाया. साथ ही मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए विवेकानंद और महर्षि अरविंद द्वारा समग्र योग की रचना के बारे में बताया. शोधार्थी सबा फिरदौस ने दर्शन और विज्ञान के स्वरूप पर चर्चा की.

विभागीय परिषद में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक शुक्रवार को विभागीय सेमिनार में शोधार्थी विषय पर अपना पेपर पढ़ेंगे और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा. अगले शुक्रवार का विषय 'भारतीय नीतिशास्त्र पाश्चात नीतिशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन' होगा. सेमिनार में हिमांशु, रंजीत, प्रिया, मोनिश, लक्ष्मी सानिया, रुपेश, राहुल, मनीष, राजीव आदि शामिल थे.

विज्ञान और दर्शन दोनों एक-दूसरे के पूरक : राजेश

शोधार्थी विजय चौधरी ने कहा कि विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र नीतिशास्त्र का समन्वय अतिआवश्यक है. मो फजल ने कहा कि दर्शन में निहित बातें ही आधुनिक विज्ञान में उसे आधार प्रदान करती हैं. राजेश कुमार ने कहा कि विज्ञान और दर्शन दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं. विज्ञान हार्डवेयर है, तो दर्शन सॉफ्टवेयर. वहीं अमित रंजन ने कहा कि विज्ञान संशलेषात्मक विधि द्वारा ज्ञान की खोज करता है, तो दर्शन ज्ञान की खोज के लिए विश्लेषणात्मक विधि अपनाया जाता है. अनिल रविदास ने बताया कि विज्ञान और दर्शन दोनों ही ज्ञान को उजागार करने का काम करते हैं. जहां विज्ञान वस्तुओं तक सीमित है, वहीं दर्शन भौतिक दुनिया के बाहर के विषयों की चर्चा करता है.

चट्टी बरियातू परियोजना ने स्कूली बच्चों के बीच बैग बांटे

संवाददता। केरेडारी

बैग पाकर खुश नजर आ रहे पगार हाई स्कूल के बच्चे.

चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत परियोजना प्रभावित क्षेत्र स्थित पगार हाई स्कूल में बच्चों के बीच स्कूल बैग बांटे गये. यह कार्यक्रम परियोजना की संस्कृति महिला समिति द्वारा आयोजित गया था. समिति ने छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग के अलावा ब्लीचिंग पाउडर का भी वितरण किया.

संस्कृति महिला समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों को मलेरिया, डेंगू, हैजा और डायरिया जैसी बीमारियों के कारणों और लक्षणों के बारे में जानकारी भी दी. उन्होंने छात्रों को मौजूदा मॉनसून सीजन में ऐहतियाती कदम उठाने की भी सलाह दी. समिति और टीम सीएसआर ने स्वच्छता को बढ़ावा देकर मौसमी बीमारियों की रोकथाम विषय पर एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया. सत्र का संचालन एनटीपीसी के सीएमओ डॉ के पधान ने किया. इस मौके पर समिति की अध्यक्ष दुर्गेश, उपाध्यक्ष राखी गुप्ता एवं अन्य महिला सदस्य मौजूद थीं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष कार्य सोच विचार कर करें. कार्य व्यवसाय एवं नौकरी में रुकावटें होंगी. पर किया गया परिश्रम सार्थक होगा. वही परीक्षा-प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. नये कार्य में जोखिम से बचें.

वृषभ समय उत्तम है. आय का मार्ग खुलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. काम-काज के लिए अच्छा रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा. मन में कुछ नकारात्मक विचार आ सकते हैं. लक्ष्मी माता का ध्यान पूजन करें.

मिथुन संतान की शिक्षा में सुधार होगा. घरेलू विवाद कोशिश करने से सुलझ सकता है. आपके अच्छे कर्म से भाग्योदय संभव है. पारिवारिक सुख अच्छा मिलेगा. मिथ्या आरोप लगने के कारण क्रोध बढ़ सकता है.

कर्क समय उत्तम है. पर काम काज सामान्य रहेगा. मन प्रसन्न रखना होगा. किसी पदाधिकारी से मित्रता हो सकती है. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में कमी देखने को मिल सकती है. मंगल को बल दें.

सिंह अपनों से विवाद हो सकता है. परिवार के सदस्यों की तरफ से सुख और सहयोग मिलेगा. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बना रहेगा. शुभफलों की प्रधानता रहेगी.ज्यादा बात बिचार और सोच से समय खराब हो सकता है. विवाद से दूर रहें.

कन्या व्यापार वृद्धि के लिए दिन अच्छा है. पर आपके रुखे व्यवहार से बनी बनाई बात बिगड़ सकती है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. काम काज सामान्य रहेगा. परीक्षा एवं प्रतियोगिता में आशाजनक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं. गाय को गुड़ खिलाएं.

तुला सरकारी काम बन सकता है. काम काज सामान्य रहेगा. आपका मन किसी भी काम में पूरी तरह से नहीं लग पाएगा. आपके लिए निराशाजनक हालात पैदा हो सकते हैं. परिवार या मित्र से मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं.

वृश्चिक धर्म में मन लगेगा. कामकाज में सफलता मिलेगी. दूसरों के साथ अच्छे संबंध बने रहेंगे. स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बन सकती है. वाहन के प्रति सावधानी रखने की आवश्यकता है. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

धनु किसी से विवाद हो सकता है. समय सामान्य है. किसी से मानहानि हो सकती है. कर्म के बल पर आर्थिक स्थिति अच्छी होगी. वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. खर्चे में बढ़ोतरी होगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. पीपल वृक्ष की पूजा सेवा करें.

मकर किसी नई कार्य योजना में विस्तार हो सकता है. कामकाज में सफलता मिलेगी. शिक्षा-प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. परिवार के लोगों के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा. किसी से शुभ समाचार मिलेगा.

कुंभ शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी. स्वभाव में गंभीरता एवं एकाग्रता बनी रहेगी. परिवार की तरफ से मन प्रसन्न रहेगा. ज्यादा बोलने से बचें. किसी प्रकार के विवाद में न पड़ें. समय और अनुकूल हो, इसलिए अन्न का दान करें.

मीन शिक्षा में कोई बड़ा बदलाव होगा. भाग्य साथ देगा. किसी से विवाद हो सकता है. करीबियों की भावनाओं की कद्र करें. आपके मन में एक नया उत्साह और जोश दिखाई देगा. कामकाज में लाभ होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

पलामू भाजपा के कई नेताओं को मिली प्रदेश कमेटी में जिम्मेवारी

मेदिनीनगर। पलामू भाजपा के कई नेताओं को प्रदेश के विभिन्न मोर्चा के घोषित कमेटी में अहम जिम्मेवारी दी गई है. इनमें रूपा सिंह को महिला मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष व लवली गुप्ता को महिला मोर्चा का प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है. विश्वजीत पाठक को भाजयुमो का प्रदेश मंत्री, प्रभात रंजन को भाजपा किसान मोर्चा का प्रदेश मंत्री, लूडू खान को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश मंत्री, प्रभात भैया को अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रदेश महामंत्री बनाया गया है. पलामू भाजपा के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को भाजपा प्रदेश के विभिन्न मोर्चों में संगठनात्मक दायित्व दिए जाने पर पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी समेत अन्य भाजपा नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी व सभी मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष को बधाई देते हुए आभार प्रकट किया है. नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई देने वालों में विधायक आलोक चौरसिया, श्याम नारायण दुबे, विपिन बिहारी सिंह, विनोद सिंह, किसलय तिवारी, धर्मदेव सिंह यादव, अरविंद सिंह, धर्मेंद्र उपाध्याय, अरविंद गुप्ता, सुरेंद्र विश्वकर्मा, विजय ओझा, शिवकुमार मिश्र, प्रभात भुइया, घूरन राम, अभिमन्यु तिवारी, विजय ठाकुर, ईश्वरी पांडे, प्रदीप सिंहा, जय दुबे, ज्योति पांडे, श्वेताम गर्ग, राजेश सिंह, नंदलाल गुप्ता, छोटू सिंहा, दीपक सिंह, शशि भूषण पांडे, जवाहर चंद्रवंशी, सुनील पांडे, सुनील पासवान, बिट्टू सिंह, प्रियरंजन कुमार, विजय पाठक, अजय सिंह, शैलेश सिंह, प्रभात तिवारी, विजय शर्मा पिंकू सिंह सुशील सिंह, संजय कुमार, राजेश गुप्ता, सरवन गुप्ता, आनंद सिंह, शुभम तिवारी, राजकुमार वर्मा आदि शामिल थे.

जान-माल की सुरक्षा की गुहार

गढ़वा। गढ़वा थाना क्षेत्र के दिपुआ मुहल्ला निवासी कामेश्वर प्रसाद सोनी ने पुत्र दीपक कुमार ने गढ़वा थाना में आवेदन देकर जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगायी है. थाना प्रभारी को दिये आवेदन में कहा है कि कर्ज का पैसा सही समय पर नहीं चुका पाने के कारण राजेश केशरी का पुत्र राज केशरी एवं राहुल केशरी ने उसे पकड़ कर जबरन मोटरसाइकिल रख ली. साथ ही सादा कागज सहित अन्य दस्तावेज जबरन हस्ताक्षर करा लिया है. साथ की झूठा मुकदमा में फंसाने की आवेदन दे रहा है.

विधायक सोनाराम सिंकू ने विधानसभा में राजस्व गांव का दर्जा देने का उठाया था मामला

सारंडा के 10 वन ग्राम को सरकार ने दिया राजस्व गांव का दर्जा

शैलेश सिंह। किरीबुरु

सारंडा जंगल स्थित जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में पड़ने वाले मनोहरपुर व नोवामुंडी प्रखंड क्षेत्र के 10 वन ग्रामों को राजस्व गांव का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर सारंडा ग्राम विकास परिषद के बैनर तले ग्रामीणों ने कई वर्षों से आंदोलन किया जा रहा था. इस क्रम में ग्रामीण मुख्यमंत्री, झामुमो के जिलाध्यक्ष आदि से मुलाकात की थी. अंत में ग्रामीणों ने जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु से मिलकर अपनी समस्या बताई. इसी मांग के आलोक में जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु ने सरकार के समक्ष सदन में रखते हुए उन 10 वन ग्रामों को राजस्व गांव का दर्जा देने की मांग की. सवाल के जवाब पर सदन में विधायक सोनाराम सिंकु को सरकार द्वारा जबाब दिया गया कि मनोहरपुर प्रखंड के वन ग्राम थोलकोबाद, तिरिलपोसी, नयागांव, दीघा, बिटकिलसोय, बलिवा, कुमड़ी एवं नोवामुंडी प्रखंड के करमपदा, नवागांव, भनगांव सारंडा जंगल में बसे हैं. सरकार के वन ग्राम सूची में इन गांवों का नाम शामिल है. अतः जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के आलोक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग, कल्याण विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए वनग्रामों को राजस्व ग्राम में परिवर्तित कराने के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी.

- सरकार के आदेश से ग्रामीणों में खुशी का माहौल

विधानसभा में मामला उठाते विधायक सोनाराम सिंकू.

सरकार के इस आदेश व विधायक सोनाराम सिंकु के बेहतर प्रयास से सारंडा के 10 वन ग्रामों के मुंडा व ग्रामीणों में हर्ष है. उक्त गांवों के ग्रामीण बीरबल गुड़िया, सांतियल भेंगरा, बिनोद होनहागा, आलोक तोपनो, अनिल तोपनो आदि ने कहा कि हम ग्रामीण विधायक सोनाराम सिंकु के आभारी हैं. उन्होंने हमलोगों से किये वादे को पूरा किया. हमें उम्मीद है कि सरकार अब जल्द 10 वन ग्रामों को राजस्व गांव का दर्जा देगी.

एक्शन प्लान पर राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित

लातेहार। स्थानीय बनवारी साहू महाविद्यालय में शनिवार को स्वच्छता एक्शन प्लान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम एवं माय भारत पोर्टल विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय निदेशक गिरधर उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि एनपी विवि एनएसएस के समन्वयक डा. प्रदीप कुमार, महाविद्यालय की सचिव अंजू गुप्ता व प्राचार्य प्रो. प्रदीप कुमार तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे. क्षेत्रीय निदेशक उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को संदेश देना है.

उद्यमियों पर होल्डिंग टैक्स थोपना गलत, निगम क्षेत्र से बाहर है औद्योगिक क्षेत्र : एसिया

होल्डिंग टैक्स को लेकर उद्यमी व नगर निगम आमने-सामने

अगली बैठक उपायुक्त के साथ होगी, डीसी ने कहा- जल्द देंगे समय

- निगम कार्यालय में प्रशासक के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में कोई हल नहीं निकल पाया है
- वर्ष 2003 तक नगर निकाय की ओर से होल्डिंग टैक्स की कोई डिमांड नहीं की गई थी
- नगर निकाय द्वारा होल्डिंग टैक्स के लिए कुछ औद्योगिक इकाइयों पर चार्ज लगाया गया था

संजीव मेहता। आदित्यपुर

होल्डिंग टैक्स को लेकर उद्यमियों में अब भी ऊहापोह की स्थिति है. उन्हें नगर निगम नए जलापूर्ति योजना का कनेक्शन से वंचित कर रखा है. उद्यमियों पर होल्डिंग टैक्स का बोझ थोपना गलत है. वैसे भी औद्योगिक क्षेत्र निगम क्षेत्र से बाहर है. यह कहना है आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसिया) के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल का. उन्होंने कहा कि शुक्रवार को हुए निगम कार्यालय में प्रशासक के साथ बैठक में कोई हल नहीं निकल पाया है, जिसके बाद एसिया ने जिले के उपायुक्त से हस्तक्षेप की मांग की है. उन्होंने कहा है कि वे शीघ्र निगम के प्रशासक और उद्यमियों के साथ बैठक करेंगे और इस समस्या का हल निकालने का प्रयास करेंगे. एसिया अध्यक्ष इन्दर अग्रवाल ने बताया कि वर्ष-1970 के दशक में आयडा (वर्तमान जियाडा) अस्तित्व में आया. तब से लेकर वर्ष-2003 तक नगर निकाय की ओर से होल्डिंग टैक्स की कोई डिमांड नहीं की गई थी. अलग झारखंड राज्य बनने के बाद हुए पहले निकाय चुनाव के बाद से निकाय की ओर से होल्डिंग टैक्स की मांग की जाने लगी. उन्होंने तत्कालीन जिला उपायुक्त रमेश घोलप के पदस्थापन के दौरान एसिया की ओर से उन्हें होल्डिंग टैक्स की समस्या से अवगत कराया था. उसके बाद उन्होंने आदित्यपुर नगर परिषद (अब नगर निगम) से स्पष्टीकरण भी मांगा था, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि निकाय को स्थापित अथवा घोषित औद्योगिक क्षेत्र (लीज बेसिस) से होल्डिंग टैक्स लेने का कोई प्रावधान नहीं है. उसके बाद से यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था. इसी दौरान नगर निकाय के द्वारा होल्डिंग टैक्स के लिए कुछ इकाइयों के ऊपर चार्ज लगाया गया था, जिसमें कुछ इकाइयों ने झमेला-झंझट से बचने के लिए चार्ज जमा भी कर दिया था, परन्तु जिन इकाइयों के ऊपर ज्यादा बिलिंग हुई. वे उसके विरुद्ध झारखंड हाईकोर्ट चले गये, परन्तु हाईकोर्ट ने इसे दो विभागों के बीच का मामला बताते हुए इस पर दखल देने से इंकार कर दिया. उसके बाद नगर निगम द्वारा नगर विकास विभाग से मंतव्य मांगा गया था, परन्तु वहां से कोई जबाब नहीं आया. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयां जियाडा के क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आती है, जिन्हें क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास की सुविधा प्रदान करके औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए लीज होल्ड पर जमीन दी गई है. और उनके द्वारा जियाडा को भूमि किराया, लेवी, स्ट्रीट लाईट आदि का भुगतान भी किया जाता है. पूर्व में भी एसिया द्वारा आपत्ति जताने के बाद जियाडा के तत्कालीन क्षेत्रीय निदेशक अमित कुमार तथा क्षेत्रीय उप निदेशक द्वारा निकाय के साथ पत्राचार किया गया था, जिसमें प्राधिकार के क्षेत्र में आने वाली औद्योगिक इकाइयों के ऊपर होल्डिंग टैक्स नहीं लगाने की बात कही गई थी.

एसिया अध्यक्ष इंदर अग्रवाल

लातेहार में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन

लातेहार। झारखंड राज्य बाल संरक्षण व डीसी के निर्देश पर शनिवार कोक नामित नोडल पदाधिकारी समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम की अध्यक्षता में समाहरणालय में जिला स्तरीय जनसुनवाई हुई. इसमें ज्यूरी सदस्य के रूप में डीएसपी मुख्यालय, श्रम अधीक्षक लक्ष्मी कुमारी, शिक्षा अधीक्षक गौतम साहू, प्रिंस कुमार एवं नगर प्रशासक राजीव कुमार आदि मौजदू थे. जनसुनवाई में सामाजिक अंकेक्षण इकाई के डीआरपी प्रवीण कर्ण के द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, बाल देखभाल संस्थान रोज, एवं चाइल्डलाइन मे सामाजिक अंकेक्षण के दौरान पाए गए प्रतिवेदन को ज्यूरी सदस्य के सामने प्रस्तुत किया. निर्णय लिया कि प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर जो कमिया है उनमें गुणात्मक सुधार कर विभाग को प्रतिवेदन किया जाएगा.

बैठक में बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी, विधि परामर्शी मनोज सिंह समेत किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति, बाल संरक्षण के कर्मी, चाइल्डलाइन व रोज बाल गृह के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

पेज वन का शेष

दारोगा की गोली मार कर हत्या

राजधानी में सुरक्षा के कथित चाक-चौबंद होने के बावजूद अपराधी बेखौफ ढंग से सरेआम वकीलों, पुलिस, बड़े-बड़े प्रतिष्ठान के संचालकों तक की हत्या कर रहे हैं. अपराधियों के सामने घुटने टेक देने वाली हेमंत सरकार से आम जनता के सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? हेमंत सरकार ने घटिया कानून व्यवस्था के कारण साढ़े तीन करोड़ झारखंड वासियों का जीवन संकट में डाल दिया है.

जांच के लिए एसआईटी का गठन : एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है. एसएसपी ने बताया कि बीती रात स्पेशल ब्रांच मुख्यालय में तैनात अनुपम कच्छप की हत्या के मामले में उसके सहकर्मी-बैचमेट पवन कुमार से पूछताछ की गई. उन्होंने बताया कि वे एक लाइन होटल में डिनर के लिए गए थे. खाना खाने के बाद वे कांके की ओर लौट गए. लेकिन अनुपम दूसरी दिशा में चला गया. वह दूसरी दिशा में क्यों गया और ये घटना कैसे घटी, एसआईटी इसकी जांच कर रही है. एसएसपी ने बताया कि ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है. सभी महत्वपूर्ण अधिकारियों को इस टीम में शामिल किया गया है. उन्होंने बताया कि अनुपम कच्छप कोकर स्थित सरना टोली का रहने वाला था. पुलिस सूत्रों से यह भी पता चला है कि दारोगा अनुपम कच्छप अपने कुछ दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए कांके रिंग रोड स्थित एक ढाबे पर गए थे. रात करीब 1 बजे तक अनुपम और उनके दोस्तों की पार्टी चलती रही, रात करीब 2 बजे अनुपम अपनी बाइक से निकले, जबकि उनके बाकी दोस्त कार से चले गए. इसी दौरान अपराधियों ने अनुपम की गोली मारकर हत्या कर दी. सब इंस्पेक्टर अनुपम को अपराधियो ने चार गोलियां मारी हैं. एक गोली हाथ में लगी है. वहीं दो गोलियां शरीर को छेदते हुए बाहर हो गई. जबकि एक गोली सीने में फंसी हुई है.

पुलिस मुख्यालय में थे पदस्थापित : बीआईटी सिंदरी से 2014 में बीटेक करने वाले अनुपम रांची के खूंटी जिले के रहने वाले थे. अनुपम झारखंड पुलिस मुख्यालय स्थित स्पेशल ब्रांच में पदस्थापित थे, जहां वे अपराधियों पर शिकंजा कसते थे. पुलिस टीम के साथ स्पेशल ब्रांच भी मामले की जांच कर रही है. बीआईटी सिंदरी से बीटेक करने के बाद अनुपम 2018 में पुलिस सेवा में शामिल हुए थे.

चार दिन पहले भी गुमला में एक जवान की गोली मारकर कर दी गई थी हत्या : इससे पहले साहिबगंज जिला पुलिस के जवान और गुमला विशुनपुर थाना क्षेत्र के टीटीही गांव के निवासी अभिषेक उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. यह घटना 29 जुलाई को नेतरहाट घाटी में हुई थी. इस घटना का जिम्मा सोशल मीडिया पर राहुल सिंह नाम के आपराधिक गिरोह ने जिम्मा लिया था. सोशल मीडिया पर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया था कि अभिषेक उरांव की हत्या सोमवार शाम को राहुल सिंह और गिरोह के द्वारा नेतरहाट घाटी में पांच छह राउंड से ज्यादा गोलीबारी कर की गई थी. ये पुलिस प्रशासन की आड़ में धाक जमा कर जमीन का कारोबार भी करते थे.

रांची में न नेता, न वकील और न ही पुलिस सुरक्षित

कि अपराधियों ने स्पेशल ब्रांच के दारोगा को ही अपनी गोली का निशाना बना दिया.

पिछले कुछ महीनों में हुई आपराधिक घटनाएं

23 मार्च : रांची में खरीददारी कर रहे युवक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या.
27 मई : रांची के बार में सरेआम डीजे की गोली मारकर हत्या.
07 जुलाई : धुर्वा में पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह को गोली मारी गई. 26 दिन बाद अस्पताल में वेद प्रकाश की मौत.
14 जुलाई : मोरहाबादी में फास्ट फूड खाने के बाद पैसा नहीं दिया, तो होटल कर्मी ने गला काट कर हत्या कर दी.
19 जुलाई : हरमू में बैंक कर्मी अभिषेक की देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई.
1 अगस्त : कांके रोड में राजेश मुंडा नाम के युवक को मारी गोली.
2 अगस्त : सुखदेव नगर में अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की चाकू मारकर हत्या.
3 अगस्त : स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम कच्छप की गोली मारकर हत्या.

अमित शाह अहमद शाह अब्दाली ...

शिवसेना (यूबीटी) के सुप्रीमो उद्धव ठाकरे ने शनिवार को पुणे में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली का वंशज करार दिया. उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर ' सत्ता जिहाद' करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में रहने के लिए राजनीतिक दलों में फूट डाल रही है. उन्होंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को खटमल बताया. इसके साथ ही उद्धव ने गृह मंत्री अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली का वंशज बताया. अब्दाली ने पानीपत के युद्ध में मराठों को हराया था. दरअसल 21 जुलाई को अमित शाह ने पुणे में ठाकरे को औरंगजेब फैन क्लब का लीडर कहा था. उद्धव इसी तंज का जवाब दे रहे थे.

क्या बोले उद्धव ठाकरे : 03 अगस्तः अगर मुसलमान हमारे साथ हैं, तो हम उन्हें अपना हिंदुत्व समझाएंगे. तब हम औरंगजेब फैन क्लब होंगे, लेकिन जो आप कर रहे हैं, वह सत्ता जिहाद है. ठाकरे ने आगे कहा- भाजपा के सहयोगी नीतीश कुमार, चंद्र बाबू नायडू हिंदुत्व वादी व्यक्ति हैं क्या? अमित शाह बताएं उनका हिंदुत्व कैसा है? गृह मंत्री को संघ का हिंदुत्व मान्य है क्या? इस वजह से भाजपा ने जो शुरू किया है, वह पावर यानी सत्ता जिहाद है. गृह मंत्री अमित शाह अहमद शाह अब्दाली के वंशज हैं. अब्दाली ने ही पानीपत की लड़ाई में मराठों को हराया था. यही नहीं महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस अंगूठे से मसला जानेवाल खटमल है.

देश में जाति गणना हो...

उन्होंने कहा, हमारी पार्टी सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध करेगी कि वह अपने हाल के फैसले की समीक्षा करे जिसमें एससी कोटे के तहत 15% उप-समूहों को अनुमति दी गई है. एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर को अनुमति नहीं दी जा सकती. एससी कोटे में उप-समूहों को अनुमति देने से सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े वर्ग के उत्थान का उद्देश्य पूरा नहीं होगा, जो छुआछूत की प्रथा का शिकार रहा है. पासवान ने बिना विस्तार से बताए कहा, मुझे लगता है कि हमें जाति जनगणना करानी चाहिए, लेकिन इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए. एकत्रित आंकड़ों का इस्तेमाल सरकार को नीतियां बनाने में करना चाहिए.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की विधिवत शुरूआत

- मेदिनीनगर के टाउन हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया
- महिलाओं ने कराई योजना के तहत ऑनलाइन एंट्री कराई

संवाददाता। मेदिनीनगर

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की पलामू में आज से विधिवत शुरुआत हुई. कार्यक्रम का उद्घाटन मेदिनीनगर नगर आयुक्त जावेद हुसैन, डीडीसी शब्बीर अहमद, एसी कुंदन कुमार, सदर भूमि सुधार उप समाहर्ता प्यारेलाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. इसके बाद टाउन हॉल में नगर निगम के वार्ड 22, 24, 29 व 30 के लाभुकों के लिए आयोजित शिविर में पहुंची महिलाओं को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से लाभान्वित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया. महिलाएं टाउन हॉल पहुंचकर अपना आवेदन समर्पित कर कंप्यूटर पर अंगूठा लगाकर ऑनस्पॉट एंट्री करवा रही थी. मौके पर सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक विक्रम आनंद व समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान भी उपस्थित थी. इधर, कार्यक्रम की शुरुआत के बाद सभी पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के जागरूकता रथ को रवाना किया. यह रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों के गांवों में जाकर महिलाओं को इस योजना के प्रति जागरूक करेगा.

कार्यक्रम का उदघाटन कर नगर आयुक्त व डीडीसी

भाजपा संयमित और संगठित पार्टी है: कर्मवीर

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी, लातेहार जिला इकाई की एक बैठक जिला कार्यालय में अध्यक्ष पंकज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में बतौर मुख्य अतिथि के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर मुख्य रूप से मौजूद थे. उन्होने लातेहार जिला के सांगठनिक कार्यक्रमों की समीक्षा की. संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक संयमित और संगठित पार्टी है. आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार लगातार देश की बागडोर थामी है. प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में आज भारत चहुमंखी विकास कर रहा है. उन्होने आगामी विधानसभा चुनावों को ले कर कई चर्चा की और अभी से ही इसमें जुट जाने की अपील की.

मोहम्मदगंज में कोयल नदी उफान पर लोगों से की सुरक्षित रहने की अपील

हुसैनाबाद (पलामू)। पलामू जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मोहम्मदगंज कोयल नदी उफान पर आ गई है. इस स्थिति को देखते हुए पलामू पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन के निर्देश पर मोहम्मदगंज थाना वह अन्य क्षेत्र की पुलिस के द्वारा नदी के किनारे रहने वाले लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है. पुलिस अनाउंसमेंट के माध्यम से लोगों को चेतावनी दे रही है कि वे नदी के किनारे फोटो, वीडियो या सेल्फी लेने के लिए न जाएं, क्योंकि यह अत्यंत खतरनाक साबित हो सकता है. पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नदी के तेज बहाव और उफान के कारण किसी भी अनहोनी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता. इसलिए, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अपील की जा रही है. इस वक्त कोयल नदी के आस-पास के क्षेत्रों में स्थिति गंभीर है और स्थानीय प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है.

रंका को अनुमंडल बनाना मेरा दायित्व

संवाददाता। गढ़वा

पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह का परिवर्तन यात्रा जिले के रंका प्रखंड में लगातार जारी है. इस दौरान उन्होंने सोनपुरवा, लीदीकंडा, खपरो का भ्रमण किया. मौके पर पूर्व मंत्री सिंह ने अपने कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि हमने पुल, पुलिया, स्वास्थ्य, शिक्षा पर काम किया था, वो मेरा कर्तव्य था. मैंने कोई एहसान नहीं किया. उन्होंने कहा कि रंका को अनुमंडल बनाना मेरा दायित्व था. पिछले 15 वर्षों में रंका प्रखंड का विकास जितना होना चाहिए था, नहीं हुआ. आज भी लोग सड़क, बिजली, पानी सहित अन्य मूलभूत समस्यायों से वंचित हैं. मौके पर सुलपानी सिंह, रामलखन यादव, सुनील माली, आदम अंसारी, वकील अंसारी, इसरफील अंसारी, हसनैन अंसारी, मोरसीम अंसारी, आलमगीर अंसारी, सदरुद्दीन अंसारी आदि उपस्थित थे.

- गिरिनाथ सिंह बोले-

परिवर्तन यात्रा के दौरान गिरिनाथ सिंह.

बारिश का असर सतबहिनी झरना तीर्थ स्थल पर पंडी नदी उफनाई

कोयल-पंडी नदी में बाढ़ आने से फसल बर्बाद

संवाददाता। कांडी(गढ़वा)

प्रखंड क्षेत्र में पिछले 20 घंटे से हो रही लगातार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है. लोग घरों में दुबके हुए हैं. कोयल व पंडी नदी में बाढ़ आ गयी है. सतबहिनी झरना तीर्थ स्थल पर पंडी नदी उफान पर है. नदी में बने पुल को छूती हुई बाढ़ का पानी बह रहा है. साथ ही भगवती मंदिर के गर्भ गृह में भी चार फीट पानी भरा हुआ है. मंदिर के पुजारी आदित्य पाठक ने बताया कि सुबह की पूजा ऊपर से ही किया गया है. अगर शाम तक बाढ़ की पानी से पुल भर जाता है तो मंदिर में संध्या आरती करने में परेशानी होगी. पंडी नदी में आई बाढ़ का पानी हेंठार क्षेत्र के खेतों में भी फैल गया है. उधर कोयल नदी में भी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. कोयल नदी के दोनों किनारों तक पानी भर गया है. खरौंधा पंचायत के गांव जयनगरा के खेतों में लगी व्यावसायिक फसल हल्दी बाढ़ के पानी में डूब गया है.

पानी में डूब गई फसल.

पीड़ित ने बताया कि नीलगाय व सुअर द्वारा दूसरे फसल बर्बाद किए जाने के कारण अब हमलोग हल्दी की खेती करते हैं. किसान दिलीप मेहता, संजय मेहता, रंजन मेहता, बिगन मेहता, सुमंत मेहता, गुप्तेश्वर मेहता, जय कुमार ने बताया कि हम सभी अपने एक-एक एकड़ खेतों में हल्दी की फसल लगाया हूं. लेकिन आज कोयल नदी में आई बाढ़ में सारा फसल डूब कर बर्बाद हो गया है. लाखों रुपये की फसल बर्बाद होने का अनुमान है. सोन नदी की स्थिति अभी ठीक ठाक है. सोन नदी में बाढ़ की स्थिति नहीं है.

अजातशत्रु और राहुल प्रदेश भाजयुमो के उपाध्यक्ष बने

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने अजातशत्रु और राहुल कुमार चौधरी को मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया है. युवा मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने पर अजातशत्रु ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करूंगा और संगठन को अपना सर्वोच्च योगदान दूंगा. पूर्व में संगठन में कार्यसमिति सदस्य, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक और प्रदेश मंत्री के रूप में संगठन को अपनी सेवा देता आया हूं. पुनः अब प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा काल को आगे विस्तार देने का सुअवसर मिला है. इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, कर्मवीर सिंह, अमर बाउरी, शशांक राज, विनय जायसवाल, दीपक प्रकाश, आशा लकड़ा, सुदर्शन भगत, समीर उरांव के प्रति आभारी हूं. उधर राहुल चौधरी इससे पूर्व महानगर अध्यक्ष, रांची गो संवर्धन प्रकोष्ठ, महानगर अध्यक्ष जल प्रबंधन प्रकोष्ठ, रांची महानगर प्रवक्ता और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रह चुके हैं.

अजातशत्रु

राहुल चौधरी

गाजर सौ के पार, चढ़ा आकाश टमाटर

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

व्याकुल चित्तवृत्ति की मनोरम अभिव्यक्ति का नाम कविता है. कविता पसंद आये या न आये, इससे कोई दूर भाग नहीं सकता. नवजात शिशु के रुदन से लेकर अवसान काल में कहे जानेवाले राम-राम तक में कविता ही तो है. भले ही कविता को आह से उपजा गान बताया गया हो, लेकिन यह तो जीवन के हर अवसर पर मचलती रहती है. तरंगित होती रहती है. जो उन तरंगों को पकड़ लेता है, वह उसे अभिव्यक्ति देकर कवि बन जाता है. जो उससे लापरवाह या अनजान होता है, वह उसे समझ नहीं पाता. इसके बाद भी कोई कविता से भाग नहीं सकता, क्योंकि उसकी आभाओं ने पूरे मानव समाज को घेर रखा है. क्योंकि कविता आपका सुख और दुःख दोनों के समय वफादार दोस्त की भूमिका निभाती है. जब शोक हो, वियोग हो तो कविता आपके आंसू पोंछती है, ढाढ़स बंधाती है, धैर्य रखने की प्रेरणा देती है, लेकिन जब सुख के क्षण आते हैं तो कविता उन्हें चिरस्मरणीय बना देती है. आज की कविता केवल प्रेयसी के अलकों, झुकी या उठी पलकों तक ही सीमित नहीं होती, बल्कि जीवन के हर रंग को स्पर्श करने की क्षमता रखती है. इतिहास साक्षी है कि कविता ने युद्ध भूमि में जाकर मातृभूमि के लिए अपना सिर भी कटाने को तैयार वीरों का उत्साह वर्द्धन करती रही है तो धर्म, अध्यात्म और ज्ञान-विज्ञान के साथ मानवों का पथ आलोकित करती रही है. भारतीय स्वाधीनता संग्राम में भी कविता की भूमिका चिरस्मरणीय है. कविता जीवन के उलझनों और परेशानियों को भी समझती है और जिम्मेदारों को उसके प्रति जगाने का प्रयास भी करती है. वर्तमान काल में बड़ी समस्याओं में से एक है महंगाई, जिसने सबको संत्रस्त कर रखा है. इसमें भी कविता अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह करते देखी जाती है. इस बात एक उदाहरण है रांची के कवि **विनोद सिंह गहरवार** की ये कुंडलियां-

महंगाई की मार से जनता करे गुहार.
आदी तीन सौ बीस तो गाजर सौ के पार..
गाजर सौ के पार चढ़ा आकाश टमाटर.
लगता दे दूं जान किसी नदी में जाकर.
कहे बिनोद अबोध सुनो सरकार हरजाई.
कुछ तो करो उपाय जाए जल्दी महंगाई..
रोटी दाल दुर्लभ हुआ कैसे चले परिवार.
चुका नहीं पाया उसको जिससे लिया उधार
जिससे लिया उधार मुंह कैसे दिखलायें.
घर में छुप-छुप कर कैसे हम दिन बिताएं.
कहे बिनोद अबोध हाय मेरी किस्मत छोटी.
किए बहुत उद्योग मिली फिर भी नहीं रोटी..

गहरवार जी ने महंगाई की मार पर कुंडलियों के रूप में अपने व्याकुल चित्तवृत्ति को मनोरम ढंग अभिव्यक्ति देने का प्रयास किया है. कुंडली छंद दोहा और रोला नामक दो छंदों के मेल से बनता है. कुंडली दोहा से प्रारंभ होकर रोला छंद के साथ समाप्त होती है. इनकी कुंडली में कई स्थानों पर छंद भंग होता दिख रहा है, फिर भी इनका प्रयास सराहनीय है. आधुनिक साहित्य में नवगीत पूरी दृढ़ता के साथ स्थापित हो चुका है, जो कवियों के साथ ही पाठकों को भी रास आ रहा है. नवगीतों की रचना में पारंगत हैं जमशेदपुर की कवयित्री **वीणा नंदिनी**. अपनी प्रस्तुत रचना में ये बता रही हैं कि कैसे कविता सुदृढ़ हो गयी-

संकुचित हों सब विधाएं
आ गई कविगण शरण
पटरियों पर छंद दौड़े
सब दिलों नवगीत श्रवण
भाव कागज पर उड़ेले, लेखनी आह्लाद से -
अब बुलंदी कसक बनके कल्पना उद्गार से -
विमुख होती रोजगारी
छंद का होता मरण..
नवल नश्वर की कतारें सुमन भी महकती सी-
अब निराला छंद निर्मल शिल्प भी चहकती सी -
छंद झरते प्रीत बहता
पाठकों का मन हरण..
शब्द चुभते बाण जैसे कल्पनाओं से परे -
ताल जब नवगीत ठोके भाव फूटे रस भरे -
वर्ण नाचे काव्य आंगन
ले विधा से आवरण..
संकुचित हो सब विधाएं
आ गई कविगण शरण -
पटरियों पर छंद दौड़े
सब दिलों नवगीत श्रवण -

गीतिका छंद में रचित इनका यह नवगीत काव्य रसिकों के लिए महत्वपूर्ण अवदान है. वीणा जी अद्भुत अभिव्यक्ति क्षमता के साथ ही छंद पर भी मजबूत पकड़ रखती हैं. यह सराहना का विषय है. प्रेम तो कविता की सहज प्रवृत्ति है. वहीं झमाझम बरसात वियोगियों के मन में टीस उत्पन्न न कर दे, यह संभव नहीं है. उनके हृदय में प्रेम गीत मचल ही उठता है. ऐसे ही एक बरसाती प्रेम गीत को दुमका के वरिष्ठ कवि **शंभुनाथ मिस्त्री** इस प्रकार अभिव्यक्ति दे रहे हैं-

कुछ ही बूंदें अभी पड़ी थीं
आ धमकी है याद तुम्हारी आंधी बनकर.
ताप रहा है बहुत दिनों तक भारी पत्थर-सा चापन बन,
कैसा तो लग उठता है जब तुम बन जाती हो नभ के घन;
मन कितना गीला हो उठता हाथ पसारे झपसे के पानी में सनकर.
बदरी का मृदु भार झुका हो बियाबान के कांधे पर जब,
गीले चुम्बन से हरियाली क्यों न मदिर मन झूम उठे तब;
यादों के रेले में फंसकर कोई कैसे खड़ा रहेगा सीधा तनकर.
जब भी मौसम आता बेमन अंखुआये पल को ठगता है,
बादल उमड़-घुमड़ छा जाये पर यह तब अच्छा लगता है;
मन के भीतर झांक रहा हो रूप तुम्हारा सपनीले चादर से छनकर.

वियोग का प्रेम से गहरा संबंध है. पहले प्रेम होता है और इसके बाद ही वियोग की बारी आती है. एक समय था, जब प्रेमी और प्रेमिकाओं के पास अपने दिल की भावनों को व्यक्त करने का माध्यम पत्र हुआ करता था. प्रेम पत्र के संबंध में रांची के सुप्रसिद्ध अध्यात्म चिंतक **डॉ. मयंक मुरारी** कहते हैं- प्रेम को पत्र प्रकट करता है. सभ्यता के उषा काल से. आज भी प्रेम का उत्कर्ष उन पत्रों में मिलता है, जिसमें कम लिखा गया, ज्यादा समझा गया. मयंक मुरारी अच्छे विचारक, लेखक के साथ ही कवि भी हैं और इस विधा में अपनी लेखनी का चमत्कार दिखाते रहे हैं. इन्होंने एक ऐसे प्रेम पत्र को अपनी कविता का विषय बनाया है, जो लिखा ही नहीं गया. इनकी कविता का शीर्षक है- तेरा अनलिखा पत्र.

तेरा पहला और अंतिम पत्र जो कभी लिखा नहीं गया
अर्शिया, उसे पढ़ रहा हूं अभी उस कोरा कागज को
हाथ में लेकर ही खुश है मन मौन पत्र काफी प्यारा है.
तुम्हें पता है मैंने वह सब पढ़ लिया
जो तुमने सोचा और लिखती शब्द का क्या है ?
वह पूर्ण भाव कहां व्यक्त करते तुम लिख देती,
उसके बाद भी कुछ विशेष छूट जाता.
यह कोरापन ही विशेष है, वैसे भी जब-जब भी तुम होती सामने
प्रायः ही शब्द में बोलती तू चुप रहती, और आंखें बोलती
और गहरी प्यास मुझे छू जाता किसी अज्ञात तट से आवाज देकर, मानो
कोई बार-बार मुझे बुलाता. अर्शिया, बताओ न.
कब तक इस तट पर रहना है रात बीत गई, सूरज भी निकल आया
तुम बाहर तो आओ हवाओं से पतवार उड़ने को आतुर
फिर भी, मैं गरमी के बाद धरती की तरह बरसात को व्याकुल खड़ा.

कवि की रसिकता तो देखिए, जब प्रेम पत्र न लिखा जा सका तो उन्होंने कविता का आश्रय ले लिया और पूरी सफलता के साथ अपने दिल की बात कह दी. कविता के रूप में जब यह प्रेम पत्र उनकी प्रेयसी तक पहुंची होगी तो उसपर क्या बीती होगी, यह तो डॉ. मयंक से मिलने के बाद ही पता चल पाएगा. तब तक के लिए आज्ञा दीजिए. जय हिंद ! जय झारखंड !!

डाकुओं का बाप

क्या बताएं आपसे हम हाथ मलते रह गए
गीत सूखे पर लिखे थे, बाढ़ में सब बह गए
भूख, महगाई, गरीबी इश्क मुझसे कर रहीं थीं
एक होती तो निभाता, तीनों मुझपर मर रही थीं
मच्छर, खटमल और चूहे घर मेरे मेहमान थे
मैं भी भूखा और भूखे ये मेरे भगवान् थे
रात को कुछ चोर आए, सोचकर चकरा गए
हर तरफ़ चूहे ही चूहे, देखकर घबरा गए
कुछ नहीं जब मिल सका तो भाव में बहने लगे
और चूहों की तरह ही दुम दबा भगने लगे
हमने तब लाईट जलाई, डायरी ले पिल पड़े
चार कविता, पांच मुक्तक, गीत दस हमने पढे
चोर क्या करते बेचारे उनको भी सुनने पड़े
रो रहे थे चोर सारे, भाव में बहने लगे
एक सौ का नोट देकर इस तरह कहने लगे
कवि है तू करुण-रस का, हम जो पहले जान जाते
सच बतायें दुम दबाकर दूर से ही भाग जाते
अतिथि को कविता सुनाना, ये भयंकर पाप है
हम तो केवल चोर हैं, तू डाकुओं का बाप है

- हुल्लड़ मुरादाबादी

कोचिंग वरदान या अभिशाप

कुछ दिनों से दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में जल जमाव के कारण तीन विद्यार्थियों के डूबने से मृत्यु की चर्चा हो रही है. अखबार के पत्रकारों को एक नया विषय मिल गया.

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

टेलीविज़न चैनलों को टीआरपी बढ़ाने के लिए ताज़ा मसाला मिल गया. विपक्ष और सत्ता में बैठे अलग अलग लोग उन युवाओं की चिता पर राजनीति की रोटी सेंकने में लग गए. भारत में सभी बीमारियों की एक दवा सीबीआई भी आदेश मिलते ही कार्यरत हो गयी ! ताज्जुब की बात है कि इन हादसों के मूल कारण की ओर कोई ध्यान देने को उत्सुक नहीं है और न ही समस्या के निदान में उनकी कोई रुचि ही है ! भारत में सबसे सस्ती है किसी भारतीय की जान ! दुनिया के किसी भी देश में अपने नागरिक की जान के प्रति इतना उदासीन रवैया नहीं है. अगर एक व्यक्ति की मौत हो जाती है तो सरकारों को सफाई देते और व्यवस्था दुरुस्त करने में पसीना निकल आता है ! पर भारत में हमने सबसे सस्ता अगर किसी चीज़ को समझा है तो वह है एक आम भारतीय की जान-एक साधारण मतदाता की जान. वही एक मतदाता जिसके वोट से देश में प्रजातंत्र में भी राजा बन बैठते है और कहते हैं....हमारे राज में....एक रोचक खबर अखबारों में पढ़ने को मिली कि कोचिंग संस्थान में हादसे के बाद संस्थान के मालिक ने हादसे में मृतकों के परिवार जनों को पचास लाख रुपए देने का एलान किया है. कल्पना कीजिये कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए इच्छुक छात्रों से कितने सौ करोड़ कमाया होगा उसने ! दो दिन बाद और रोचक खबर पढ़ने को मिली कि किसी अन्य कोचिंग संस्थान के मालिक ने हादसे में मृतकों के परिवार जनों को दस दस लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की. सबसे उदार थी उनकी अपील कि दागी संस्थान के सभी छात्रों को उनका संस्थान मुफ्त में कोचिंग देगी ! क्या इससे बढ़िया कोई व्यापारिक चाल हो सकती है ? हिंदी गीतकार बुद्धिनाथ मिश्र के बहुचर्चित गीत की पंक्ति हैः '......एक बार फिर जाल फेंक रे मछेरे...'

इस मंच पर हजारों करोड़ों के कोटा कोचिंग व्यवसाय की चर्चा हो चुकी है, जहां सैकड़ों विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है . बहुचर्चित मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा में घोटालों की चर्चा-उपचर्चा में फिलहाल पूरा देश व्यस्त है. मुन्नाभाई लोग अपने आगे की रणनीति बनाने में व्यस्त हैं, पर अभी भी इन घोटालों के मुख्य सूत्रधार इन कोचिंग संस्थानों की ओर कोई ध्यान नहीं गया है. कोचिंग संस्थानों के द्वारा संभावित प्रश्नपत्र तैयार कराने वालों को मोटी रकम देकर संभावित प्रश्नों को प्राप्त किया जाता है और अति साधारण के प्रतिभा के छात्र उन प्रश्नों के उत्तर रटकर श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश पा जाते हैं और श्रेष्ठ स्तर की सरकारी नौकरी भी ! इसी का परिणाम है कि आईआईटी और एम्स जैसे उच्च शोध संस्थान में साधारण प्रतिभा के लोग प्रवेश पा रहे हैं और शोध का स्तर भी प्रभावित हो रहा है ! डॉ. जगदीश चंद्र बोस, डॉ. विक्रम साराभाई, प्रो. सत्येन बोस, डॉ. विधान चंद्र रॉय, डॉ. होमी जहांगीर सेठना, डॉ. राजा रामन्ना, डॉ अब्दुल कलाम, प्रो.विश्वेश्वरैया सरीखे भारत के विद्वानों ने किसी कोचिंग संस्थान में प्रायः दाखिला नहीं लिया था ! स्कूलों और कॉलेजों के शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन करने के स्थान पर एक समानांतर लाखों करोड़ों की व्यवस्था -कोचिंग को बढ़ावा देना कोई बड़ी साजिश तो नहीं है ? आखिर इस शैक्षणिक व्यभिचार को सरकार प्रतिबंधित क्यों नहीं करना चाह रही ? विचारणीय मुद्दा तो है क्योंकि यह देश के भविष्य का प्रश्न है !

अयोध्या : अवसि देखिअहि देखन जोगू

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

अयोध्या मर्यादापुरुषोतम प्रभु श्रीराम की नगरी. त्रेता की नगरी. पराक्रमी रघुवंशी राजाओं की नगरी. धर्म अर्थ काम और मोक्ष को प्रदान करने वाली नगरी. अनेक उत्थान और पतन को देखने वाली नगरी. पद्मनाभ साहित्य परिषद् वैशाली बिहार का चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन 3-4 अगस्त 24 को अयोध्या में प्रस्तावित है. पद्मनाभ साहित्य परिषद् वैशाली बिहार की संस्थापिका, संकल्पिका एवं व्यवस्थापिका परमादरणीया डॉ. प्रतिभा पराशर ने अपनी संस्था के चतुर्थ अधिवेशन में मुख्य वक्ता के रुप में आमंत्रित किया है. गत 1 अगरूत को थावे विद्यापीठ गोपालगंज बिहार के कुलसचिव डॉ. पीएस दयाल यति के साथ आरा से वंदे भारत ट्रेन द्वारा अयोध्या धाम जंक्शन पहुंचा. अयोध्या धाम स्टेशन पर पहले भी आया गया था, लेकिन इस बार अयोध्या धाम स्टेशन को देखकर आश्चर्यचकित रह गया. स्टेशन की सुंदरता,विशालता और भव्यता देखते ही बन रही थी. हमलोग आटो रिक्शा से विश्वामित्र आश्रम आये. महंथ राम मंगल दास ने हमारा भव्य स्वागत किया. दूसरे दिन प्रातः हमने राम की पौड़ी पर सरयू में स्नान किया और राम मंदिर में राम लला के दर्शन किये. अयोध्या आज सचमुच अयोध्या हो गई है.

आज से लगभग नौ लाख वर्ष पूर्व इस पावन भूमि पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अवतार धारण किया था. इसी पवित्र भूमि पर लोट पोट कर परस्पर पुरुषोत्तम श्रीराम ने

भरत, लखन एवं शत्रुघ्न के साथ अपने देव दुर्लभ बाल चरित किये. ईशा की कई शताब्दियों के पूर्व भारत के राज सिंहासन को सुशोभित करने वाले हिंदू राजाओं ने समय समय पर इसकी रक्षा की, इसका जीर्णोद्धार करते रहे,किंतु शक और हूणों के आक्रमण के समय हिंदू क्रमशः राजाओं ने इधर से अपना ध्यान हटा लिया. परिणाम स्वरूप प्राचीन मंदिर भग्न हो गया और कुछ दिनों के पश्चात् केवल कुछ जीर्ण-शीर्ण अंश को छोड़कर और वस्तु शेष नहीं बची. अंततः ईशा के एक शताब्दी पूर्व हिंदू सम्राट विक्रमादित्य ने बड़े परिश्रम से खोज कर इस पावन भूमि पर विशाल मंदिर बनवा दिया. कहा जाता है कि उस समय भारतवर्ष में केवल चार सर्वोत्कृष्ट मंदिर माने जाते थे. इन चार मंदिरों के टक्कर के मंदिर संसार भर में नहीं पाये जाते थे. इन चार मंदिरों में एक श्री राम जन्मभूमि अयोध्या का मंदिर ,दूसरा महारानी कैकेई का कनक भवन,तीसरा काश्मीर का सूर्य मंदिर और चौथा गुजरात के प्रभास क्षेत्र का सोमनाथ मंदिर. इतिहास साक्षी है कि 1528 में फतेहपुर सिकरी के पास चितौड़ के राजा संग्राम सिंह से पराजित होकर मुगल सम्राट बाबर अयोध्या भाग आया. उन दिनों श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर बाबा श्यामा जी नाम के एक पहुंचे हुए सिद्ध महात्मा निवास करते थे.इनकी सिद्धाई की धाक समस्त उत्तर भारत में फैली हुई थी, जिससे प्रभावित होकर हज़रत काजल अब्बास मुशा आशिकाने कलंदर शाह नाम का फकीर आया और बाबा श्यामानंद जी उसे मुसलमानी ढ़ंग से ही योग शिक्षा देने लगे, जिसके परिणामस्वरूप कुछ ही दिनों में वह पहुंचा हुआ फकीर हो गया और उसकी सिद्धि की धाक फैल गई. कुछ ही दिनों के पश्चात् जलाल शाह नाम का एक और मुसलमान फकीर यहां आया और वह भी श्यामानंद जी का साधक शिष्य बन गया और वहीं रहकर योग क्रिया सीखने लगा. पराजित बाबर बैठा नहीं रहा. कुछ ही दिनों के बाद तीन लाख सेना के साथ राणा सांगा पर आक्रमण किया और उन्हें पराजित कर दिया. कहा जाता है कि विजय प्राप्त करने के कुछ ही दिनों बाद बाबर पुनः अयोध्या आया. उसके ऊपर अपनी सिद्धाई की धाक जमा कर जलाल शाह और काजल अब्बास ने मंदिर ध्वंस करवा दी और बाबर उसके ऊपर एक मस्जिद बनवा देने की आज्ञा अपने वजीर मीर बाकी खां ताशकंदी को देकर दिल्ली चला गया.मीर बांकी ने बाबर के जाते ही मंदिर को नष्ट कर उस पर मस्जिद बनवा डाली, जो बाबरी मस्जिद के नाम से जानी गई. अयोध्या की चर्चा करते हुए महाकवि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में स्वयं श्री राम के मुखारविंद से कहलाया है किः-

यद्यपि सब बैकुंठ बखाना.
वेद पुरान विदित जग जाना.
अवधपुरी सम प्रिय नहीं सोऊ.
यह प्रसंग जानहिं कोई कोऊ.

अयोध्या जिसे कभी युद्ध में जीता नहीं गया और अवध जहां कभी बध नहीं हुआ विगत कई वर्षों से युद्ध और बध का केंद्र बन गया. सरकारें आईं और गईं, मगर अयोध्या का विवाद ज्यों का त्यों बना ही नहीं रहा, अपितु गहराता भी गया. अंततः विवाद सुलझा और आज अयोध्या पुनः भव्य रूप में आ गया है.

डर कर भागे बादल

नश्तर

सुधीर राघव

भरे सावन में धूप खिली है. दिल्ली से बादल भाग गए हैं. बादल भयभीत और अपराधबोध से भरे हैं. बेसमेंट में पानी भरने से तीन युवाओं की मौत हुई है. महाराज चित्रगुप्त ने देवराज इंद्र से स्पष्टीकरण मांग लिया है. ये तीनों मौतें नियम विरुद्ध हैं. कर्म लेखा डायरी में ऐसी कोई मौत तय नहीं थी. तीनों को लंबी उम्र मिली थी. आकाश में दूर कहीं बिजली कड़क रही है. गर्जन सुनाई दे रहा है. मगर पानी की एक बूंद नहीं गिर रही. इंद्र देव बादलों को बुलाकर फटकार रहे हैं. वे गुस्से में हैं. कड़ककर पूछ रहे हैं - तुम्हें ओल्ड राजेन्द्र नगर में इतना बरसने की क्या जरूरत थी ? तुम्हें पता होना चाहिए कि हर ओल्ड चीज गोल्ड नहीं होती ! जर्जर भी होती है ! तुम अपनी मौज में बरसते रहे और इतना भी ध्यान नहीं दिया कि बच्चे फंसे हुए हैं ?...मैं अब चित्रगुप्त को क्या जवाब दूं ?... बादल गिड़गिड़ा रहे - महाराज जब घटना घटी, तब हम बरस ही नहीं रहे थे. आप मौसम विभाग का आंकड़ा मंगवा लीजिए. ओल्ड राजेन्द्र नगर में उस दिन पांच एमएम बारिश भी नहीं हुई, जबकि मानसून में हमारा कोटा सौ एमएम तक का है. यह सब इंसानों की कारस्तानी है. वे ही समय रेखा को तोड़ रहे हैं. वे ही मनमानी और भ्रष्टाचार कर रहे हैं. महाराज चित्रगुप्त का सारा लेखा चौपट कर रहे हैं. आप धरती के न्यूज चैनल देखिए, भाजपा वाले कह रहे हैं, एमसीडी की ग़लती है. बादलों की नहीं. उधर, एमसीडी वाले कह रहे हैं कि अफसर सिर्फ एलजी की सुनते हैं. राज्य की जनता से धोखा कर अफसरों की नकेल कसने के सारे अधिकार एलजी को दे दिए गए हैं और एलजी भाजपा वालों का है. हुजूर ! बादलों की ग़लती कोई नहीं बता रहा है. हम बेकसूर हैं. हमें माफ करें.

इंद्रदेव और कड़क हो गए हैं - अगर तुम्हारी गलती नहीं है तो तुम दिल्ली से भागकर क्यों आ गये ? ... बादल रुआंसे हो चले हैं - महाराज ! नियम विरुद्ध हुई तीन मौतों से हम भी दुखी और भयभीत हो गए थे. इसलिए वहां से भागकर आ गये. इंद्र ने बादलों के बयान सहित चित्रगुप्त को पूरी रिपोर्ट भेज दी है. इसमें उस दिन ओल्ड राजेन्द्र नगर में हुई बारिश का डाटा भी है. रिपोर्ट देखकर चित्रगुप्त समझ नहीं पा रहे हैं कि गलती किसकी है. आखिर समय रेखा को बर्बाद करने वाला कौन है ? नीचे धरती पर न्यूज चैनल शोर मचा रहे हैं कि यह सारी गलती किसी थार वाले की थी. उसे पकड़ लिया गया है. यह जानकारी अफसर, नेता, एलजी सब चैन की सांस ले रहे हैं. हां इससे बादलों को भी राहत मिल गई है. वे बरसने के लिए फिर चल पड़े हैं.

दीपक शर्मा की कलाकृतियों में दिखते मंडराते बादल

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

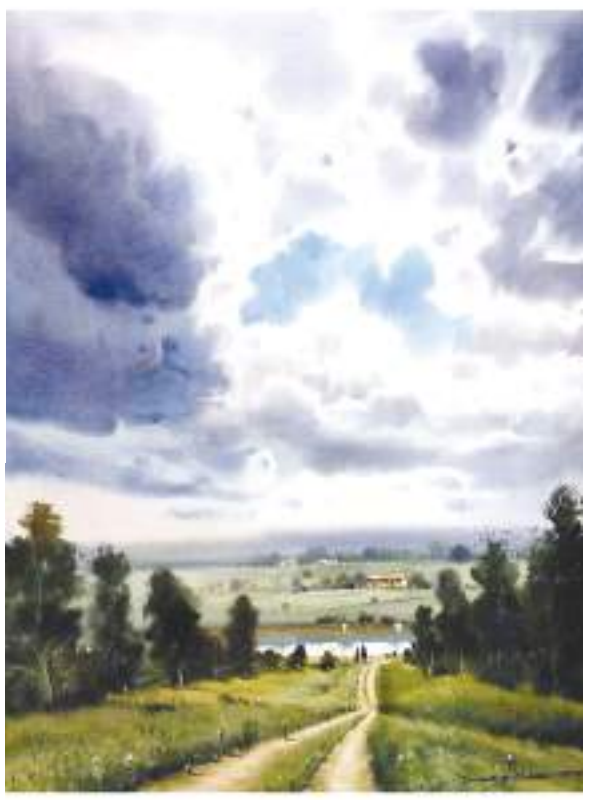

गर्मी की तपिश के बाद जब आकाश में काले-काले बादल घुमड़ -घुमड़कर आते हैं तो मौसम आम तौर पर ठंडा और सुखद होता है. धूल की उपस्थिति को खत्म कर आकाश चमकीला और नीला हो जाता है और कभी-कभी सात रंगों का इंद्रधनुष दिखता है. पूरा माहौल आकर्षक और सुंदर हो जाता है. आसमान में सफेद, भूरे और काले रंग के बादलों का संगम चलता है. बारिश का मौसम शुरू होते ही हर तरफ हरे-भरे नजारे, धूमिल वातावरण नजर आता है और धरती पर बारिश की बूंदों के पड़ते ही मिट्टी से सोंधी महक निकलने लगती है. प्रकृति भी प्रसन्न होकर हंसती हुई प्रतीत होती है. पक्षी अपनी खुशी का इजहार स्वर उत्पन्न करके करते हैं. तालाब, नदियां सब पर यौवन आ जाता है. यह मौसम खासकर किसानों को खुश कर देते हैं. जीवों को भी एक नया जीवन प्रदान करते हैं. सभी बारिश की रिमझिम बूंदों में भीगने का आनंद लेते हैं. कवि भी इसकी चर्चा करते थकते नहीं. बारिश में आसमान से गिर रही बूंदों की शांत और मनमोहक ध्वनि ने कालीदास जैसे महान कवियों को मेघदूत जैसी कालजयी रचना के लिए प्रेरित कर दिया. इस सुनहरे मौसम को देख कर चित्रकार भी रंग ब्रश उठा लेते हैं. बारिश की इस रिमझिम सौंदर्य के प्रति सभी मोहित हो जाते हैं और सौन्दर्य तो कला की आत्मा है. उसको एक कलाकार ही मनन, चिन्तन तथा प्रयोगों से जिन्दा रख सकता है और समाज को दिशा दे सकता है. महानगरीय व शहरी समाज का एक बड़ा हिस्सा भले ही प्रकृति की चिंता से दूर है, किंतु आज भी ग्रामीण समाज सदियों से पर्यावरण के प्रति सजग और संवेदनशील रहा है. तभी तो दीपक कुमार शर्मा जैसे कलाकार पहाड़ों, पठारों और जंगलों के बीच की प्रकृति की गहराई में झांकने की कोशिश करते हैं. वहां की परिस्थिति को कैद करते हैं. उसे फिर कैनवास पर उतारते हैं. दीपक कुमार शर्मा भले ही अपने जीवन यापन के लिये पुणे में रह रहे हैं, लेकिन आज भी झारखंड के झरने, पहाड़, बादल, पत्थर, नदियां और कहें तो समूची प्रकृति इन्हें अपनी ओर खिंचती रही है. तभी तो इसे अपने कैनवास पर उतार कर दीपक अपने जीवन की गहरी आस्था को पाते हैं. इनके प्रकृति चित्रण में आज बारिश के मंडराते बादल देखा जा सकता हैं. कला के क्षेत्र में दीपक कुमार शर्मा एक जाना पहचाना नाम है, जिनकी कल्पना की ऊंचाइयों में भी वास्तविकता का स्पर्श रहता है. इनकी कलाकृतियां भारत के साथ-साथ विदेशों में भी हैं. इन्होंने कला में पांच वर्षीय डिप्लोमा कोर्स किया है और आज ये देश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यशालाएं आयोजित करते रहते हैं. अपनी जलरंग कलाकृतियों के प्रदर्शन के लिए इन्हें हैदराबाद, दिल्ली, बनारस, इलाहाबाद, पंजाब में भी आमंत्रित किया गया है. मुंबई, पुणे, हैदराबाद, हांगकांग, बैगलुरू और अमेरिका में भी इनकी कलाकृतियों को देखा जा सकता है. इनकी कलाकृतियों में संवेदनशीलता की आंतरिक दृष्टि स्पष्ट झलकती है. इनकी कलाकृतियां मंडराते बादलों की सुंदरता को समेटने की प्रेरणा भी देता है. काले बादल और धरती का मिलन एक अद्वितीय भावना का संचार करता है.

आखर

न प्रेमचंद प्रगतिशील थे और न सांप्रदायिक

विमर्श

रामचंद्र ओझा

कविता हो या कहानी, उसका गुण स्तर विषय सापेक्ष नहीं होता. गुणवत्ता रचनाकार के रचना कौशल पर निर्भर है, जो एक अदने से विषय में जान फूंक देता है. यह कोई भारी बात नहीं जो समझ में न आए. एक ही विचारधारा की कोई एक रचना फुस्स हो जाती है, उस ओर किसी का ध्यान तक नहीं जाता, वहीं दूसरी रचना चमक जाती है और उसकी यह चमक दीर्घ काल तक बनी रहती है और कालजयी कहलाती है.

आखिर वह क्या है जिससे एक रचना दूसरे से बेहतर हो जाती है? इसका नाम हम आसानी से भले न दे पाए, किंतु कुछ है जो रचना को रचना से और रचनाकारों को रचनाकार से अलग करती है. और वह न तो विषय सापेक्ष है और न विचारधारा!

इसलिए प्रेमचंद की जब भी हम सराहना करते हैं तो इस बात पर नहीं करते कि उनका लेखन प्रगतिशील था या प्रतिगामी, कि वे परंपरावादी थे या परंपरा का विरोध करने वाले. वे सुराज चाहते थे कि भारत की सत्ता पर कम्युनिस्टों को बैठाना. ये मानदंड रचना की कसौटी नहीं हैं.

बड़ाई उनके रचनाकौशल की और उनके उनके व्यक्तित्व की होती है. उनकी सहजता की होती है. जब भी और जहां भी प्रेमचंद ने गोता लगाया, जिस विषय पर डुबकी लगाई तो उन्हें मोती ही मिला. अब यह छोटा सरोवर हो या बड़ा सरोवर. उनकी रचनाओं में उनके व्यक्तित्व की शीतल

सरिता का ही प्रवाह मिलता है. कहीं गोलियां नहीं दागते वे! किंतु सवाल यह नहीं है. सवाल यह है कि कौन सी रचना है जिसके आधार पर वामपंथी उन्हें एक प्रगतिशील या क्रांतिकारी रचनाकार कहते हैं. ध्यातव्य हो कि समाज की प्रगति नहीं होती परिवर्तन होते हैं. रैखिक प्रगति केवल विज्ञान की होती है. ऐसा कोई एक सार्वभौम मानक नहीं जिसके बढ़ने को हम प्रगति कहें और घटने को अप्रगति. और वह मानक ऐसा हो, जिसे मापा जा सके.

यदि हम प्रगति के उस प्रतिमान की बात करते हैं, जो मार्क्स के लेखन में है, तो इसका हमें उल्लेख करना चाहिए और प्रेमचंद की रचनाओं में उसकी उपस्थिति बतानी चाहिए. रोशन ख्याली और तरक्की पसंदगी, सुनने में अच्छा ध्वनित होता है, पर बिना परिभाषा के यह गुण के बगैर केवल रूप है.

क्रांति का अर्थ है, बल पूर्वक कोई परिवर्तन लाना. यह शब्द फ्रांस की क्रांति के बाद प्रचलन में आया. किंतु क्रांति के दूसरे अर्थ भी हैं. जिन विचारों से समाज में आमूल-चूल परिवर्तन होने की आशा हो, उसे भी क्रांति की संज्ञा दी जाती है. उदाहरणतः विज्ञान का उद्भव एक क्रांतिकारी परिघटना है.

वामपंथी वर्ग संघर्ष को, आपसी द्वेष और शत्रुता बढ़ाने को अक्सर एक क्रांतिकारी और प्रगतिशील कदम मानते हैं, किंतु प्रेमचंद की रचनाओं में ऐसा कुछ प्रत्यक्ष या परोक्ष दिखाई नहीं देता है. दिखाई दे भी कैसे, प्रेमचंद वेदांती थे. एकात्मवाद में विश्वास था उनका, जहां द्वंद्व और शत्रुता की कौन कहे, द्वैत का भी समावेश नहीं होता.

जहां तक प्रगति के आर्थिक दृष्टिकोण का सवाल है, प्रेमचंद औद्योगिक विकास को सामाजिक पतन का लक्षण मानते थे. ठीक वैसे ही जैसे कि गांधी को पश्चिमी आर्थिक विकास कभी नहीं भाया. औद्योगिक सर्वहारा को प्रेमचंद, किसानों से पिछड़ा और नैतिक रूप से पतित मानते थे.

> किसानी अपने तमाम बंधनों के बाद भी प्रेमचंद की नजर में औद्योगिक विकास से अच्छी थी.

इस तथ्य का जिक्र डा. रामविलास शर्मा ने अपनी पुस्तक "आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना" के पृष्ठ 279 पर किया है. अपने कथन की पुष्टि के लिए गोदान के चर्चित पात्र गोबर का सहारा लिया है,

"गोदान में गोबर शक्कर की मिल में मजदूरी करता है. गांव में ज्यादा मेहनत करता था, थकता न था, यहां पस्त हो जाता है." यानी किसानी अपने तमाम बंधनों के बाद भी प्रेमचंद की नजर में औद्योगिक विकास से अच्छी थी.

उद्योगों में लगे सभी श्रमिकों की यही दशा थी कि सभी ताड़ी या शराब में अपनी दैहिक थकन और मानसिक अवसाद को डुबाया करते थे. डाक्टर रामविलास शर्मा मार्क्सवादी थे, पर झूठे न थे.

वस्तुतः प्रेमचंद आधुनिक और मार्क्सवादी मानदंडों के किसी संदर्भ में प्रगतिशील और क्रांतिकारी नहीं थे. वामपंथी नाहक अपनी कुटिल मंशा के कारण प्रेमचंद के स्वच्छ व निर्मल दामन को दागदार करते हैं.

गरज यह है कि किसी रचना विशेष के आधार पर प्रेमचंद पर किसी खास वैचारिक प्रतिबद्धता का ठप्पा नहीं लगाया जा सकता. यदि ऐसा करेंगे तो उनकी हर रचना पर अपना निष्कर्ष बदलना पड़ेगा. उनकी रचनाओं का आयाम विविध और व्यापक है.

वस्तुतः पहले के रचनाकार पाखंडी नहीं होते थे, जो देखते थे, वही लिखते थे. यही स्वभाव और दशा प्रेमचंद की भी थी. पॉलिटिकल करेक्टनेस का ध्यान अपने वैचारिक निबंधों में भले रखा हो किंतु रचनाओं में तो जो देखा वही लिखा. जो मन में भाव आए, उसे रचनाओं में उतार दिया.

उनकी रचनाएं रेगिस्तान की मृग मरीचिका नहीं हैं, जहां केवल असलियत का भ्रम भर होता है, बल्कि उनके यहां यथार्थ पारे की तरह साफ दिखता है. वह यथार्थ मधुर और प्रिय भी हो सकता है और कटु भी.

उनकी ऐसी भी कहानियां है, जो आज के संदर्भ में विशुद्ध रूप से सांप्रदायिक कहीं जाएंगी. उनकी ऐसी एक कहानी जिहाद है. यथार्थ का तमगा लिए, आज का कोई लेखक ऐसा न होगा जो इस विषय पर कलम उठाने का साहस करे.

कहानी का सार कुछ इस तरह है. दो युवक और एक युवती, जो हिंदू हैं, अपने धर्म की रक्षा में भागकर एक गांव में शरण लेते हैं. धर्म परिवर्तन की मुहिम में मतावले कुछ तबलीगी मुसलमान घोड़े पर सवार होकर उनका पीछा करते हुए उनके करीब आ जाते हैं.

भागकर वे किसी पहाड़ी के पीछे छुपते हैं. घुड़सवार वहां भी आ धमकते हैं और इस्लाम कबूल करने की दावत देते हैं. इस्लाम की रवायत के मुताबिक धर्म परिवर्तन की दावत को यदि कोई कबूल नहीं करे तो उसकी हत्या कर दी जानी है. सिर को तलवार के सहारे धड़ से अलग कर दिया जाना है.

दो युवकों में से एक को उनकी संगिनी युवती प्रेम करती है. युवक सुंदर है, उसका शरीर सौष्ठव लचीला और आकर्षक है, शायद इसीलिए. दूसरा दुबला, पतला और कृषकाय है, युवती उसका तिरस्कार करती है. जब अस्त्रधारी मुसलमानों द्वारा इस्लाम कबूल करने का दावत दिया जाता है तो यह दुर्बल, कृषकाय किंतु स्वाभीमानी युवक प्रस्ताव ठुकरा देता है. किंतु दूसरा युवक जिससे युवती प्रेम करती है, वह इस्लाम कबूल कर मुसलमान बन जाता है.

दावत ठुकराने के जुल्म में एक युवक का सिर तलवार से धड़ से अलग कर दिया जाता है. जमीन पर गिरे छटपटाते सिर और युवक के शरीर को कलेजे से युवती सीने से लगा लेती है, और विलाप करने लगती है जैसे वह उसका अपना कोई अभिन्न हो. इतना ही नहीं युवती उसका वरण भी कर लेती है.

कुछ दिन बीतने के बाद जब हिंदू से मुसलमान बना युवक युवती से विवाह का प्रस्ताव रखता है, तो युवती न केवल उसके प्रस्ताव को ठुकरा देती है बल्कि उसे धिक्कारती भी है. तुम जब अपने धर्म की रक्षा नहीं कर सकते तो मेरे स्वामी कैसे हो सकते हो.

युवक जिससे वह पहले कभी प्रेम करती थी, जिसके लिए कुछ सपना देखा था, उसे पति बनाने से इंकार कर देती है. बजाय इसके वह उस स्वाभिमानी युवक जो अब जीवित नहीं है, उसकी मन ही मन मूर्ति बना पूजने लगती है. स्वधर्म के रक्षार्थ प्राण गवने वाले युवक की बहादुरी और बलिदान की वह आजीवन दास होकर रह जाती है.

इस्लाम की कट्टरता और हिंदू नारी की धर्म परायणता का ऐसा अनोखा दृष्टांत और उसका मार्मिक वर्णन, जैसा प्रेमचंद ने किया है, अन्यत्र किसी के साहित्य में नहीं मिलता. अब सवाल है कि क्या हम इस आधार पर प्रेमचंद को सांप्रदायिक कहेंगे?

व्यंग्य ›› बर्बरीक

खिलाड़ी तो हैं हम भी

खेलों की खुशबू फिज़ाओं में है. पदकों की उम्मीदों से माहौल गनगना रहा है. इक्के दुक्के झोली में आ भी रहे हैं. हमारे छोटे छोटे शहरों जैसे देश पदक पर पदक झोली में डाले जा रहे हैं लेकिन हम तो उस देश के वासी हैं जो मानते हैं कि पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब. सो हम सीरियसली नहीं लेते हैं खेलो को. तभी तो हम सारे खेल संघों में नेता, नेतापुत्र, नौकरशाहों को भर देते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि खेल संघों में कोई खिलाड़ी न घुसने पाए.

नियम की तरह स्कूलों में भी गेम पीरियड रखते हैं जिसमें विद्यार्थी तफरीह के लिए मैदान तक आते हैं. कुछ संस्थान भी हैं जो गलत वजहों से ही चर्चा में बने रहते हैं - कभी बजट की कमी, कभी खाने की क्वालिटी, कभी तरह तरह के शोषण. जब भी ओलंपिक आते हैं तो बड़ी बड़ी उम्मीदें पालने लगते हैं कि हर खेल में सोना ही ले आएंगे. जाहिर है कि एकाध खिलाड़ी अपने निजी पैसे, मेहनत या कोशिश के दम पर कामयाब हो भी जाते हैं लेकिन देश के साइज के हिसाब से बहुत कम ही होता है.

आखिर हम किन खेलों में हम माहिर हैं कभी गौर करें. हम माहिर हैं भ्रष्टाचार में. आम आदमी से लेकर, अदना पुलिस वाला, सरकारी कर्मचारी से लेकर नौकरशाह और अंत में तो हमारे नेता है ही, सब इस खेल के माहिर खिलाड़ी हैं. नेतापुत्र जिसने शायद कभी क्रिकेट का बल्ला भी नहीं पकड़ा वह सर्वोच्च संस्था का मालिक बना दिया जाता है. पहलवानी के नाम पर जिसने सिर्फ राजनीतिक उठापटक की है वह कुश्ती संघ का अधिकारी बन जाता है. बरास्ता खेल संघ रास्ता राजनीति तक भी जाना है. मोहल्ले में फुटबॉल खिलाते खिलाते आदमी वार्ड पार्षद का चुनाव लड़ जाता है. खेल संघ के अधिकारी के रूप में खेल के सामानों की खरीद में बड़े बड़े घोटाले कर डालता है. भ्रष्टाचार का कोई ओलंपिक होता तो हम हमेशा सोना जीतते. दूसरा खेल है टांग अडाने या टांग खिंचाई का खेल. इस खेल के माहिर खिलाड़ी सरकारी दफ्तरों और राजनीति में पाए जाते हैं. किसी काम में टांग अड़ा कर कैसे नहीं होने देना है इसमें सरकारी बाबू का कोई जोड़ नहीं है. टांग खिंचाई का खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन राजनीति में होता है. संसद भवन में आज दिन हम ये खेल देखते रहते हैं. कभी किसी की जात पूछी जाती है तो कभी किसी को तरह तरह का नाम देकर निबटा दिया जाता है. जिस विधेयक से आमजन का भला होता हो उसे टांग खिंचाई की बलि चढ़ा देना यह सबसे पसंदीदा खेल है. लेकिन हाय! कोई ओलंपिक नहीं होता इसका भी.

एक और खेल जिसमें हम माहिर हो गए हैं वह है आंकड़ों के हेरफेर का. इसके जरिए हम खुद को तीसरी अर्थव्यवस्था साबित कर सकते हैं या विश्व गुरु घोषित कर सकते हैं. लेकिन दुखद है कि इसका भी ओलंपिक नहीं होता है. ऐसे और भी बहुत सारे खेल हैं जिसमें हम माहिर हैं. थोड़ा सोचें तो बहुत सारे खेल आप भी ईजाद कर सकते हैं फिलहाल इतनी ही प्रार्थना करें कि हमारे कुछ खिलाड़ी कुछ पदक जीतकर देश की इज़्ज़त बचा लें.

मानवीय सम्वेदना की चित्रात्मक प्रस्तुति

समीक्षा

रतन वर्मा

टी. पी. पोद्दार को मैं कोई 1981 -82 से जानता हूं. प्रारम्भ के दिनों में तो भारत यायावर और कवि प्राणेश कुमार के माध्यम से और बाद में अपने भी सगे मित्र की तरह. वैसे तो वे बैंक के कर्मचारी थे, लेकिन फुरसत के क्षणों में जब कभी भी उनके एक छोटे से किराये के कमरे में उनसे भेंट होती, तब वे कैनवास पर कूंची घिसते हुए मिलते. मसलन वे एक अच्छे चित्रकार भी थे. फिर पत्र -पत्रिकाओं के माध्यम से जाना कि वे कवि और लघु-कथाकार भी हैं. आगे चलकर वे नुक्कड़ नाटकों में भी अभिनय करते दिखने लगे. फिर जैसे-जैसे उनके और क़रीब आता गया, उनका घनघोर वामपंथी चेहरा भी स्पष्ट होने लगा. यानी व्यक्ति एक और किरदार अनेक.

अब वे सेवानिवृत होकर तथा पुत्र-पुत्री, दोनों की शादियों से भी निवृत होकर अपने निजी घर के बगीचे में सुबह के समय किरौनी करते, पानी पटाते, और बाकी के समय में कैनवास पर कूंची चलाते या कागज़ पर कलम साधे अपना समय व्यतीत कर रहे होते हैं. और इन सारे कार्यों में किसी न किसी रूप में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मुक्ति दत्ता का योगदान भी उनके साथ बना ही रहता है.

अभी कोई पन्द्रह दिन पहले कवि - कथाकार सुबोध सिंह शिवगीत के साथ उनके निवास पर जाने का अवसर मिला, तो उन्होंने अत्यंत ही प्रसन्न भाव से अपना ताज़ा-ताज़ा प्रकाशित कथा- संग्रह थमा दिया. शीर्षक है- "अब कोई लेकिन नहीं".

हम दोनों अचंभित. उनके कथाकार रूप से तो हम परिचित ही नहीं थे. यानी उनके अन्य किरदारों में एक और किरदार का इज़ाफ़ा. उनका आग्रह, "अपनी प्रतिक्रिया देंगे, रतन जी."

खैर, तो घर आकर संग्रह की पहली कहानी पढ़नी शुरू की. शीर्षक – "और आबदा चली गयी". यह बंगाल के एक ऐसे मुहल्ले की पृष्ठभूमि पर, दशकों पूर्व के गांव-मुहल्लों की संस्कृति पर आधारित कहानी है, जब आत्मीयता और सम्वेदना समाज की एक कड़ी हुआ करती थी और जिसमें गांव के क्या निर्धन, क्या धनवान, क्या छोटी जाति और क्या सवर्ण या मुस्लिम सभी किसी न किसी रूप में आपस में जुड़े होते थे. थोड़ी छुआ-छूत का भेद -भाव होता था, मगर यदि किसी की जान पर बन आये तो उस भेद-भाव को नजरअंदाज भी कर दिया जाता था. उदाहरण स्वरूप इस कहानी में एक प्रसंग है कि दादी, जो मुस्लिम से ख़ुद को छुलाना भी धर्म नाश की श्रेणी में रखती हैं, उनके पास ही आबिदा बैठी होती है. अचानक दादी को जोरों की खांसी उठती है. खांसी ऐसी, जैसे जान ही लेकर छोड़ेगी. आबिदा को पता है कि अगर दादी की पीठ पर थपथपाहट दी जाय, तो खांसी रुक सकती है, पर वह दादी के धर्म को नष्ट कर पाने का साहस नहीं जुटा पाती. अंततः दादी ही ऊंचे स्वर में उससे कहती है कि मर जाऊंगी, तब पीठ पर थपकी देगी? उस डांट को उनकी सहमति समझने के बाद ही वह पीठ थपथपाती है और दादी सामान्य हो पाती है.

इस प्रसंग के माध्यम से लेखक यह समझाना चाहता है कि जाति या धर्म आधारित भेद -भाव मानव समाज का वह अभिशाप है, जो दूरियां तो बढ़ा सकता है, मगर इंसान - इंसान को करीब लाकर एक दूसरे का सहयोगी नहीं बना सकता, जबतक कि आपस में निजी स्वार्थ निहित न हो.

आबिदा एक चुड़िहारिन है, जो चूड़ियों से भरी टोकड़ी सर पर उठाये फेरी लगाकर अपने और आस पास के गांव में बेचती है. उसका और उसके पूरे परिवार का अपने और आस पास के गांवों के परिवार से, बल्कि उस व्यक्ति से भी जो अनाथ है, भावनात्मक और पारिवारिक रिश्ता सा जुड़ा होता है. वह दिन भर मेहनत करती है, फिर भी उसका परिवार अभावग्रस्त ही होता है. अकरम को यह अभाव हमेशा सालता रहता है. इसलिये वह जुर्म की दुनिया का रास्ता अख्तियार कर लेता है. आबिदा को जब इस सच्चाई का पता चलता है, तब उसे धक्का सा लगता है. उसे लगता है कि गांव वालों को जब अकरम की सच्चाई का पता चलेगा, उसकी सारी मान-प्रतिष्ठा, जिसे उसने पूरे जीवन को खपा कर अर्जित की है, वह धूमिल हो जाएगी. इसलिये वह रातोंरात सपरिवार गांव से पलायन कर जाती है.

'रिशु काना' शीर्षक कहानी का रिशु काना एक अनजान से मुहल्ले में भटकता हुआ आकर अचेत जमीन पर पड़ा होता है. जोगू मोदक, जो एक चाय की दुकान चलाता है, सुबह-सुबह दुकान खोलने के साथ ही उसकी नज़र अचेत पड़े रिशु काना पर पड़ती है. धीरे-धीरे मुहल्ले के लोग भी वहां जुट जाते हैं. जब उन्हें पता चलता है कि

कथा-संग्रह : अब कोई लेकिन नहीं..
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन
मूल्य : 200 रु. (पेपर बैक)

वह अजनबी ज़िन्दा है और आंखों से अंधा भी, तो सभी की सम्वेदना उसके प्रति जाग उठती है और सभी अपने-अपने स्तर से उसकी सहायता करने लगते हैं. पास में ही एक खंडहरनुमा मंदिर होता है, उसी में उसका आशियाना बसा देते हैं. धीरे-धीरे रिशु काना से उस मुहल्ले और आस पास के मुहल्लों के लोगों का ऐसा जुड़ाव हो जाता है कि सभी के मन में उसके प्रति सगेपन का अहसास घर कर लेता है. उससे जुड़े लोगों को अगर एक दिन भी रिशु काना नज़र नहीं आता, तो सभी आशंकित हो उठते हैं कि आखिर वह गया कहां? और एक दिन सचमुच रिशु काना अचानक से ग़ायब हो जाता है. मुहल्ले के लोग परेशान. फिर उसकी लाश कुंए से मिलती है. तब पूरा मुहल्ला सकते में आ जाता है. सभी मिलकर उसका अंतिम संस्कार ऐसे करते हैं, जैसे वह कोई गैर नहीं, बल्कि सभी का सगा ही हो.

पूर्व में रिशु काना किसी गांव में सपरिवार एक संयुक्त परिवार का हिस्सा हुआ करता था. वह किसी विद्यालय में शिक्षक की नौकरी करता था. एक दिन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ वह कार से कहीं भ्रमण पर होता है, तभी कार दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है, जिसमें उसकी पत्नी और बच्चों का दुर्घटना-स्थल पर ही निधन हो जाता है, और स्वयं रिशु काना की आंखें चली जाती हैं. सम्पत्ति के लालच में उसकी इस असहाय हालत का लाभ उठाकर उसका भाई उसे किसी अनजान ज़गह पर अकेला छोड़ आता है और समाज के लोगों के बीच यह सिद्ध कर देता है कि उस दुर्घटना में उसका भाई भी नहीं रहा. यहां तक कि वह रिशु काना का श्राद्ध भी करवा देता है.

अपने परिवार के द्वारा जीते जी मृत किये जा चुके रिशु काना को एक अनजान मुहल्ले में शरण मिलती है, जहां गैरों के बीच भी अपनापन का पूरा संसार उसके स्वागत में खड़ा मिलता है.

इस कहानी के माध्यम से कथाकार यह बताना चाहता है कि जहां स्वार्थ की भावना हो, वहां सगे भी पराये से बदतर हो जाते हैं और जहां निःस्वार्थ सम्बन्ध हो, वहां गैर भी अपनों से बढ़कर सिद्ध होते हैं. कई बार कुछ कहानियां ऐसी भी होती हैं, जिनके कथ्य तो परिचित होते हैं, पर लेखक उस कहानी को भाषा, शैली और शिल्प से अलंकृत कर इस ढंग से प्रस्तुत कर पाने में सफल सिद्ध होता है कि पाठकों को उस पुराने कथ्य में भी नवीनता का सा आस्वाद महसूस होने लगता है. उदाहरण स्वरूप इसी संग्रह की शीर्षक कथा है— "अब कोई लेकिन नहीं..."

इस कहानी के कथ्य में कोई नवीनता नहीं. इस कथ्य पर पूर्व में भी अनेक कहानियां आ चुकी हैं. लेकिन कथाकार ने अपनी लेखकीय प्रतिभा का परिचय देते हुए इस कथानक को इस तरह सम्प्रेषणीय बना दिया है कि कहानी पाठकों के भीतर प्रवेश कर अपनी स्वीकार्यता क़बूल करवा ही लेती है. इस कहानी का कथ्य यह है कि एक स्त्री मातृत्व-सुख से वंचित है और पारिवारिक तथा ख़ुद के मानसिक स्तर पर इस अभाव से पीड़ित भी. अंततः सन्तान- सुख की लालसा में वह अपने पति की दूसरी शादी करवा देती है. उसके पति को दूसरी पत्नी से सन्तान की प्राप्ति भी हो जाती है. उसके बाद प्रारम्भ होता है, दोनों पत्नियों के बीच सौत के रिश्ते का संघर्ष, जिसमें पहली पत्नी हर तरह से पिसती हुई अंततः त्याग की प्रतिमूर्ति बन दोनों के बीच से ख़ुद को हमेशा के लिये अलग कर लेती है.

यानी, कथानक में कोई नयापन नहीं. लेकिन लेखक ने जो दोनों पत्नियों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है, वह इस कहानी को नयेपन के साथ पाठकों में सम्प्रेषित कर अपनी विशिष्ट पहचान बना पाने में पूरी तरह सफल होती है.

उक्त कहानियों के अतिरिक्त संग्रह में अपेक्षा-उपेक्षा, उसने भरोसे की लाज रख ली, अहसास, पूर्वाग्रह, इतनी सी चाहत और नियति शीर्षक कहानियां भी शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक कहानी अलग अलग उदाहरण बनकर मानवीय संवेदना, सामाजिक ताना-बाना कैसा हो, बाल मनोविज्ञान और रिश्तों के गणित को स्थापित कर पाने की कोशिश में पूर्णतः सफल होती प्रतीत होती हैं.

कविता/ग़ज़ल

शिरोमणि राम महतो

मधु सावन में

अद्भुत अनूठा अनुपम रूप,
सजा-धजा आई सावन में.
लहराती श्यामल-लट-घटा,
चमके चितवन मध्य अंजन में.
अधरों से छलके यौवन मधु
छम-छम-छन छन बाजे नूपुर
अंग-सुरभि महके पवन में
उर से छेड़े राग सुर मधुर.
मचल रहा मेरा तृषित मन,
देख झड़ी का अनूठा रूप.
सरस कर हृदय से राग-रस,
बरस रहा अधरों से टप-टप.
समेट झड़ी को आलिंगन कर,
झूमू प्रणय के मधु स्वप्न में.
तरसे जलचर-सा मेरा मन,
मधुर मिलन को मधु-सावन में.
जो झड़ी को रमणी कहता,
वह तो कोई कवि ही होगा.
लिपट झड़ो से-प्रणय करता,
सौ जनम का वियोगी होगा!
रम गया जो इस रमणी से,
बूझ जाती हर तृष्णा उर की.
पलता ललित प्रकृति-क्रोड़ में,
बनकर कोई "सुकुमार कवि"!

रेनु त्रिवेदी मिश्रा

नेक है किरदार सावन का

फ़ज़ा को भा गया कुछ इस क़दर किरदार सावन का
किया बारिश ने आगे बढ़ के फिर सिंगार सावन का.
तेरे चेहरे ने थोड़ी ताज़गी थोड़ी ज़िया लेकर
बढ़ाया है बहुत इस दश्त में मेयार सावन का.
कहीं कोयल की कूकें हैं, कहीं फूलों की ख़ुश्बू है
सलीके से सजा है चार सू बाज़ार सावन का.
तबस्सुम को सजा देता है वो हर इक के होंठों पर
ख़ुदा ही जाने कितना नेक है किरदार सावन का.
पहाड़ों और सावन का न जाने कैसा रिश्ता है
हमेशा देखते हैं रास्ता कोहसार सावन का.
रूख़े-'रेनू' छुआ बारिश ने तब दिल से दुआ निकली
रखे महफ़ूज़ रब हर एक दिन घर बार सावन का.

नंदा पाण्डेय

दु:ख

हर दुख को नहीं मिलता है
अंतिम यात्रा का सुखद संयोग
आत्मा का अनुराग, आकंठ प्रेम
आंखों का पानी, कांधे का सहारा
प्रेम की तपिश, सच्चा समर्पण
स्नेहभरा स्पर्श, मनचाहा एकांत
रूह की पुकार उम्मीदों के सपने
मजबूत सीने से फूटती,
अंजुरी भर निर्मल पानी
दुरूह प्रश्नों का उत्तर
दु:ख साधने की कला.
आसान नहीं दुखों की यात्राओं का विवरण
दु:ख कतरा-कतरा पिघलता है
अपनी अंतहीन यात्रा में...!

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

तीन रंग चूड़ियां

बहुत सताती हैं चूड़ियां
खनक -खनक कर
गाती रहती हैं विरह के गीत.
हवाओं चुप रहना,
कहीं सुन न ले ये दर्द,
मेरा मनमीत.
साजन देश की सेवा में जुटे हैं,
बर्फीली चोटियों पर
हिम्मत से डटे हैं.
ध्यान लगा रहता है
धड़कने डराती हैं
ऊपर से ये निगोड़ी
रंग चमकाकर
जुदाई का अहसास करातीं हैं.
मुझे नहीं बनना है
चूड़ियों जैसा कमजोर,
हृदय को नहीं बनाना कांच,
जब गौरवान्वित करती हो
गोलियों की धमक
आंखें अपनी हद पर
छू रहीं हों भारत माता की आंखों की चमक,
तो निस्तेज है इन चूड़ियों का चमकना.
मुझे भीतर गिरिराज सजाना है,
जवानों का हौसला बढ़ाना है
मैनें पहन ली हैं
तीन रंगों की फौलादी चूड़ियां,
बिना खनक के ही
शौर्य की पहचान,
चमकती रहे तिरंगे की शान,
मैं हिन्दुस्तानी, मुझे प्यारा हिंदुस्तान.

सारिका भूषण

ताकि इंतजार रहे सावन का

तुम हो
तो मन सावन है
तुम्हारे आने की आहट है
तो तन में धड़कन है
और
तुम्हारा आना जैसे
खिली धूप में अचानक
बारिश की बूंदों का झर जाना
आकाश के अकेलापन को
इंद्रधनुष का साथ मिल जाना
सुनो न!
तुम आते रहना
यदि संभव नहीं
तो बताते रहना
कि इस सावन मैं आऊंगा
ताकि हर मौसम में
मुझे इंतज़ार रहे
सावन का!!

रश्मि सिंह

बचपन के दिन

कश्तियां तैराते,
छींटे उड़ाते,
वो बचपन के दिन,
जो फिर लौट आते.
बारिशों को,ख्वाहिशों को,
वैसी ही बेफिक्री से,
हम फिर से जी पाते.
फिर कागज की छोटी सी,
कश्ती बनाते, उसे सजाते,
कुछ दिल के अरमां,
लाद कर उसमें,
तलैया में तैराते.
बहती धारा संग बहती,
जाने कहां तक जाती,
वो छोटी सी कश्ती,
घूम घाम कर,
लौट भी आती.
संग लाती अपने,
खुशियां ही खुशियां.
लौट आता बचपन,
मस्तमौला जीवन.
मां का वो आंचल,
पापा का संबल.
फिर इठलाते,
कभी रूठ जाते.
भूले से लगते,
वो लम्हे सारे,
बहते गये हम,
जहां तक बहाई,
जिंदगी की उफानें.
अब लौटने को,
दिल है मचलता,
नन्हा सा बच्चा,
मन में है बसता,
जो छींटे उड़ाता,
कश्तियां तैराता!

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

'लक्ष्य' पदक जीतना है : सेन को एक्सेलसन के खिलाफ करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ओलंपिक सेमीफाइनल

पहली बार ओलंपिक में खेल रहे हैं लक्ष्य सेन कॉमनवेल्थ गेम्स में जीत चुके हैं गोल्ड

भाषा। पेरिस

भारतीय बैडमिंटन की सनसनी लक्ष्य सेन रविवार को जब यहां पेरिस ओलंपिक खेलों के पुरुष एकल सेमीफाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन से भिड़ेंगे, तो उन्हें अपने पहले स्वर्ण पदक की उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा. पहली बार ओलंपिक में खेल रहे सेन ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मैच में चीनी ताइपे के चाउ टीएन चेन को 19-21, 21-15, 21-12 से हराकर भारतीय बैडमिंटन में नया इतिहास रचा. वह ओलंपिक खेलों के व्यक्तिगत पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं. लेकिन अब उनका सामना उस एक्सेलसन से है, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को कोई मौका नहीं दिया है.

डेनमार्क के ओडेंस के रहने वाले इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था. वह 2017 और 2022 में विश्व चैंपियन रहे. उनके नाम पर 2016 में थॉमस कप की जीत शामिल है. इसके अलावा उन्होंने कई बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर और सुपर सीरीज खिताब जीते हैं. यही नहीं वह

दिसंबर 2021 से जून 2024 तक विश्व के नंबर एक खिलाड़ी भी रहे. विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता सेन को डेनमार्क के खिलाड़ी से अभी तक सात बार हार का सामना करना पड़ा है. उन्होंने एक्सेलसन को केवल एक बार 2022 में जर्मन ओपन में हराया था. भारत के 22 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि अपने से अधिक रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है. पेरिस ओलंपिक खेलों में ही उन्होंने ग्रुप चरण में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी और क्वार्टर फाइनल में विश्व के 11वें नंबर के खिलाड़ी चाउ को हरा कर अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया. एक्सेलसन ने इस सत्र में केवल एक खिताब मलेशिया मास्टर्स के रूप में जीता है. जून के शुरू में सिंगापुर ओपन के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें इंडोनेशिया ओपन से हटना पड़ा था. दूसरी तरफ सेन अभी अपने करियर में सबसे फिट नजर आ रहे हैं. उनका रक्षण शानदार है क्योंकि उन्होंने कोर्ट को अच्छी तरह से कवर किया है. एक्सेलसन को प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में बाई मिली थी. क्वार्टर फाइनल में उन्होंने सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को हराया.

डेनमार्क का यह खिलाड़ी अपने तीखे स्मैश के लिए जाना जाता है और सेन को धैर्य से उनका सामना करना होगा. सेन के पास ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का यह बेहतरीन मौका है. अगर वह एक्सेलसन से पार पाने में नाकाम रहते हैं तो उन्हें फिर कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करनी होगी.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	13	9	9	31
2. ऑस्ट्रेलिया	12	7	5	24
3. फ्रांस	11	13	14	38
4. ब्रिटेन	10	10	11	31
5. अमेरिका	9	19	18	46
6. द. कोरिया	9	6	6	17
7. जापान	8	4	8	20
8. इटली	6	8	4	18
9. नीदरलैंड	5	4	4	13
10. जर्मनी	4	3	2	9
49. भारत	0	0	3	3

पेरिस ओलंपिक में आज भारत

- **निशानेबाजी :** 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष क्वालीफिकेशन पहला चरण : विजयवीर सिद्धू और अनीश : 12:30 से
- **हॉकी :** भारत बनाम ब्रिटेन पुरुष हॉकी क्वार्टर फाइनल : दोपहर 1:30 से
- **एथलेटिक्स :** महिला 3000 मीटर स्टीपलचेस पहला दौर : पारूल चौधरी : 1:35 से, पुरुष लंबी कूद क्वालीफिकेशन : जेस्विन एल्ड्रिन : 2:30 से
- **मुक्केबाजी :** महिला 75 किलो क्वार्टर फाइनल : लवलीना बोरगोहेन बनाम चीन की ली कियान : दोपहर 3:02 से
- **बैडमिंटन :** पुरुष एकल सेमीफाइनल : लक्ष्य सेन बनाम विक्टर एक्सेलेसन (डेनमार्क) दोपहर 3:30 से
- **पाल नौकायन :** पुरुष डिंगी रेस सात और आठ : विष्णु सरवनन, दोपहर 3:35 से महिला डिंगी रेस सात और आठ : नेत्रा कुमानन, शाम 6:05 से.

कांस्य पदक जीतने के बाद इगा स्वियातेक टोरंटो टूर्नामेंट से हटीं

टोरंटो। विश्व में नंबर एक महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में टोरंटो में खेले जाने वाले टेनिस टूर्नामेंट से हट गईं. स्वियातेक पहली खिलाड़ी नहीं है, जिन्होंने नेशनल बैंक ओपन टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया. उनसे पहले ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेजिसिकोवा, एलेना रयबाकिना और मार्केटा वोंद्रोसोवा तथा जैस्मिन पाओलिनी, मारिया सकारी, डेनिएल कोलिन्स और कैरोलिन गार्सिया ने भी इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था.

पेरिस ओलंपिक : 25 मीटर महिला स्पोर्ट्स पिस्टल निशानेबाजी में चौथे स्थान पर रहीं

मनु भाकर पदकों की हैट्रिक से चूकीं

भाषा। शेटराउ (फ्रांस)

ओलंपिक में पदकों की हैट्रिक लगाने का मनु भाकर का सपना शनिवार को यहां 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में कांस्य पदक के लिए हंगरी की खिलाड़ी से शूट ऑफ में पिछड़ने के बाद पूरा नहीं हो सका. आठ निशानेबाजों के करीबी फाइनल में मनु ने अपना सब कुछ झोंक दिया और कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान पर भी रही लेकिन अपनी निरंतरता बरकरार नहीं रख सकीं. इस 22 साल की खिलाड़ी ने हालांकि महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर दो कांस्य पदक जीत कर पहले ही इतिहास रच दिया है. वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय है. मनु पांच-पांच निशाने के 10 सीरीज के फाइनल में शुरुआती आठ सीरीज के बाद 28 अंक के साथ हंगरी की वेरोनिका मेजर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर थी. इसके बाद शूट ऑफ में मनु पांच में से तीन निशाना ही लगा सकी, जबकि मेजर ने चार सटीक निशाने के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया. मनु की शानदार लय को देखते हुए, उनके पदकों की हैट्रिक लगाने की उम्मीदें बहुत अधिक थीं. फाइनल की शुरुआत में छठे स्थान पर खिसकने के बाद भी वह वापसी करने में सफल रही. मनु की शुरुआत बेहद खराब रही वह शुरुआती सीरीज में पांच में से तीन निशाना चूक गयी. इसके बाद दो सीरीज में चार-चार निशाने के साथ उन्होंने वापसी की.

चौथा सीरीज से एलिमिनेशन चरण शुरू हुआ. मनु सातवें चरण (एलिमिनेशन का चौथा चरण) में कुछ समय के लिए तालिका में शीर्ष पर पहुंची. दक्षिण कोरिया की जिन यांग ने तुरंत आठवें दौर में शीर्ष स्थान पर वापसी की जबकि दूसरे स्थान पर काबिज मनु पांच में से तीन निशाना लगाने के बाद वेरोनिका के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गयी. वह शूटऑफ में अपनी लय जारी नहीं रख सकी और करीबी अंतर से कांस्य पदक से चूक कर जयदीप करमाकर (पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन, 2012 लंदन), अभिनव बिंद्रा (पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल, 2016 रियो) और अर्जुन बबूता (10 मीटर एयर राइफल, 2024 पेरिस ओलंपिक) जैसे निशानेबाजों की सूची में शामिल हो गयी. इस स्पर्धा का स्वर्ण यांग और रजत फ्रांस की जेद्रजेजेव्स्की केमिली ने जीता.

भावुक दिखीं मनु, कहा- नर्वस थी

मनु भाकर के चेहरे पर निराशा साफ दिख रही थी, क्योंकि वह इतिहास रचने का मौका चूक गईं. उन्होंने कहा, मैं फाइनल में बहुत नर्वस थी. हमेशा अगली बार होता है और मैं पहले से ही उसका इंतजार कर रही हूं लेकिन मैंने अपनी पूरी कोशिश की. मैंने शांत रहने की कोशिश की और अपना बेस्ट देने का प्रयास किया, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था. चौथा स्थान अच्छी स्थिति नहीं है.

जुडोका मोहम्मद डोपिंग जांच में पॉजिटिव

पेरिस। अफगानिस्तान के जूडोका मोहम्मद शमीम फैजाद को पेरिस ओलंपिक में डोपिंग जांच में 'एनाबॉलिक स्टेरॉयड' के इस्तेमाल का दोषी पाया गया है. यह इन खेलों में डोपिंग का तीसरा मामला है. आईटीए ने शनिवार को बताया कि फैजाद ने अपने शुरुआती मुकाबले के बाद नमूना दिया था, जिसकी जांच में 'स्टैनोजोलोल' की पुष्टि हुई. फैजाद को हालांकि 81 किग्रा के मुकाबले में मंगलवार को ऑस्ट्रिया के वाचिद बोरचशविली से हार का सामना करना पड़ा था.

अनंतजीत सिंह नरुका 24वें स्थान पर रहे

पेरिस। भारतीय निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरूका शनिवार को यहां क्वालीफिकेशन के दूसरे दिन भी निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष स्कीट स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे. शनिवार को पांच सीरीज के क्वालीफिकेशन की अंतिम दो सीरीज हुई. अनंतजीत 25-25 शॉट की पांच सीरीज में 23, 22, 23, 24, 24 अंक से कुल 116 अंक जुटाकर 30 निशानेबाजों में 24वें स्थान पर रहे.

सिनियाकोवा और मचाक ने मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता

- ओलंपिक टेनिस

पेरिस। चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और टॉमस मचाक ने शुक्रवार रात को यहां टाईब्रेकर तक खिंचे मैच में जीत दर्ज करके पेरिस ओलंपिक की टेनिस प्रतियोगिता का मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीता. सिनियाकोवा और मचाक ने फाइनल में चीन के वांग जिन्यू और झांग झिझेन को 6-2, 5-7, 10-8 से हराया. ओलंपिक युगल में मानक तीसरे सेट के बजाय टाईब्रेकर का उपयोग किया जाता है. इनमें से कम से कम दो अंक का अंतर रखकर पहले 10 अंक बनने वाली टीम विजेता बनती है. सिनियाकोवा का ओलंपिक में यह दूसरा स्वर्ण पदक है. उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक खेलों में बारबोरा क्रेजिसिकोवा के साथ मिलकर महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता था.

दीपिका क्वार्टर फाइनल में और भजन कौर प्री क्वार्टर में हारीं

- ओलंपिक तीरंदाजी में पदक का 36 साल का भारत इंतजार जारी

भाषा। पेरिस

भारत की अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी को शनिवार को यहां दो बार बढ़त बनाने के बावजूद पेरिस खेलों की तीरंदाजी की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की नैम सुहियोन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जबकि युवा भजन कौर भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार गईं जिससे ओलंपिक में तीरंदाजी पदक का भारत का 36 साल का इंतजार जारी रहा. भारत की 23वीं वरीय दीपिका ने अंतिम आठ के मुकाबले में मौजूदा खेलों की महिला टीम स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता और दूसरी वरीय सुहियोन के खिलाफ 4-2 की बढ़त बना रखी थी, लेकिन अंततः 4-6 (28-26, 25-28, 29-28, 27-29, 27-29) से हार गई जिससे तीरंदाजी में एक बार फिर भारत का अभियान पदक के बिना ही खत्म हो गया. सुहियोन को दीपिका को हराने के लिए अंतिम दो सेट जीतने थे और कोरिया की तीरंदाज ने बेहद दबाव के बीच चार बार 10 और दो बार नौ अंक के साथ दोनों सेट और मुकाबला अपने नाम किया. दीपिका ने इससे पहले प्री क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की सातवीं वरीय मिशेल क्रोपेन को 6-4 (27-24, 27-27, 26-25, 27-27) से शिकस्त दी. भजन को हालांकि प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की डायनंदा चोइरुनिसा के खिलाफ शूट ऑफ में 8-9 से हार का सामना करना पड़ा. पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबर था. इंडोनेशिया की खिलाड़ी ने शूट ऑफ में नौ अंक जुटाए जबकि भजन आठ अंक पर ही निशाना साध सकी और चोइरुनिसा ने मुकाबला 6-5 से जीत लिया. क्वार्टर फाइनल में दीपिका ने पहला सेट 28-26 से आसानी से जीता. सुहियोन ने 10 अंक के साथ शुरुआत की लेकिन फिर दो निशाने आठ अंक पर लगाए. दीपिका ने दो नौ और एक 10 अंक के साथ सेट जीता. दीपिका ने दूसरा सेट 25-28 से गंवाया. सुहियोन ने वापसी करते हुए दो बार नौ और एक 10 अंक जुटाया.

एलजीबीटीक्यू-प्लस और महिला एथलीटों को लेकर चिंता बढ़ी

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में महिला मुक्केबाज इमान खेलीफ को ट्रांसजेंडर या पुरुष के रूप में गलत पहचान बताने वाली घृणित टिप्पणियों को लेकर एलजीबीटीक्यू - प्लस एथलीटों, अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है. कहा गया कि इस तरह की मानसिकता इस समुदाय और महिला खिलाड़ियों के लिए खतरा पैदा कर सकती है. एलजीबीटीक्यू - प्लस लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर, इंटरसेक्स और एसेक्सुअ' और अन्य लोगों से संबंधित है. इस मुद्दे पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लेकर हैरी पॉटर की लेखिका जेके. रॉलिंग जैसे लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है.

अल्जीरिया की खेलीफ पेरिस ओलंपिक के मुक्केबाजी स्पर्धा में गुरुवार को इटली की प्रतिद्वंद्वी एंजेला कारिनी के मुकाबले के महज 46 सेकेंड बाद हटने से पहले दौर का मुकाबला जीत गईं. कारिनी ने मुकाबला बीच में छोड़कर हटने के बाद कहा कि वह खेलीफ के खिलाफ कोई राजनीतिक भाव भांगिमा नहीं दिखा रही थीं. इस मुकाबले से हटने के बाद उनकी नम आंखें सोशल मीडिया पर वायरल हो गयीं और लोगों ने उनके प्रति सहानुभूति दिखायी. सोशल मीडिया टिप्पणियों में कहा गया कि खेलीफ एक महिला से मुक्केबाजी करने वाला पुरुष था.

इस तरह की टिप्पणियों के बाद खेलीफ और ताइवान की मुक्केबाज लिन यू-टिंग के महिला वर्ग में खेलने को लेकर सामाजिक विवाद बढ़ गया. अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के प्रवक्ता मार्क एडम्स ने शुक्रवार को कहा कि खेलीफ महिला के रूप में पैदा हुई थी, महिला के तौर पर पंजीकृत है, उसने अपना जीवन एक महिला के रूप में बिताया, एक महिला के रूप में मुक्केबाजी की और उसके पास एक महिला पासपोर्ट है. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, इसका इस्तेमाल किसी के प्रति नफरत फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए. विवाद के बीच अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने शनिवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाज इमाने खलीफ और लिन यू-टिंग के खिलाफ 'नफरत की भाषा' पूरी तरह से अस्वीकार्य है.

भारत के सामने सेमीफाइनल में जाने के लिए आज ब्रिटेन की चुनौती

भाषा। पेरिस

अपने अंतिम पूल मैच में तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के बाद आत्मविश्वास से भरपूर भारत रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ जीत की इस लय को कायम रखने की कोशिश करेगा. भारत ने पूल बी के अपने आखिरी मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराकर ओलंपिक में इस टीम के खिलाफ आधी सदी से अधिक (52 वर्षों) समय से चले आ रहे जीत के इंतजार को खत्म किया. भारत ने आस्ट्रेलिया को इससे पहले 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में हराया था. ऑस्ट्रेलिया पर जीत के साथ ही भारत भारत पूल बी में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के बाद दूसरे स्थान पर रहा, जबकि ग्रेट ब्रिटेन पूल ए में तीसरे स्थान पर था. भारतीय टीम पहले दो क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरी तरह से हावी दिखी और उसने लगातार आक्रामक खेल से मैच की गति को नियंत्रित किया.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण मनप्रीत सिंह तथा उप-कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व वाले मिडफील्ड और गुरजंत सिंह तथा सुखजीत सिंह अग्रिम पंक्ति के बीच शानदार समन्वय था. गुरजंत और सुखजीत ने अपने खेल से ऑस्ट्रेलिया की रक्षा पंक्ति को दबाव में रखा.

14 गेंदों पर एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं : रोहित शर्मा

एजेंसी। कोलंबो

शुक्रवार को हुए वनडे मैच में टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ 14 गेंदों पर एक रन की जरूरत थी, लेकिन शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह वानिंदु हसरंगा की लगातार गेंदों पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए. इससे श्रीलंका का भारत के साथ मैच टाई होना सुनिश्चित हो गया. भारतीय खेमे के लिए, जीत की आश्वस्त मुस्कुराहट मैच न जीतने के सदमे-भरे अहसास में बदल गई. मैच समाप्त होने के बाद, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि वह जीत नहीं पाने से निराश हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगे. उन्होंने कहा, 14 गेंदों पर एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं, लेकिन इसका ज्यादा असर नहीं पड़ेगा. शुरुआत में दंश था और फिर सीम खराब होने के कारण गेंद नरम हो गई. यह ऐसा मैच नहीं था जहां आप अपने शॉट्स खेल सकते थे, खुद को खेल में लगाना था और कड़ी मेहनत करनी थी. हमने जिस तरह से संघर्ष किया उस पर गर्व है, अपना हौसला बनाए रखना महत्वपूर्ण था.

श्रीलंका दौरा **पहला वनडे मैच रहा टाई, 231 रन का लक्ष्य नहीं पा सकी टीम इंडिया**

श्रीलंका के स्पिनरों और धीमी पिच से पार पाने का तरीका ढूंढना होगा भारत को

भाषा। कोलंबो

भारत को अगर श्रीलंका के खिलाफ दबदबा बनाए रखना है तो उसे रविवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में स्पिनरों और धीमी पिच से निपटने का तरीका ढूंढना होगा. भारत शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे मैच में 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक समय तीन विकेट पर 130 रन बनाकर अच्छी स्थिति दिख रहा था लेकिन इसके बाद श्रीलंका के स्पिनर हावी हो गए और भारतीय टीम 230 रन पर आउट हो गई जिससे यह मैच टाई रहा. रोहित शर्मा ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की लेकिन इसके बाद श्रीलंका के

स्पिनरों ने अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया. भारत ने उनका सामना करने के लिए विराट कोहली, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को उतारा जिन्हें स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ काफी सफलता मिली है. इन तीनों को किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन वे स्वच्छंद होकर बल्लेबाजी नहीं कर पाए. कोहली पर बाएं हाथ के स्पिनर डुनिथ वेलालेज और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने लगाम कसे रखी. पिच काफी धीमा खेल रही थी और ऐसे में स्पिनर का सामना करना आसान नहीं था. यहां तक के बाद में मुख्य रूप से बल्लेबाज श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका ने भी गेंदबाजी की और तीन महत्वपूर्ण विकेट लेकर मैच को टाई कराया. भारतीय बल्लेबाजों को साझेदारी निभाने की जरूरत थी लेकिन वह इसमें नाकाम रहे. दूसरी तरफ श्रीलंका के पाथुम निसांका और वेलालेज ने दूसरे छोर पर विकेटों की झड़ी के बावजूद अर्धशतक जमा कर दिखाया कि इस तरह के विकेट पर किस तरह से बल्लेबाजी करनी चाहिए. उन्होंने कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर का प्रभावी ढंग से सामना किया. शुभमन गिल सहित भारत के चार स्पिनरों ने 30 ओवर में 126 रन देकर चार विकेट लिए जबकि श्रीलंका की तरफ से स्पिन गेंदबाजों 37.5 ओवर किए और 167 रन देकर नौ विकेट लिए. भारतीय स्पिनरों को रन रोकने के साथ ही विकेट हासिल करने पर भी ध्यान देना होगा.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद. सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा.

श्रीलंका: चरित असलांका (कप्तान), पाथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालेज, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, अकिला धनंजय, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना , असिथा फर्नांडो.

मैच का समय : दोपहर 2.30 बजे से.

ब्रीफ खबरें

नरेश सहनी हत्याकांड का शूटर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र के चैलाहा टाल में एक युवक की हत्या में शामिल शूटर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इस संबंध में शनिवार को एएसपी शिखर चौधरी ने बताया है कि गिरफ्तार अपराधी बंजरिया थाना क्षेत्र का ही चैलाहां टाल निवासी अजय साह है, जिससे पुलिस पूछताछ की जा रही है. उल्लेखनीय है, कि बीते 22 जुलाई को चैलाहा टाल के मलाही टोला निवासी नरेश सहनी की गोली मारकर हत्या की गई थी. गिरफ्तार अपराधी के विरुद्ध तुरकौलिया थाने में पूर्व से हत्या का मामला दर्ज है.

कुख्यात बिट्टू सिंह के यहां हुई छापेमारी

पूर्णिया । पूर्णिया में पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी अनिकेत सिंह उर्फ बिट्टू सिंह के लॉज पर छापेमारी की है. सदर डीएसपी पुष्कर कुमार के नेतृत्व में यह ऑपरेशन चलाया जा रहा है. सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी हाल ही में हुए तनिष्क शोरूम लूटकांड से जुड़ी हो सकती है. उल्लेखनीय है कि बीते 26 जुलाई को पूर्णिया स्थित तनिष्क शोरूम से 3.70 करोड़ रुपये के आभूषण लूटे गए थे. इस मामले में पुलिस ने अब तक 6 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. जांच में खुलासा हुआ था कि इस लूट की योजना दो महीने पहले बेउर जेल में बनाई गई थी.

पुलिस ने 5148 लीटर विदेशी शराब जब्त की

किशनगंज । जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र से एसडीपीओ ठाकुरगंज मंगलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पौआखाली थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्रा ने दल बल के साथ विदेशी शराब की खेप को पकड़ा है. जानकारी के अनुसार सिलीगुड़ी से अररिया जा रही एक ट्रक में विदेशी शराब ले जाने की सूचना पुलिस को मिली थी, जिसके बाद पुलिस की कार्रवाई में विदेशी शराब बरामद की गई है. पौआखाली थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि मध निषेध इकाई पटना से गुप्त सूचना मिली की एक ट्रक में अवैध शराब की तस्करी कर बहादुरगंज की तरफ लाया जा रहा है.

बदमाशों ने एयरटेल कार्यालय में घुसकर मैनेजर को मारी गोली

14.50 लाख रुपये लूट कर फरार हुए तीन अपराधी डोभी से गिरफ्तार

संवाददाता । गया

घायल को अस्पताल में भर्ती कराते परिजन.

गया जिले में शेरघाटी अनुमंडल के नई बाजार में संचालित एयरटेल कंपनी के कार्यालय में दिनदहाड़े 14 .50 लाख रुपये की लूट का मामला सामने आया है. शेरघाटी के नया बाजार स्थित होटल वेलकम के नीचे एयरटेल कार्यालय में घुसकर बाइक सवार तीन अपराधियों ने एयरटेल कंपनी के स्थानीय मैनेजर को लूटपाट करते हुए गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार तीनों अपराधी हेलमेट पहने हुए अंदर आए और मैनेजर बिहू कुमार को गोली मारकर उससे लगभग 14.50 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए. घटना की जानकारी पुलिस को दी गई.

घायल मैनेजर को शेरघाटी अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया गया. जहां चिकित्सकों ने औपचारिक इलाज के बाद उसे गया के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है. जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत कार्रवाई करते हुए लूटपाट करने वाले तीनों अपराधियों को डोभी से गिरफ्तार कर लिया है. बताया गया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने अपराधियों का पीछा कर डोभी के पास अपराधियों को लूटी गई रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्टल भी बरामद किया है. घटना शनिवार को शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल के पास हुई है.

बताया जा रहा है कि तीन की संख्या में बाइक पर सवार अपराधियों ने लूट को अंजाम दिया है. हथियारबंद अपराधी एयरटेल के कार्यालय में ग्राहक बनकर प्रवेश किया. इसके बाद गन पॉइंट पर मैनेजर एवं कर्मचारियों को कवर कर लूट की वारदात को अंजाम दिया है. जब मैनेजर ने विरोध किया तो एक अपराधी ने उन्हें गोली मार दी. एयरटेल कंपनी से 14 लाख की हुई लूट और गोली चलने की घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. पुलिस की तत्परता से लूटी गई राशि के साथ अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफल रही है.

प्रशांत किशोर ने जनसभा में दिलाया भरोसा-दो साल के अंदर गरीबी दूर करेंगे

पटना । जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर शनिवार को मधेपुरा में पदयात्रा कर रहे हैं. पदयात्रा के दौरान तेज बारिश में भी हजारों लोग प्रशांत किशोर को सुनने-मिलने के लिए आ रहे हैं. इसी बीच एक आम सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं आपके इस प्यार का कर्ज कभी नहीं चुका पाऊंगा. आप जो आज बारिश में भीग रहे हैं, उसे विकास में बदलकर आने वाले दो बरस में आपकी गरीबी को समाप्त कर दिया जाएगा. आप प्रशांत किशोर पर भरोसा रखें. आपका आज बारिश में इस तरह से भीगना बेकार नहीं जाएगा. जन सुराज की सरकार बनने के बाद आप देखेंगे कि आपके बच्चे, जो रोजगार के लिए बाहर गए हैं, उन्हें वापस लाकर इसी बिहार में नौकरी दी जाएगी. मैं आपसे वोट नहीं मांगने आया हूं, बस यह समझाने आया हूं कि इस बार अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट कीजिएगा.

बदमाशों ने आईटी इंजीनियर को गोली मार कर दी हत्या

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

रोते-बिलखते परिजन

बदमाशों ने आईटी इंजीनियर को गोली मार दी. जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई. घटना जिले के कांटी थाना क्षेत्र के छपरा तरमा एनएच 28 के पास की है. घायल की पहचान 35 वर्षीय चंदन सिंह के रूप में की गई है, जो कथैया थाना क्षेत्र के निवासी थे. घटना शुक्रवार देर रात को हुई. जब वे अपनी बाइक से बैरिया स्थित घर लौट रहे थे. इसी दौरान में बदमाशों ने उन्हें घेर कर गोली मार दी और फरार हो गए.

सूचना मिलने पर कांटी थाना पुलिस पहुंची और घायल इंजीनियर को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. परिजनों ने बताया की चंदन हर माह में दो तीन दिन अपने बैरिया स्थित घर पर आया करते थे. आज भी वह घर लौट रहे थे. इसी दौरान बदमाशों ने उनको गोली मार दी. चंदन बीते दो साल से पूर्वी चंपारण जिले के तेतरिया प्रखंड कार्यालय में आईटी इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे. डीएसपी वेस्ट अभिषेक आनंद ने बताया कि पूर्वी चंपारण जिले में कार्यरत आईटी इंजीनियर को अज्ञात बदमाशों ने गोली मारी है. इलाज के दौरान में उनकी मौत हो गई. मौके पर से उनकी बाइक और लैपटॉप को बरामद किया गया है. हालांकि मोबाइल फोन गायब है. पुलिस इस मामले में टेक्निकल टीम और अन्य माध्यम से जांच में जुटी हुई है.

अडानी की अंबुजा सीमेंट लिमिटेड बिहार में 1,600 करोड़ रु. निवेश करेगी

नयी दिल्ली/पटना । अडानी समूह के स्वामित्व वाली अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (एसीएल) नवादा जिले के वारिसलीगंज में सीमेंट मिश्रण संयंत्र स्थापित करने के लिए लगभग 1,600 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. एसीएल ने शनिवार को बयान में कहा कि 60 लाख टन प्रति वर्ष वारिसलीगंज सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई एसीएल का बिहार में पहला उद्यम है. एसीएल देश में अपनी क्षमता का आक्रामक रूप से विस्तार कर रही है. बयान के अनुसार, वारिसलीगंज सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट, 60 लाख टन प्रति वर्ष की कुल क्षमता वाला एक एकल संयंत्र है. इसे लगभग 1,600 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया जाएगा. इस घोषणा के साथ अरबपति गौतम अदाणी के नेतृत्व वाली यह कंपनी राज्य में सीमेंट उद्योग की किसी कंपनी द्वारा किया गया सबसे बड़ा निवेश बन गई है.

गुस्साए लोगों ने वाहन में की तोड़फोड़

तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार नीट परीक्षार्थी को रौंदा, मौत

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर के अहियापुर थानाक्षेत्र के पुरानी मोतिहारी रोड पर एक तेज रफ्तार सरकारी बस ने बाइक से जा रहे एक 17 वर्षीय छात्र को रौंद दिया. इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई. मृतक किशोर की पहचान जिले के अहियापुर थानाक्षेत्र के कोल्हुआ पैगंबरपुर अशोक बिहार कॉलोनी निवासी भूतपूर्व सैनिक संजीव तिवारी के बेटे साहिल कुमार के रूप में हुई है, जो नीट की तैयारी करता था. जानकारी के मुताबिक, साहिल सुबह किसी काम से निकला था. तभी पीछे से आ रही सरकारी बस ने उसे रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, इस घटना से गुस्साए लोगों ने बैरिया गोलंबर को जाम कर दिया और जमकर हंगामा किया. इस दौरान कई बसों में तोड़फोड़ भी की गई, जिससे भगदड़ की स्थिति बन गई. हालांकि हंगामे की सूचना पर बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया. वहीं, स्थिति को देखते हुए अंचलाधिकारी भी वहां पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझने का प्रयास किया. फिलहाल अहियापुर थाना पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है और पूछताछ कर रही है. घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध-प्रदर्शन किया.

मौके पर पहुंची अहियापुर थाना पुलिस ने बताया कि एक सरकारी बस से कुचलने से एक छात्र की मौत हो गई है. उसके बाद लोगों ने सड़क को जाम कर दिया था. पुलिस आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने के बाद मामले को शांत कराया.

मुख्यमंत्री नीतीश ने द्वारिकाबीघा में किया पुल का उद्घाटन

नालंदा । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को अपने गृह जिला नालंदा में हरनौत के द्वारिकाबीघा में नवनिर्मित पुल का उद्घाटन किया. इस पुल की लागत लगभग 5 करोड़ है. पुल की लंबाई 44 मीटर है. बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत इस पुल के निर्माण की शुरुआत 7 दिसंबर 2022 में हुई थी, जो 6 मार्च को इस साल पूरा हो गया. पुल के निर्माण होने से कल्याणबीघा, चेरो, बहादुरपुर, बिरजू मिल्की समेत दर्जनों गांव के हजारों किसानों और ग्रामीणों को लाभ होगा. पुल के निर्माण होने से द्वारिका बीघा समेत आसपास के लोग काफी खुश हैं. इससे आवागमन की सुविधा बेहतर होगी. दूसरी ओर सीएम नवादा में ककोलत जलप्रपात का उद्घाटन करेंगे. नवादा के ककोलत जलप्रपात को नए सिरे से बनाया गया है.

बिहार में एक और पुल ध्वस्त

सीतामढ़ी में कई गांवों का आवागमन ठप

संवाददाता । सीतामढ़ी

15 दिन के अंदर लगभग 10 पुल गिर गए थे

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क भुतही से लोहखर व मढिया होते हुए मुशहरनिया, वीरता, पुरंदाहा, दलकावा, नरकटिया, इंदरवा से नेपाल सीमा सहोरबा बाजार तक मुख्य पथ है. मानसून शुरू होते ही 15 दिन के अंदर लगभग 10 पुल बिहार में गिर गए थे. इसको लेकर अभी भी सियासत जारी है. इस बीच सीतामढ़ी में एक और पुल ध्वस्त हो गया. बता दें कि पुल गिरने को लेकर बिहार पूरे देश के सुर्खियों में आ गया था.

बिहार में पुल गिरने का सिलसिला थम नहीं रहा है. सीतामढ़ी में एक बार फिर एक पुल गिर गया है. बाढ़ के पानी का दवाब को पुल बर्दाश्त नहीं कर सका है और ध्वस्त हो गया. यह मामला जिले के सोनबरसा प्रखंड क्षेत्र का है. पुल के ध्वस्त होने से एक ओर जहां कई गांवों का आवागमन प्रभावित हो गया है तो दूसरी ओर लोग पुल बनाने वाले विभाग के साथ ही सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करने लगे हैं. बताया जा रहा है कि सोनबरसा प्रखंड क्षेत्र के पुरंदाहा राजबाड़ा पूर्वी पंचायत से इंदरवा पंचायत के दलकावा गांव जाने वाले मुख्य पथ के सड़क में मां दुर्गा मंदिर के समीप अधवारा समूह के बांके नदी पर बना आरसीसी पुल गिर गया है, जिससे आने जाने वाले राहगीरों को काफी कठिनाई हो रही है. कोई भी छोटी या बड़ी गाड़ी इस रास्ते से नहीं गुजर रही है. जब तक फिलहाल चचरी पुल नहीं बन जाता है, तब तक उस सड़क से आने-जाने में लोगों को परेशानी झेलनी पड़ेगी.

कारोबार

सेबी आईपीओ मंजूरी में तेजी लाई जाएगी : बुच

मुंबई । सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने शुक्रवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक आईपीओ मंजूरी में तेजी लाने के लिए एक तंत्र पर काम कर रहा है. बुच ने फिक्की के कैपम कार्यक्रम में कहा कि इसके अलावा सेबी तेजी से मंजूरी के लिए कंपनियों द्वारा दाखिल किए जा रहे आईपीओ दस्तावेजों की जांच के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण भी विकसित कर रहा है. यह उपकरण दिसंबर तक उपलब्ध हो जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि आईपीओ प्रक्रिया के इर्द-गिर्द एक जटिलता कायम है जैसे कि एक जटिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करना.

अमेजन ने 13.5 अरब डॉलर की कमाई की

सिएटल (अमेरिका) । प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन ने अप्रैल-जून तिमाही में 13.5 अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई की. कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. सिएटल स्थित प्रौद्योगिकी कंपनी की कमाई के यह आंकड़े फैक्टसेट द्वारा अनुमानित 10.99 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है. समीक्षाधीन तिमाही में प्रति शेयर आय 1.26 अमेरिकी डॉलर रही, जो विश्लेषकों की 1.03 अमेरिकी डॉलर की अपेक्षा से अधिक है. कंपनी ने 10 प्रतिशत अधिक 148 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित किया.

जोमैटो का शेयर 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा

नयी दिल्ली । होटल तथा रेस्तरां से खाद्य पदार्थों की खरीद का विकल्प पेश करने वाले ऑनलाइन मंच जोमैटो के शेयर में शुक्रवार को 12 प्रतिशत से अधिक तेजी आई. कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ कई गुना होकर 253 करोड़ रुपये दर्ज होने की जानकारी देने के बाद उसके शेयर में तेजी आई. एनएसई पर जोमैटो का शेयर 12.14 प्रतिशत बढ़कर 262.50 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया. बीएसई पर यह 12.13 प्रतिशत बढ़कर 262.50 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया. कारोबार के दौरान एक समय एनएसई तथा बीएसई पर जोमैटो का शेयर 19 प्रतिशत तक बढ़कर 52 सप्ताह के उच्च स्तर 278.70 रुपये और 278.45 रुपये पर पहुंच गया था.

चेन्नई में लैपटॉप फैक्ट्री अगले 8 से 10 महीनों में चालू हो जाएगी

डिक्सन की फैक्ट्री में बनेगा लैपटॉप

भाषा । नयी दिल्ली

खास बातें

- कंपनी पहले से ही एसर के लिए नोटबुक बना रही है
- भारत में आईटी उत्पादों का मार्केट 10 बिलियन डॉलर

पिछले कुछ समय से भारत दुनिया के सामने एक बड़े बाजार के रूप में उभरा है. इसके पीछे सरकार की नीति और संसाधनों की मांग है. यही वजह है कि फोन और वाहन के बाद लैपटॉप कंपनियों भी भारत में निवेश करने में लगे हैं. इसके लिए वे सीधे निर्माण केंद्र ही स्थापित करने में लगे हैं. इसी कड़ी में अब एक नाम इलेक्ट्रॉनिक्स कांट्रेक्ट मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज है. दरअसल डिक्सन टेक्नोलॉजीज चेन्नई में एक नई फैक्ट्री खोलने के करीब है. ऐसे में वह दिन दूर नहीं जब लोगों को सस्ते में ही वर्ल्ड क्वालिटी का लैपटॉप मिलेगा. डिक्सन टेक्नोलॉजीज की मानें तो उस फैक्ट्री में कंपनी देश के शीर्ष पांच नोटबुक ब्रांडों में से चार के लिए लैपटॉप बनाएगी. कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि चैन्नई की लैपटॉप फैक्ट्री अगले 8 से 10 महीनों में चालू हो जाएगी.

डिक्सन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डाइरेक्टर अतुल बी लाल का कहना है कि हमारे पास देश में संचालित शीर्ष पांच ब्रांडों में से शीर्ष चार ग्राहक हैं. इसके लिए, चेन्नई में एक नई साइट की योजना बनाई जा रही है. साइट की पहचान कर ली गई है और जरूरी रिसोर्स भी जुटा लिए गए हैं.

लाल ने बताया कि हमारा लक्ष्य अगले 8 से 10 महीनों में चेन्नई में यह फेसिलिटी शुरू करना है. इसलिए यह भी हमारे ग्रोथ का एक बहुत ही महत्वपूर्ण इंजन बनने जा रहा है. टीम मोबाइल के मोर्चे पर जो करने में सक्षम रही है, हम आईटी प्रोडक्ट्स के लिए भी वही करने की इच्छा रखते हैं.

डिक्शन इस समय देश की सबसे बड़ी कांट्रेक्ट मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों में से एक है. कंपनी पहले से ही एसर के लिए नोटबुक बना रही है और उसने लेनोवो लैपटॉप के लिए एनपीआई (न्यू प्रोडक्शन इंट्रोडक्शन) प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसका बड़े पैमाने पर उत्पादन वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में शुरू होने वाला है. लाल का कहना है कि भारत में आईटी उत्पादों के लिए एड्रेसेबल मार्केट करीब 10 बिलियन डॉलर का है. उल्लेखनीय है कि बीते जून की तिमाही में डिक्सन ने 6,588 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया था. यह सालाना आधार पर 101% की वृद्धि है.

इसके साथ ही कंपनी के शुद्ध लाभ में 109% की सालाना वृद्धि है. बीती तिमाही में यह 140 करोड़ रुपये रही, जिसमें से अधिकांश कंपनी के मोबाइल और ईएमएस (इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग सर्विसेज) डिवीजन से आया. जाहिर है जब कंपनी की प्रोडक्शन यूनिट शुरू होगी तो लैपटॉप की कीमत में कमी होगी ही साथ ही दूसरी कंपनियां भी यहां निर्माण पर जोर देंगी.

स्वदेस फाउंडेशन का 10 करोड़ रुपये का बॉन्ड अभिदान के लिए खुल गया

- यह निर्गम ऑनलाइन अभिदान के लिए 13 अगस्त तक खुला रहेगा

एजेंसी । नयी दिल्ली

गैर-लाभकारी संगठन स्वदेस फाउंडेशन का 10 करोड़ रुपये का जेडसीजेडपी (शून्य कूपन शून्य मूलधन) निर्गम नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएसई मंच पर अभिदान के लिए खुल गया है. जरीना और रॉनी स्क्रूवाला द्वारा स्थापित एनपीओ स्वेदस फाउंडेशन ने एक बयान में यह घोषणा की. शून्य-कूपन, शून्य-मूलधन के जरिये सोशल स्टॉक एक्सचेंज मंच में सूचीबद्ध गैर-लाभकारी संगठनों को धन दान किया जा सकता है. फाउंडेशन ने कहा कि यह एसएसई मंच पर किसी भी एनपीओ द्वारा जारी किया गया सबसे बड़ा निर्गम होगा. यह निर्गम ऑनलाइन अभिदान के लिए 13 अगस्त तक खुला रहेगा.

बयान के मुताबिक, एसएसई मंच पर इस निर्गम के जरिये जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल स्वदेस फाउंडेशन के कार्यक्रमों को मदद पहुंचाने में किया जाएगा. इसमें बकरी पालन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पहल और युवा शिक्षा के साथ रोजगारपरक कार्यक्रम शामिल हैं. देस फाउंडेशन के सह-संस्थापक रॉनी स्क्रूवाला ने कहा, सूचीबद्धता के संबंध में एसएसई की तत्परता और कोष के इस्तेमाल से जुड़ी रिपोर्ट से इस क्षेत्र में काफी पारदर्शिता आएगी.

एसबीआई का लाभ 17,035 करोड़ रुपये पर लगभग स्थिर

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का एकल आधार पर शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के लिए 17,035 करोड़ रुपये का लगभग स्थिर रहा है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 16,884 करोड़ रुपये रहा है. एसबीआई ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी जून तिमाही में बढ़कर 1,22,688 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,08,039 करोड़ रुपये थी. समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की ब्याज से आमदनी बढ़कर 1,11,526 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 95,975 करोड़ रुपये थी. बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां कुल अग्रिमों में से पहली तिमाही में घटकर 2.21 प्रतिशत रह गईं, जो पिछले साल जून के अंत में 2.76 प्रतिशत थीं.

जेके टायर का लाभ 37% बढ़ कर 211 करोड़ हुआ

नयी दिल्ली । टायर बनाने वाली कंपनी जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ 37 प्रतिशत बढ़कर 211 करोड़ रुपये हो गया है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 154 करोड़ रुपये रहा था. जेके टायर ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी जून तिमाही में घटकर 3,655 करोड़ रुपये रह गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,726 करोड़ रुपये थी.

हुआ खुलासा | पाकिस्तान का पिछले 40 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का मामला

आईएमएफ को 3.6 अरब डॉलर से अधिक ब्याज किया भुगतान

- प्रस्तुत दस्तावेजों से पता चला कि ब्याज के रूप में दी गई राशि पाकिस्तानी मुद्रा में 1,000 अरब रुपये से अधिक है

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने पिछले 40 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को ऋण पर 3.6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक ब्याज का भुगतान किया है. यह चौंकाने वाला खुलासा गुरुवार को संसद भवन में सांसद सैफुल्लाह अब्रो की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति की बैठक में किया गया. बैठक में वित्त मंत्रालय ने आईएमएफ को अब तक दिए गए ऋणों तथा पुनर्भुगतानों का विवरण प्रस्तुत किया.

समाचार पत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के अनुसार, वित्त मंत्रालय और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के अधिकारियों ने बैठक में खुलासा किया कि पाकिस्तान ने आईएमएफ को 3.6 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक ब्याज का भुगतान किया है. बैठक में प्रस्तुत दस्तावेजों से पता चला कि ब्याज के रूप में दी गई राशि पाकिस्तानी मुद्रा में 1,000 अरब रुपये से अधिक है. इसमें यह भी सामने आया कि पिछले 30 वर्षों में पाकिस्तान ने आईएमएफ से करीब 29 अरब अमेरिकी डॉलर उधार लिया और इसी अवधि में 21.72 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि चुकाई है. दस्तावेजों के अनुसार, पिछले चार वर्षों में ही पाकिस्तान ने आईएमएफ से 6.26 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक उधार लिया और 4.52 अरब अमेरिकी डॉलर चुकाए. इसके अतिरिक्त पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान ने आईएमएफ को 1.10 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक ब्याज का भुगतान किया है.

पाकिस्तान ने 2024 में आईएमएफ से विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 1.35 अरब अमरीकी डॉलर उधार लिए और एसडीआर में 64.669 करोड़ अमरीकी डॉलर चुकाए. एसडीआर आईएमएफ द्वारा निर्मित एक अंतरराष्ट्रीय आरक्षित परिसंपत्ति है. इनका इस्तेमाल सदस्य देशों के आधिकारिक भंडार को पूरक बनाने के लिए किया जाता है और जरूरत के समय में सरकारों के बीच इनका आदान-प्रदान स्वतंत्र रूप से उपयोग योग्य मुद्राओं के लिए किया जा सकता है. एसडीआर का मूल्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं पर आधारित होता है. वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने समिति को यह भी बताया कि पाकिस्तान ने 1984 से आईएमएफ से 19.55 अरब अरब अमेरिकी डॉलर के एसडीआर (25.94 अरब अमेरिकी डॉलर) उधार लिए और 14.71 अरब अमेरिकी डॉलर एसडीआर (19.51 अरब अमेरिकी डॉलर) का भुगतान किया, जिसमें 2.44 अरब अमेरिकी डॉलर एसडीआर (3.23 अरब अमेरिकी डॉलर) का ब्याज चुकाया गया. समिति के चेयरमैन ने कहा कि देश अपने आप बर्बाद नहीं हो रहा है, बल्कि हम सब इसके बर्बादी में भागीदार हैं. समाचार पत्र की खबर के अनुसार, समिति ने बाद में आईएमएफ के साथ प्रत्येक कार्यक्रम का ब्यौरा मांगा और कहा कि समिति को प्रत्येक कार्यक्रम में क्या हुआ है.

कोल इंडिया का मामला

ई-नीलामी से कमाई 7% घटकर 5,589 करोड़ हुई

एजेंसी । कोलकाता

कोल इंडिया की ई-नीलामी से औसत प्राप्ति चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में सात प्रतिशत घटकर 5,589 करोड़ रुपये रह गई है. कंपनी ने बताया कि यह गिरावट नीलामी की कम कीमतों के कारण आई है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी की ई-नीलामी से औसत कमाई 6,023 करोड़ रुपये रही थी.

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी की ई-नीलामी से आमदनी घटी है, हालांकि इस दौरान ई-नीलामी की मात्रा करीब 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.31 करोड़ टन से अधिक हो गई है. पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 1.61 करोड़ टन था. कंपनी की ई-नीलामी से प्रति टन औसत कमाई 35 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 2,411 रुपये रह गई.

पिछले साल समान तिमाही में ई-नीलामी से औसत कमाई 3,740 रुपये प्रति टन रही थी. एक विश्लेषक ने कहा कि 2023 की अप्रैल-जून अवधि में बिजली की ऊंची मांग के कारण बिजली क्षेत्र से मांग, आपूर्ति से अधिक हो गई थी और कोयले के लिए मजबूत वैश्विक कीमतों के कारण कोल इंडिया को ई-नीलामी में बेहतर कीमतें मिलीं.

ब्रीफ खबरें

सोमालिया में होटल पर हमले में 32 लोगों की मौत

सोमालिया । सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में समुद्र तट पर स्थित एक होटल पर शुक्रवार शाम हुए हमले में 32 लोगों की मौत हो गई और 63 अन्य घायल हो गए. यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी. पुलिस प्रवक्ता मेजर अब्दिफतह अदन हस्सा ने पत्रकारों को बताया कि हमले में एक सैनिक की मौत हो गई और बाकी नागरिक थे. हसन ने बताया कि हमले में एक अन्य सैनिक घायल भी हुआ है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट के बाद गोलीबारी हुई जिसमें कई लोगों की जान चली गयी है.

अमरनाथ के लिए एक और जत्था रवाना हुआ

जम्मू । अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से 990 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को सुबह रवाना हुआ. अधिकारियों ने बताया कि यह इस साल भगवती नगर आधार शिविर से वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना होने वाला सबसे छोटा जत्था है और इसमें 152 महिलाएं शामिल हैं. अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किमी लंबे पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किमी लंबे बालटाल मार्ग से वार्षिक अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी.

निवर्तमान राज्यपाल मिश्र जयपुर से विदा हुए

जयपुर । राजस्थान के निवर्तमान राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार को जयपुर से विदा हो गए. हवाईअड्डे पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर विदाई दी. उन्होंने मिश्र को स्वस्थ जीवन के लिए बधाई दीं. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा और अन्य मंत्री व अधिकारी भी मौजूद थे.
उल्लेखनीय है कि कलराज मिश्र ने नौ सितंबर 2019 को राजस्थान के राज्यपाल पद की शपथ ली थी. इससे पहले, वह हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल थे. दोनों राज्यों के राज्यपाल के रूप में उनका पांच साल का कार्यकाल समाप्त हो गया.

बारां में सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

जयपुर । राजस्थान के बारां जिले में शुक्रवार रात हुए एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी ने बताया कि भंवरगढ़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर यह हादसा उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार यात्री वाहन (एसयूवी) सामने से मवेशी आने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया. चौधरी के अनुसार, हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए.

वियतनाम के राष्ट्रपति नये प्रमुख चुने गए

नोम पेन्ह (कंबोडिया) । वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम को देश की कम्युनिस्ट पार्टी का नया प्रमुख चुना गया है. वह गुयेन फू त्रोंग की जगह लेंगे, जिनका इस साल 19 जुलाई को निधन हो गया था. लाम कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ वियतनाम के महासचिव होंगे. इस पद को देश का सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पद माना जाता है. फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि लाम राष्ट्रपति पद पर बरकरार रहेंगे या नहीं. कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ वियतनाम के पूर्व महासचिव त्रोंग का 2011 में इस पद पर काबिज होने के बाद उनके निधन तक राजनीतिक में दबदबा था.

पश्चिम बंगाल और गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश से त्राहिमाम

पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिला और कोलकाता में भारी तबाही, वहीं गुजरात में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

एजेंसी । नयी दिल्ली

मूसलाधार बारिश के कारण पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले तथा कोलकाता में जलभराव होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गयी है. उधर, गुजरात में भी भारी बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के अंडाल स्थित काजी नजरूल इस्लाम (केएनआई) हवाई अड्डे के परिसर और आसपास जलभराव होने के कारण शुक्रवार को वहां से उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया था. अधिकारियों के अनुसार केएनआई हवाई अड्डे पर शनिवार दोपहर बाद उड़ान परिचालन शुरू होने की संभावना है. उन्होंने बताया कि रनवे और हवाई अड्डे के अन्य क्षेत्रों में पानी का स्तर कम हो रहा है मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है. एक और खबर है कि पश्चिम बर्धमान जिले में जलमग्न पुल को पार करते समय कार के पानी में बह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि आसनसोल के कल्याणपुर हाउसिंग क्षेत्र में यह व्यक्ति पानी में डूबे पुल को पार कर रहा था तभी उसकी कार बह गयी. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने शनिवार को घटनास्थल से शव को बरामद किया.

सापुतारा में भारी बारिश, अंबिका नदी में बाढ़ जैसे हालात
गुजरात के नवसारी और डांग जिले में भी भारी बारिश हुई. सापुतारा में भारी बारिश के कारण अंबिका नदी में बाढ़ जैसे हालात बन गये हैं. अंबिका नदी पर बने चिखलदा, सुसारदा, आंबापाड़ा के पुलों पर बाढ़ का असर देखने को मिल रहा है. लोगजान जोखिम में डालकर नदी पार करते दिख रहे हैं. पर्यटकों के पसंदीदा गिरा वाटरफॉल रौद्र रूप दिखा रहा है. प्रशासन ने वॉटरफॉल के पास जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है.

केरल भूस्खलन का मामला

प्रशासन ने 218 लोगों की मौत की पुष्टि की

वायनाड । केरल के वायनाड जिले में बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं के चार दिन बाद तक प्रभावित क्षेत्रों से 218 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं. जिला प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी. प्रशासन की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मृतकों में 87 महिलाएं और 30 बच्चे शामिल हैं. इसमें बताया गया है कि भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में मलबे से अब तक शरीर के 143 अंग भी बरामद किए जा चुके हैं. बयान के अनुसार, 215 शवों में से 148 की शिनाख्त उनके परिजनों ने कर ली है. इसमें कहा गया है कि 212 शवों और शरीर के 140 अंगों का पोस्टमार्टम किया जा चुका है तथा 119 अवशेष निकटतम परिजनों को सौंप दिए गए हैं. बयान के मुताबिक, 504 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था, जिनमें से 82 का इलाज जारी है. जिला प्रशासन ने कहा कि लगभग 218 लोग अब भी लापता हैं.

भूस्खलन से प्रभावित चंडीगढ़-मनाली राजमार्ग

मंडी-पंडोह हिस्से पर यातायात बहाल

मंडी-जंजैहली मार्ग और कुमारहड़ा के पास मंडी-धर्मपुर मार्ग भी अवरुद्ध हो गया. मंडी प्रशासन ने यात्रियों को यात्रा करने से पहले मौसम का भी ध्यान रखने को कहा

शिमला । हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण अवरुद्ध हुए चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से पर यातायात बहाल कर दिया गया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात हुई बारिश के कारण भूस्खलन होने से मंडी और पंडोह के बीच का मार्ग अवरुद्ध हो गया था. उन्होंने बताया कि सड़क के इस हिस्से से मलबा हटाकर इसे खोलने में 10 घंटे का समय लगा. भूस्खलन होने के कारण सड़क पर पत्थर और मलबा बिखरा हुआ था, जिसके कारण प्रशासन ने हल्के वाहनों को कटौला और गोहर के रास्ते जाने के लिए कहा. सड़क पर अभी भी बड़ी संख्या में वाहन फंसे हुए हैं. चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा पंडोह और औट के बीच क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे यातायात एक तरफ ही सीमित कर दिया गया था. थुनाग के पास मंडी-जंजैहली मार्ग और कुमारहड़ा के पास मंडी-धर्मपुर मार्ग भी अवरुद्ध हो गया. मंडी प्रशासन ने यात्रियों को यात्रा करने से पहले सड़क की स्थिति के साथ-साथ मौसम का भी ध्यान रखने के लिए कहा.

राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश हुई : राजस्थान में कई जगहों पर बीते चौबीस घंटे में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई. मौसम केंद्र जयपुर के प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में कोलायत मगरा (बीकानेर) में सबसे अधिक 195.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई.

पीएम ने कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया उद्घाटन, बोले-

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के समाधान के लिए काम कर रहा है भारत

- बोले-देश का आम बजट 2024-25 पर्यावरण अनुकूल खेती पर केंद्रित है
- भारत अब एक खाद्य अधिशेष देश है. यह दुनिया में दूध, दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत एक खाद्य अधिशेष देश बन गया है और वह वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है. खाद्य अधिशेष से मतलब देश में उपभोग से ज्यादा खाद्यान्न उपलब्ध होने से है. भारत में 65 वर्षों के बाद आयोजित किए जा रहे कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश का आम बजट 2024-25 पर्यावरण अनुकूल खेती पर केंद्रित है.

मोदी ने कहा कि पिछली बार जब भारत ने इस सम्मेलन की मेजबानी की थी, तब उसे आजादी मिले ज्यादा समय नहीं हुआ था और वह दौर देश में कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण दौर था. उन्होंने कहा, भारत अब एक खाद्य अधिशेष देश है. यह दुनिया में दूध, दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है. इसके अलावा, भारत खाद्यान्न, फल, सब्जी, कपास, चीनी और चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया है.

भारतीय कृषि में 90 प्रतिशत किसानों के पास बहुत कम जमीन : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कृषि अनुकूल कृषि और खाद्य प्रणालियों के समक्ष चुनौतियों का समाधान केवल एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के समग्र दृष्टिकोण के तहत ही किया जा सकता है. मोदी ने कहा कि भारतीय कृषि में 90 प्रतिशत किसानों के पास बहुत कम जमीन है और ये छोटे किसान भारत की खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत हैं. इसका मकसद युवा शोधकर्ताओं और अग्रणी पेशेवरों को वैश्विक समकक्षों के साथ अपने काम और नेटवर्क को पेश करने के लिए एक मंच प्रदान करना है.

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में जलवायु परिवर्तन के प्रति कम संवेदनशील फसलों की 1,900 नयी प्रजातियां प्रदान की हैं. उन्होंने कहा कि भारत रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है. मोदी ने कहा कि देश पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने की ओर बढ़ रहा है. उन्होंने कहा, कृषि भारत की आर्थिक नीतियों के केंद्र में है. यह सम्मेलन वैश्विक कृषि चुनौतियों के प्रति भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डालेगा और कृषि अनुसंधान एवं नीति में देश की प्रगति को रेखांकित करेगा.

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी.

भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया के लिए चिंता का सबब थी
पीएम ने कहा, एक दौर था, जब भारत की खाद्य सुरक्षा दुनिया के लिए चिंता का सबब थी. अब, भारत वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए समाधान प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है. मोदी ने कहा कि इसलिए खाद्य प्रणाली परिवर्तन पर चर्चा के लिए भारत का अनुभव मूल्यवान है और इससे वैश्विक दक्षिण को लाभ होगा. कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया के 70 देशों के लगभग 1,000 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं. इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिस्ट्स की ओर से यह त्रिवार्षिक सम्मेलन दो से सात अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है. इस वर्ष के सम्मेलन का विषय पर्यावरण अनुकूल कृषि-खाद्य प्रणालियों की ओर है. प्रधानमंत्री ने विश्व बंधु के रूप में वैश्विक कल्याण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई. उन्होंने विभिन्न मंचों पर भारत द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न मंत्रों पर प्रकाश डाला, जिनमें एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य, मिशन लाइफ और एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य शामिल हैं. उन्होंने मानव, पौधों और पशुओं के स्वास्थ्य को अलग-अलग नहीं देखने के भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया.

मणिपुर: शांति बहाल करने के लिए हुआ था समझौता

24 घंटे के भीतर जिरीबाम में फिर हिंसा

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर के जिरीबाम में शांति बहाल करने के प्रयासों के लिए मेइती और हमार समुदायों के बीच समझौता होने के एक दिन बाद ही तनाव पैदा करने वाली घटना सामने आई हैं जहां गोलीबारी की गई और एक खाली पड़े घर को आग लगा दी गई. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि लालपानी गांव में खाली पड़े एक घर को शुक्रवार रात हथियारबंद लोगों ने आग के हवाले कर दिया. एक अधिकारी ने बताया, यह घटना एक बिल्कुल ही अलग बस्ती में हुई जहां मेइती समुदाय के कुछ लोगों के घर हैं और जिले में हिंसा भड़कने के बाद से इनमें से अधिकतर घर खाली पड़े हैं. उपद्रवियों ने इलाके में सुरक्षाकर्मियों की गैर मौजूदगी का फायदा उठाकर आगजनी की. उपद्रवियों की पहचान नहीं हो सकी है.

उन्होंने बताया कि हथियारबंद लोगों ने बस्ती को निशाना बनाकर गोलियां भी चलाईं. उन्होंने बताया कि घटना के बाद सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया. गुरुवार को असम के कछार में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक प्रतिष्ठान में हुई बैठक में मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच समझौता हुआ था.

उपद्रवियों ने खाली पड़े घर को आग लगा दी

जम्मू-कश्मीर में पांच पुलिसकर्मी समेत छह कर्मचारी बर्खास्त हुए

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शनिवार को कथित मादक पदार्थ-आतंकवाद (नार्को-टेरर) गिरोह से जुड़े होने के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों समेत छह सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया. अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) का इस्तेमाल कर उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया. अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चला है कि ये कर्मचारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और उसकी यहां से संचालित आतंकी समूहों के 'नार्को-टेरर' गिरोह से जुड़े हुए थे.

कम दूरी के रॉकेट से हनिया को निशाना बनाया गया : ईरान

बहुत जल्द जवाबी कार्रवाई का संकल्प लिया

एजेंसी । यरूशलम

ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने कहा है कि हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनिया की हत्या कम दूरी वाले एक रॉकेट हमले के जरिये की गई और अमेरिका पर इस इजराइली हमले का समर्थन करने का आरोप लगाया. सरकारी टीवी में शनिवार को आई खबर में यह कहा गया है.

टीवी पर प्रसारित बयान में कहा गया है कि बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में, सात किलोग्राम के आयुध के साथ एक रॉकेट का इस्तेमाल हमास के राजनीतिक प्रमुख के आवास को निशाना बनाने में किया गया. बयान के अनुसार, हमले में भारी तबाही हुई, लेकिन स्थान का विवरण साझा नहीं किया गया है. हनिया, ईरान के नव निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए ईरान में था. रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने बयान में कहा, इस कार्रवाई की योजना यहूदी शासन ने बनाई थी और अमेरिका द्वारा समर्थित थी. साथ ही, उसने जवाबी कार्रवाई का आह्वान भी दोहराया. उसने कहा, युद्धोन्मादी और आतंकी यहूदी शासन को उचित समय और स्थान पर कठोर दंड मिलेगा.

लद्दाख में इमारत ढहने से 12 लोग घायल हो गए

करगिल/जम्मू । लद्दाख के करगिल जिले में शनिवार सुबह पहाड़ी ढलान पर तीन मंजिला एक इमारत के ढह जाने से कम से कम 12 लोग घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जहां पर इमारत ध्वस्त हुई उसी जगह के पास जेसीबी मशीन काम कर रही थी और मिट्टी धंसने से एक बड़ा गड्ढा बन गया था. अधिकारियों ने बताया कि घटना सुबह साढ़े तीन बजे कबड्डी नाला इलाके की है. उन्होंने बताया कि घायलों में से पांच लोगों को मलबे के नीचे से निकाला गया जिनमें जेसीबी मशीन का चालक भी शामिल है.

कोचिंग सेंटर मौत मामला

कोर्ट ने बेसमेंट के सह-मालिकों की याचिका का निपटारा किया

- जांच सीबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपी कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को उस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट के चार सह-मालिकों की जमानत याचिका का निपटारा कर दिया, जहां पिछले महीने सिविल सेवा की परीक्षा की तैयारी करने वाले तीन विद्यार्थियों की डूबने से मौत हो गई थी. अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील पर गौर किया कि इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है. दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां राजेंद्र नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की मौत के मामले की जांच शुक्रवार को दिल्ली पुलिस से सीबीआई को सौंप दी. उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच सीबीआई को यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपी कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो.

दिल्ली में 2020 में हुए दंगों के मामलों में छह लोग बरी

नयी दिल्ली । शहर की एक अदालत ने 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के सांप्रदायिक दंगों के दौरान हुई आगजनी, दंगा और चोरी के आरोपी छह लोगों को बरी कर दिया है. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला उनके खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे. आरोपों के अनुसार, उपरोक्त छह लोगों ने 25 फरवरी 2020 को शिव विहार में एक घर में लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी की. बाद में एक क्लीनिक में आग लगाने की शिकायत को भी इस मामले के साथ जोड़ दिया गया.

पश्चिम एशिया में सैन्य उपस्थिति बढ़ाएगा अमेरिका

लड़ाकू विमान और पोत भी तैनात करेगा

एजेंसी । वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने वहां लड़ाकू विमानों का दस्ता और विमान वाहक पोत तैनात करने का फैसला किया है. अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने यह जानकारी दी. पेंटागन ने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने ईरान और उसके सहयोगियों के संभावित हमलों से इजराइल की रक्षा करने और अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम एशिया में सैन्य उपस्थिति बढ़ाने का निर्णय लिया है.

पेंटागन ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने यूरोप और पश्चिम एशिया के क्षेत्रों में अतिरिक्त बैलिस्टिक मिसाइल से लैस जहाज और विध्वंसक पोत तैनात करने का भी आदेश दिया है. इसके अलावा, ऑस्टिन वहां जमीन से वार करने वाली अतिरिक्त बैलिस्टिक मिसाइल भेजने की दिशा में भी कदम उठा रहे हैं. अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने का फैसला ऐसे समय में किया है, जब अमेरिकी नेताओं ने यह चिंता जताई है कि इजराइल के हालिया हमलों में हमास और हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के कारण क्षेत्र में हिंसा बढ़ सकती है.

लगाया आरोप रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की प्रचार अभियान टीम ने किया दावा

कमला सबसे कम लोकतांत्रिक तरीके से बनीं उम्मीदवार

- ट्रंप की प्रचार अभियान टीम ने कमला के चयन की प्रक्रिया को साम्यवादी चीन की याद दिलाने वाला करार दिया

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की प्रचार अभियान टीम ने शुक्रवार को दावा किया कि कमला हैरिस सबसे कम लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गईं डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी हैं, क्योंकि उनके नाम पर एक भी वोट नहीं पड़ा. ट्रंप की प्रचार अभियान टीम ने कमला के चयन की प्रक्रिया को साम्यवादी चीन की याद दिलाने वाला करार दिया.

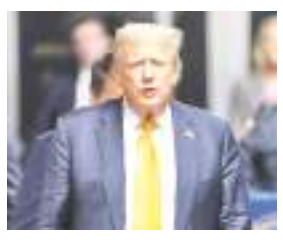

भारतीय-अफ्रीकी मूल की कमला (59) ने शुक्रवार को पर्याप्त डेलीगेट (प्रतिनिधियों) के वोट हासिल कर लिए, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार घोषित किया गया.

अमेरिका में पांच नवंबर को प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में देश की मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला का मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप (78) से होगा. ट्रंप की प्रचार अभियान टीम ने कहा, डेमोक्रेटिक पार्टी के लोग लोकतंत्र के लिए वास्तविक खतरा हैं. अमेरिकी इतिहास की सबसे कम लोकप्रिय उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को उनके नाम पर एक भी वोट पड़े बिना आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार घोषित कर दिया गया. प्रचार टीम ने कहा, साम्यवादी चीन की याद दिलाने वाली एक प्रक्रिया में, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने अपने पिछले नामांकित व्यक्ति को उस समय हटा दिया, जब उसकी सेहत में गिरावट की बात को छिपाना असंभव हो गया था. इसके बाद उन्होंने कमला को सबसे कम लोकतांत्रिक तरीके से पार्टी उम्मीदवार घोषित कर दिया. टीम का इशारा जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हटने की तरफ था. उसने कहा कि अब वे जब तक संभव हो, तब तक कमला को जनता से दूर रखना चाहते हैं, नहीं तो उनकी अति उदारवादी विचारधारा और (राष्ट्रपति) कार्यालय में सेवाएं देने की उनकी अयोग्यता मतदाताओं के सामने आ जाएगी.

इस बीच, ट्रंप ने अपने समर्थकों को भेजे एक ईमेल में हैरिस पर कहर बरपाने का आह्वान किया. उपराष्ट्रपति की नस्ली पहचान पर सवाल उठाने के कुछ दिनों बाद ट्रंप शनिवार को अटलांटा के प्रमुख चुनाव मैदान में एक रैली को संबोधित करने वाले हैं.

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में अपनी चूक स्वीकार की

वाशिंगटन । अमेरिका की सीक्रेट सर्विस ने एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में अपनी चूक को स्वीकार किया है. ट्रंप 13 जुलाई को पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उस समय बाल-बाल बच गए, जब 20 वर्षीय एक हमलावर ने उन पर कई गोलियां चलाईं. अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कार्यवाहक निदेशक रोनाल्ड रोवे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 13 जुलाई की घटनाओं में चूक के लिए सीक्रेट सर्विस पूरी तरह से जिम्मेदार है.

चीन : मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हुई

बीजिंग । चीन में दो सप्ताह पहले उत्तर-पश्चिमी शांक्सी प्रांत में एक राजमार्ग पुल के आंशिक रूप से ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़ 38 हो गई है और करीब दो दर्जन लोग अभी भी लापता हैं. सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने शुक्रवार शाम को यह जानकारी देते हुए बताया कि 19 जुलाई को हुई इस दुर्घटना में दो दर्जन वाहन तेज बहाव वाली नदी में गिर गए थे. सीसीटीवी की खबर के अनुसार, एक व्यक्ति को बचा लिया गया था. शांक्सी प्रांत में जिस क्षेत्र में डैनिंग राजमार्ग पर पुल ध्वस्त हुआ, वहां पिछले दिनों भारी बारिश हुई थी. सीसीटीवी की खबर के मुताबिक, पुल ध्वस्त होने पर कम से कम 25 कार नदी में गिर गईं. बचाव दलों ने पीड़ितों की तलाश में कई किलोमीटर नीचे तक खोज की है.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले

बिना 'डीएनए टेस्ट' के भाजपा का आरोप दुराग्रहपूर्ण माना जाएगा

एजेंसी । लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या में नाबालिग किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म मामले में शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या के मदरसा मामले में बिना डीएनए टेस्ट के भाजपा का आरोप दुराग्रहपूर्ण माना जाएगा. सपा मुख्यालय से शनिवार को जारी एक बयान में पार्टी प्रमुख ने कहा, अयोध्या के मदरसा मामले में बिना डीएनए टेस्ट के भाजपा का आरोप दुराग्रहपूर्ण माना जाएगा. कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है, उनका डीएनए टेस्ट कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए. यादव ने कहा, जो भी दोषी हों उन्हें कानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए, लेकिन अगर डीएनए टेस्ट के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए. सपा प्रमुख ने मांग की है कि सरकार पीड़ित परिवार को तत्काल 20 लाख रुपये की सहायता प्रदान करे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)